# हरियाणा विधान सभा

# की

# कार्यवाही

## 22 मार्च 1995

### खण्ड 1, अंक 11

### अधिकृत विवरण

### विषय सूची

### बुधवार, 22 मार्च, 1995

पृष्ठ संख्या


| | |
|---|---|
| तारांकित प्रश्न एव उत्तर | (11)1 |
| ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं | (11)69 |
| प्रो० छतरपाल सिह कें निलम्बन को रद्द करने तथा धिराय | (11)70 |
| निर्वाचन से कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी सम्बन्धी मामला उठाना | (11)72 |
| 23 मार्च 1995 को सरकारी दिवस में बदला/नियम 30 के अधीन प्रस्ताव | (11)75 |

| | |
|---|---|
| वाक आउट | |
| नियम 30 के अधीन प्रस्ताव (पुनरारम्भ) | (11) 75 |
| प्रो० छतरपाल सिंह के निलम्बन को रह करने तथा धिराय निर्वाचन क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी सम्बन्धी मामला उठाना (पुनरारम्भ) | (11)70 |
| वाक आउट | (11)76 |
| वर्ष 1995–96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) | (11)77 |
| वाक आउट | (11)97 |
| वर्ष 1995– 96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) | (11)97 |
| सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन | (11)114 |
| बैठक का समय बढ़ाना | (11)118 |
| सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन (पुनरारम्भ ) | (11)118 |
| वाक आउट | (11) 119 |
| सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन (पुनरारम्भ) | (11)120 |
| वर्ष 1995– 96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ ) | (11)120 |
| बैठक का समय बढ़ाना | (11)126 |

| | |
|---|---|
| वर्ष 1995– 96 के बजट पर सामान्य चर्चा ( पुनरारम्भ) | (11)126 |
| बैठक का समय बढ़ाना | (11)129 |
| वर्ष 1995– 96 के बजट पर सामान्य चर्चा ( पुनरारम्भ) | (11)129 |
| बैठक का समय बढ़ाना | (11)131 |
| वर्ष 1995–96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ ) | (11)131 |
| बैठक का समय बढ़ाना, | (11)131 |
| वर्ष 1995– 96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ ) | (11)131 |

# हरियाणा विधान सभा

## बुधवार, 22 मार्च, 1995

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9–30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ईश्वर सिंह ) ने अध्यक्षता की।

## तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members the question hour.

**Number of Ordinary/Express Buses in the State**

***1012. Prof. Chhattar Singh Chauhan :** Will the Minister of State for Transport be pleased to stale—

(a) the total number of ordinary and express buses of Haryana Roadways being plied in the State at present togetherwith the routes thereof separately; and

(b) whether the plying of express buses as referred to in part (a) above is economically viable ?

**परिवहन राज्यं मंत्री (श्री बलवीर पाल शाह ):**

( क ) श्रीमान जी, अनुबन्ध ''एक्स'' तथा ''वाई'' पर दिये गये मार्गो पर हरियाणा राज्य परिवहन द्वारा 3017 साधारण तथा 695 एक्सप्रैस बसे चलाई जा रही हैं।

(ख ) हां जी।

## अनुबन्ध–'एक्स'

हरियाणा राज्य परिवहन की सामान्य बसों के मार्गों की दर्शाई गई सूचीः–

चण्डीगढ़ डिपो

1. चण्डीगढ़–मनाली

2. चण्डीगढ–दिल्ली

3. चण्डीगढ–देहरादून

4. चण्डीगढ –हरिद्वार.

3. चण्डीगढ़–ऋषिकेव

5. चण्डीगढ़–मेरठ

7. चण्डीगढ–दिल्ली–पंडोह

8. पौंटा साहिब–पटियाला वाया अम्बाला कैंट

9. चण्डीगढ़–सिरसा

10. चण्डीगढ़–रायपुर रानी–नारायणगढ़

11. जटवाड–चण्डीगढ

12. चण्डीगढ़–नारनौल

13. पंचकूला–बुगां–खेतपराली

14. चण्डीगढ़–नारायणगढ़

15. चण्डीगढ़–कौरा

16. चण्डीगढ़–हिसार–वाया पटियाला

17. चण्डीगढ–हिमार–बाया जीन्द

18. चण्डीगढ़–कसौली–दिल्ली

19. चण्टुगिढ़–शिमला

20. चण्डीगढ–मोरनी–बदयाल

21. चण्डीगढ़–मल्लाह

22. चण्डीगढ–बद्दी

23. चण्डीगढ–अम्मालाबाद

24. चण्डीगढ़–हरीपुर

25. चण्डीगढ़–केसरी

26. चण्डीगड–साहा

27. चण्डी गढ़–अम्बाला सिटी

28. चण्डीगढ–सकेतडी

29. चण्डीगढ़–ओल्ड पंचकुला

30. चण्डीगढ–झीरकपुर

31. पंचकूला–दिल्ली

32. चण्डीगढ़–कटरा

33. चण्डीगढ़–तलवाड़ा

34. चण्डीगढ–बंजनाथ

35. चण्डीगढ–लुधियाना–दिल्ली

36. चण्डीगढ़–करनाल

37. पंचकूला–अम्बाला सिटी

38. कालका–चण्डीगउ

39. कालका–दिल्ली

40. कालका–अम्बाला सिटी

41. कालका–हिसार

42. कालका–यमुनानगर

43. कालक –मल्लाह

44. कालका–कमौली–दिल्ली

45. कालका–बाड़गोदाम

46. कालका–पौटा साहिब

47. कालका–बैजनाथ

48. कालका–खेतपड़ारी

49. कालका–लुधियाना–शिमला

50. कालका–शिमला

51. कालका–अलीगढ़

52. कालका–झीरकपुर

53. कालका–हरिद्वार

करनाल डिपो

1 करनाल–पहेवा–पिपली

2 करनाल–अम्बाला

3 करनाल–लाडवा

4. करनाल–बगयानां–जीन्द

5. करनाल–पहेवा–डाढ़

6. करनाल–दिल्ली–धर्मशाला

7. करनाल–हिसार–जीन्द

8. करनाल–यमुनानगर–पीपली

9. करनापो–पानीपत

10. करनाल–शाहतलाई

11. करनाल–इसरांना–रोहतक

12. करनाल–चौरा–लालूपुरा

13. करनाल–अमीन

14. करनाल–असंध–पानीपत

15. करनाल–असंध

16. करनाल–बल्ला

17. रुरनाल–निसिंग–असंध–इच्छनपुर

18. करनाल–निसिंग–असंध–डाचर

19. करनाल–रायसन–पबनावा–पिपली

20. करनाल–कोनीपुरा

21. करनाल–उपलाना–असंध

22. करनाल–चण्डीगढ़

23. करनाल–दिल्ली

24. करनाल–मेरठ

25. करनाल–शामली

26. करनाल–शिमला–दिल्ली

27. करनाल–जलमाना–वाया पुण्डरी

28. करनाल–मूनक–सालवन–असंध

29. करनाल–जीन्द

30. करनाल–दिल्ली–होशियारपुर–वाया लुधियाना

31. करनाल–फरीदपुर

32. करनाल–सहारनपुर

33. करनाल–रमाना–सौंकड़ा

34. करनाल–कीरमंच–हथीरा

35. करनाल–बीजना–पानीपत

38. करनाल–इन्द्री–चण्डीगढ़

37. करनाल–पहेवा–बाया मीतामाई

38. करनाल–इन्द्री–चौगामा

39. करनाल–कालका

40. करेनाल–यूरनी–कमालपुर

41. करनाल–बांसा

42. करनाल–ढ़ाबडी–इच्छनपुर

43. करनाल–तिजारा

44. करनाल–लाडवा वाया रायतखाना

45 करनाल–बालपबाना–पाडा

46. करनाल–पिपली

47. करनाल–शेयरदा

48. करनाल–मुआना–चण्डीगढ़

49. करनाल–कबूलपुर खेडा

50. करनाल–सिटी सर्विस

51. करनाल–जोहडमाजरा

52. करनाल–इन्द्री –खुखनी–लाडवा

53. करनाल–इसलामनगर

54. करनाल–डब्बवाली

55. करनाल–बूडनपुर

56. करनाल–असंध–कैथल

57. करनाल–कैथल–चीका

58. करनाल–औऊगंद–अलीपुरं'

59. करनाल–सोनीपत

60. करनाल–होडल

61. करनाल–असंध–राड़ा

62. करनाल–पानीपत–गनौर

63. करनाल–सिकरी

64. करनाल–चौरा

65. करनाल–गौंदर

66. करनाल–पिचौलिया

67. करनाल–कुटेल

68. करनाल–जानी

69. करनाल–भगबानरुर

70. करनाल–सनहेड़ी–पिपली

71. करनाल–पुण्डरक

72. करनाल–पलवल

73. करनाल–कैमला

74. करनाल–ब्रास

75. करनाल–गोहाना

76. करनाल– असंध–रसीना

77. करनाल–मोहना

78. करनाल–असंध– नीसंग

79. करनाल–बढोली

80. करनाल–शामली–वाया नया पुल

81. करनाल–सहारनपुर वाया नया पुल

कैथल डिपो

1. गूल्ला–दिल्ली

2. कोल–दिल्ली

3. कैथल–हिसार–चण्डीगढ़

4. कैथल–अलीगढ़–गुल्ला

5. सिरसा–करनाल

6. कैथल–चण्डीगढ़–पटियाला

7. कैथल–शामली–चण्डीगढ

8. कैथल–हिसार–डब्बवाली

9. कैथल–हिसार–चण्डीगढ – सिरसा

10. कुरुक्षेत्र–रोहतक–कालका

11. कुरुक्षेत्र–दिस्ली–रायपुर रानी–जीन्द

12. गंगानगर–करनाल

13. कैथल–सहारनपुर

14. कैथल–पटियाला

15. कैथल–संगरूर

16 कैथल–दिल्ली–असंध

17. कैथल–दिव्या–अमृतसर

18. कैथल–शामली–असंध

19. कैथल–राजौद–चण्डीगढ़–असंध

20. कैथल–करनाल–डब्बवाली

21. कैथल–करनाल

22. कैथल–पुण्डरी

23. कैथल–पुण्डरी–पहेबा

24. कैथल–कुरुक्षेत्र–पुण्डरी

25. कैथल–करनाल–वाया सीतामाई

26. कैथल–कौल–पाबला

27. कैथल–सढौरा

28. कैथल–यमुनानगर

29. कैथल–कुरुक्षेत्र

30. कैथल–बंसी माजरा

31. रायपुर रानी–जीन्द–करनाल

32. कैथल–अम्बाला सिटी

33. कैथल–पहेवा

34. कैथल–हरनौली

35. कैथल–गुल्मा–काकेरी

36. कैथल–गुल्ला

37. कैथल–खरका पहाड़पुर

38. कैथल–टोहाना–दानौरी

39. कैथल–नरवाना वाया दानौरी

40. कैथल–कुराल

41. कैथल–गुना

42. कैथल–संगतपुरा

43. कैथल–नरवाना

44. कैथल–चाशाला

44. कैथल–साजूमा

45. कैथल–रोहतक

47. कैषल–मंसी

48. कैथल–जीन्द

49. कैथल–दयाला

60 कैथल–पेमा

51. कैथल–सिरसल

52. कैथल–छत्तर

53. कैथल–मोहाना

54. कैथल–पानीपत

55. कैथल–जलाना

56. कैथल–सफीदों

57. कैथल–असंध

58. कैथल–बाला

59. कैथल– चौचडा

60. कैथल–अलेवा

61. कैथल–पीलखेडा'

62. मोहाना–नारायणगड'

63. कैथल–राजौद–पुण्हरी

64. कैथल–रेहडा

65. कैथल–असंध वाया पुण्डरी

66. कैथल–छेडडा

67. काड़ोड़ा–नरवाना

68. पाई–नरवाना

69. कैथल–टोहाना वाया नरवाना

सोनीपत डिपो

1. सोनीपत–शीवधुरी दावा दिल्ली

2 सोनीपत–दिल्ली–ग्वालियर

3. सोनीपत–दिल्ली–आगरा

4. सोनीपत–दिल्ली– मथुरा

5. सोनीपत–दिल्ली–अलीगढ

6 गोहाना–दिल्ली–अलीगढ़

7. सोनीपत–दिल्ली–बुलन्दशहर

8. सोनीपत–हरिद्वार वाया पानीपत

9. सोनीपत–शामली वाया पानीपत

10. सोनीपत–शामली माया बढोद

11. सोनीपत–बड़ोद

12. गोहाना–बढ़ोट

13. सोनीपत–बागपत

14. गोहाना–बागपत

15. सोनीपत–महाबीर जी वाया भरतपुर

16. सोनीपत–भरतपुर

17. गोहाना–पुष्कर

18 गोहाना–जयपुर

19. सोनीपत–जयपुर

20. सोनीपत–अलबर

21. सोनीपत–बालाजी

22. सोनीपत–दिल्ली–मनाली

23. सोनीपत–दिल्ली–शिमला

24. सोनीपत–दिल्ली–सुजानपुर काया चण्डीगढ़

25. सोनीपत–दिल्ली–पठानकोट वाया जालन्धर

26. सोनीपत–दिल्ली–पठानकोट बाया चण्डीगढ़

27. सोनीपत–दिल्ली–लुधियाना

28. सोनीपत–दिल्ली–व्यास

29. सोनीपत–दिल्ली–कालका

30. सोनीपत–दिल्ली–चण्डीगढ़

31. सोनीपत–चण्डीगढ़

22. गोहाना–रोहतक–चण्डीगढ़

33. गोहाना–रोहतक–आस

34. सोनीपत–दिल्ली

35 गोहाना–सोनीपत–दिल्ली

36. गोहाना–सोनीपत–दिल्ली–होडल

37. सोनीपत–दिल्ली–पानीपत

38. सोनीपत–दिल्ली–नारनौल

39. गौहाना–रोहतक नारनौल

40. मोहाना– खरखोदा– दिल्ली

41. कलोई दिल्ली

42. पाकसमा–दिल्ली

43. मोहरखेड़ी– दिल्ली

44 खेता– दिल्ली

45. गोरड दिल्ली

46. फरमाना–दिल्ली

47. रुडकी–दिल्ली

48. बिदत्नान–दिस्ली

49. आवली–दिल्ली

50. कतबाल–दिल्ली

51. हसनगढ–दिल्ली

52. मटिन्डू–दिल्ली

53. सेहली–दिल्ली

54. खरखोदा–दिंल्ली

55. सोनीपत–गुडगांव वाया बहादुरगढ

56. सोनीपत–डब्बवाली

57. सोनीपत–ऐलनाबाद

58. सोनीपत–सिरसा

59. सोनीपत–हिसार

60. सोनीपत–हिसार वाया जीन्द

61. सोनीपत–टोहाना

62. सोनीपत–नरवाना

63. सोनीपत–गूलाचीका

64. सोनीपत–कैथल वाया सफीदों

65. सोनीपत–लोहारू वाया भिवानी

66. सोनीपत–नारनौल वाया रोहतक

67. सोनीपत–रिवाड़ी वाया झज्झर

68. सोनीपत–अम्बाला

69. सोनीपत–यमुनानगर

70. सोनीपत–कैथल वाया करनाल

71 सोनीपत–कुरक्षेत्र

72 सोनीपत–करनाल

73. सोनीपत–पानीपत

74. सोनीपत–बेगा

76. सोनीपत–गन्नौर–मण्डी

76. सोनीपत–बजाना वाया गन्नौर

77. सोनीपत–जीन्द

78. सोनीपत–गोहाना

79. सोनीपत–रोहतक

80. सोनीपत–बहादुरगढ

81. सोनीपत–खरखोदा–बहादुरगढ

82. सोनीपत–झज्झर

83. सोनीपत–बदानी

84. सोनीपत–गुना

85. सोनीपत–फरमाना

86. सोनीपत–सांपला

87. गोहाना–नरवाना

88. गोहाना–जींद

89. गोहाना–सफीदों

90. गोहाना–जुलाना

91. गोहाना–दादरी

92. गोहाना–भिवानी

93. गोहाना–महम

94. गोहाना–पानीपत

95. गोहाना–रोहतक

96. गोहाना–करनाल

87. गोहाना–ओचण्डी बार्डर

98. गोहाना–खरखोदा

99. गोहाना–रिठाल

100. गोहाना–जवाहरा

101. गोहारा–तोखरी

102. गोहाना–गन्नौर वाया शाहपुर

103. गोहाना–बजौर

104. सोनीपत–मढोरा

105. सोनीपत–सफियाबाद

106. सोनीपत–पावतरा

107. सोनीपत–सनपेड़ा

108. सोनीपत–मैहदीपुर

यमुनानगर डिपो

1. यमुनानगर–मनाली

2. यमुनानगर–ज्वालाजी

3. यमुनानगर–शिमला वाया चण्डीगढ़

4. यमुनानगर–चण्डीगढ़

5. यमुनानगर–पटियाला

6. यमुनानगर–लुधियाना

7. यमुनानगर–अमृतसर–हरिद्वार

8. यमूनानगर–जम्मू–कटरा

9. यमुनानगर–व्यास

10. यमुनानगर–मलेरकोटला

11. यमुनानगर–अम्बाला

12. यमूनानगर–वराडा

13. यमुनानगर–शाहबाद

14. यमुनानगर–शाहबाद वाया पिपली

15. यमुनानगर–थबर

16. यमुनानगर–स्टारीबुलचन्द

17 यमुनानगर–पजोरा

18. यमुनानगर–बरवाला

19. मुस्तफाबाद–अम्बाला

20. यमुनानगर–कुरुक्षेत्र

21. यमुनानगर–हिसार

22. यमुनानगर–नरवाना

23 यमुनानगर–हांसी

24. यमुनानगर– सिरसा

25. यमुनानगर–हनुमानगढ़

26. यमुनानगर–गंगानगर

27. यमुनानगर–कैथल

28. यमुनानगर–दिल्ली

29. यमुनानगर–रोहतक

30. यमुनानगर–दादरी

31. यमुनानगर–करनाल

32. यमुनानगर–भिवानी

33. यमुनानगर–तोशाम

34 यमुनानगर–सहारनपुर

35. चण्डीगढ़–मेरठ

36. चण्डीगढ–मुजफरनगर

37. अम्बाला–मुजफरनगर

38. यमु नानगर–पौंटा

39. यमु नानगर–कलेसर

40. यमुनानगर–ताजेवाला

41. यमुनानगर–खिजराबाद वाया छछरौली

42. यमुनानत्रार–खिजराबाद वाया बुड़िया

43. यमुनानगर–खिलोवाड़ो

44 यमुनानगर–कडकोली

45 यमुनानगर–छछरौली

46. यमुनानगर–छछरौली–बिलासपुर मुद्रिका

47 यमुनानगर–नाहन वाया पौटा

48. यमुनानगर–शिमला वाया पौटा

49. यमुनानगर–नारायणगढ

50. यमुनानगर–नाहन वाया काला अम्ब

51. बढाड़ा–नाहन

52. यमुनानगर–सढौरा वाया पावनी

53. यमुनानगर–सढौरा

54. यमुनानगर–सढौरा

55 सढौरा–अम्बाला

56 यमुनानगर–जगाधरी वर्कशाप

57 यमुनानगर–बाकरपुर

58 यमुना नगर–गढी बीरबल वाया रादौर

59 यमुनानगर–अकालगढ

60 यमुनानगर–कालका

61 नारायणगड–चण्डीगढ–पौटा

62. नारायणगढ़–अम्बाला–हांसी

63. नारायणगढ़–हिसार

66. नारायणगढ–चण्डीगढ–अलीगढ

65. नारायणगढ़– अलीगढ़–दिल्ली

66. नारायणगढ़ –अम्बाला कैंट–दिल्ली

67. नारायणगढ़–यमुनानगर–रोहतक

68. नारायणगढ़–चण्डीगढ–डेराव्यास

69. ना रायणगढ़–चण्डीगढ–सहारनपुर

70 नारायणगढ़–यमुनानगर–हरिद्वार

71. नारा यणगढ़–अम्बाला शहर–नारायणगढ़

72 नारायणगढ़–अम्बाला कैंट–नारायणगढ

73 नारायणगढ–डेराबसी–यमुनानगर

74. नारायणगढ़–चण्डीगढ़–यमुनानगर

75. बरवाला–सहारनपूर–पंचकूला

76. कड़ासन–नारायणगढ़–यमुनानगर

77 नारायणगढ़–शाहबाद–नारायणगढ़

78 अम्बाला–नारायणगढ़–पटियाला

79. सढोरा–पटियाला–नारायणगढ़

80 नारायणगढ़–नाहन–नारायणगढ़

81 नारायणगढ़–शहजादपुर–चण्डीगढ़

82. नारायणगढ –भूरेवाला–चण्डीगढ–सढौरा

पानीपत डिपो

1 पानीपत–करनाल

2 पानीपत–बारडोड

3. पानीपत–रोहतक

4 पानीपत–असंध वाया सफीदों

5. पानीपत–बरसात

6 पानीपत–कुराना–सीक

7 पा नपित–चण्डीगढ़

8. पानीपत –शामली

9 पानीपत–मुजफरनगर

10 पानीपत–असंध वाया कोहांड

11 पानीपत दिल्ली

12 पानीपत–हिसार वाया जीन्द

13. पानीपत–पेडा/मन्ख

14. पानीपत–असंध वाया सलवान

15. पानीपत–दिमाना

16 पानीपत–बराना

17. पानीपत–बूआना लेखू

18. पानीपत–पूगथला

19. पानीपत–चौरा

20. पानीपत–उहूलाना

21. पानीपत–देहरू

22. पा नीपत–करनाल वाया कीमलोई

23. पानीपत–सनोली–कोडार

24 पानीपत–बालजटां

25. पानीपत–कुडलोन

26. पानीपत–कुतुबपुर / बालीँ

27. पानीपत–रेडकलां

28. पानीपत–सोनीपत

29 पानीपत–अटोली

30. पानीपत–सहारनपुर

31. पानीपत–हरिद्वार

32. पानीपत–दादरी

33. पानीपत–यमुनानगर

34. पानीपत–अम्बाला

35. पानीपत–करनाल–दिल्ली

36 पानीपत–रोहतक–चण्डीगढ़

37 पानीपत–भिवानी

38 पानीपत–करनाल–रोहतक

39. पानीपत–जोशी

40. पानीपत–धरौंडा

41. पानीपत–मेरठ

42 पानीपत–जीन्द

43. पानीपत–जौंदा

44. पानापत–दिल्ली–लुधियाना

45. पानीपत–कैथल वाया करनाल

46 पानीपत–सिरसा

47. पानपित–दिल्ली–चण्डीगढ़

कुरुक्षेत्र डिपो

1. करुक्षेत्र–पहेवा–हरिद्वार

2. करुक्षेत्र–शिमला

3. कुरुक्षेत–पहेवा–शिमला

4. कुरुक्षेत्र–बैजनाथ

5. कुरुक्षेव्र–गुल्ला–दिल्ली

6. कुरुक्षेत–पहेवा–यमुनानगर–गुल्ला–दिल्ली–पठानकोट

7 कुरुक्षेत्र–लुधियाना – नूरपुर

8. कुरुक्षेत्र–पुण्डरी–चण्डीगढ–ऋषिकेश

9. कुरुक्षेत्र–पानीपत–पठानकोट

10. कुरुक्षेत्र–कटरा

11. कुरुक्षेत्र–असमालाबाद–दिल्ली–पहेवा

12. कुमक्षेत्र–सिरमा–लाडवा–चण्डगिढ़

13. कुरुक्षेत्र–चण्डीगढ–सचिवालय

14. कुरुक्षेत्र–मेरठ

15 कुरुक्षेत्र–होशियारपुर

16. कुरुक्षेत्र–पसार–यमुनानगर

17 कुरुक्षेत्र–हिसार–यमुनानगर वाया वन्हि

18 कुरुक्षेत्र–जीन्द–यमुनानगर–गुल्ला

19. कुरुक्षेत्र–कैथल–पुण्डरी–यमुनानगर

20. कुरुक्षेत्र–करोडा–यमुनानगर कैथल

21 कुरुक्षेव्र–नीगधू–यमुनानगर–कैथल

22. कुरुक्षेत्र–कैथल–निसिग–लाडबा

23. कुरुक्षेत्र कैथल–लाडवा

24 कुरुक्षेत्र–कैथल–कोल

25. कुरुक्षेत्र–बयाना–इन्द्री–यमुनानगर–पहेवा

26. कुरुक्षेत्र–नारायणगढ–शहदापुर

27. कुरुक्षेत्र–लाडवा–मूस्तफाबाद

28. कुरुक्षेत्र– मुतस्फाबाद–पेहवा

29 कुरुक्षेत्र–पानीपत–पुण्डरी

30 कुरुक्षेत्र–बबैन पेहवा–यमुना नगर

31 कुरुक्षेत्र–बबैन–पेहबा

32. करुक्षेत्र–शाहबाद सहासपुर

33 कुरुक्षेत्र–अम्बाला वाया ठोल

34 कुरुक्षेत्र–अम्बाला– ठोल इस्मालाबाद

35. कुरुक्षेत्र–ठोल–अम्बाला–इस्मालाबाद

36. कुरुक्षेत्र–बराड़ा–पहेवा

37 कुरुक्षेत्र–शाहबाद–सढोरा–अम्बाला

38 कुरुक्षेत्र–शाहबाद–सढोरा

39. कुरुक्षेत्र – सढोरा –शाहबाद

40. कुरुक्षेत्र–यमुनानगर–पहेवा

41. कुरुक्षेत्र–बराड़ा–शाहबाद–मालवा

42. कुरुक्षेत्र शाहबाद– मालवा–यमुनानगर

43. कुरुक्षेत्र–शाहबाद–लाडा – अम्बाला

44. कुरुक्षेत्र लाडवा–शाहबाद–अम्बाला

45. कुरक्षेत्र–लाडवा–शाहबाद

46 कुरु क्षेत्र–हरिपुर–लाडवा

47 कुरुक्षेत्र–लाडवा–नारनौल

48. कुरुक्षेत्र–पहेवा–सिरसा

49. कुरुक्षेत्र–पीपली– युनिवर्सिटी

50. पहेवा–पटियाला–दिल्ली

51 पहेवा–कैथल–हरिद्वार

52. पइदा–शाहबाद–दिल्ली

53. पहेवा–चीका–दिल्ली

54 पहेवा–दिल्ली–राजोंद–कालका

55 पहेवा–यमुमानगर–अम्बाला–डाँड –मरवाना

56. पहेवा–मेरठ

57 पहेवा–पौंटा साहिव– कैथल

58 पहेवा– जालन्धर

69. पहेवा–कैथल–हांसी

60 पहेवा–चण्डीगढ–ऐलनाबाद

61 पहेवा–पटियाला–कालसा

62 पहेवा–करनाल–पटियाला

63. पहेवा–चीका–यमुनानगर

64. पहेवा–सीवान–यमुनानगर–दिल्ली

65 पहेवा–निलोखेडी–कुरुक्षेव्र

66, पहेवा–सफीदो–असंध–शेडेरा

67. पहेवा–चीका–करनाल–लाडवा

68. पहेवा–करनाल–पुण्डरी

69. पहेवा–साकारा–कैथल

70. पहेवा–अध्योईआ –सिरसा–चीका

71. पहैवा–पुण्डरी–असंध

72. पहेवा–कालसा

73 पहेवा–सफीदो

74 पहेवा–पुण्डरी–कोल

75. पहेवा–चीका–साईयोन्सर

76. पहेवा–कुरुक्षेत्र

77. पहेवा–इसमालाबाद–शाहबाद

78. पहेवा–अम्बाला

79 पहेवा –शाहबाद–अम्बाला

80. पहेवा–शाहबाद–वाया ठोल

81. पहेवा–चीका

अम्बाला डिपो

1. अम्बाला–दिल्ली–नगल

2. अम्बाला–नंगल–दिल्ली

3. अम्बाला–दिल्ली–लुधियाना

4. अम्बाला–दिल्ली–लुधियाना–फिरोजपुर

5 अम्बाला–दिल्ली–लुधियाना–रोहतक

6 इन्द्री–लुधियाना–दिल्ली

7. अम्बाला–जगाधरी–लुधियाना–दिल्ली

8. अम्बाला –लुधियाना

9. अम्बाला–पटियाला–होडल

10 अम्बाला–करनाल–पटियाला–दिल्ली

11. अम्बाला–करनाल–पटियाला–दिल्ली

12. जगाधरी–मलेरकोटला–दिल्ली–सोनीपत

13 कुड़ारा–अम्बाला–खरड

14. अम्बाला–रोपड़–दिल्ली–गोहाना

15. अम्बाला–कटरा

16. अम्याला–शाह–रेनूका

17. अम्बाला–लुधियाना–दिल्ली–शिमला

18. अम्बाला–चण्डीगढ़–अम्बाला

19 अम्बाला–सकेतडी

20 अम्बाला–कालका–वद्दी

21 अम्बाला–कालका–अम्बाला

22 अम्बाला–कालका–यमुनानगर

23. अम्बाला–एच० एम० टी० कालका

24. अम्बाला–शिमला–अम्बा ला

25. अम्बाला–धर्मशाला

28. अम्बाला–बैजनाथ

27 अम्बाला–मनाली

28. रेनूका–अम्बाला–रेनूका

29. अम्बाला–जगाधरी–सहारनपुर

30 अम्शला–हरिद्वार–चण्डीगढ–अम्बाला

31. अम्बाला–कालका–मेरठ

32. अम्बाला–अद्धनीमाजरा

32. अम्बाला–पटियाला– अम्बाला

34. अम्बाला–मटेड़ी–अम्बाला

35. अम्बाला–कालका

36 असंध–चण्डीगढ–असध

37. अम्बाला–चण्डीगढ–जीन्द

38. अम्बाला–सीवन

39. बीजल–अम्बाला –असध–बीजल

40. अम्बाला–जडवाला–बूना

41. जनडेरी–अम्बाला–कनडेरी

42. सीवन–चण्डीगढ–सीवन

43. अम्बाला–नरवाना–अम्बाला

43. कैथल–अम्बाला–कैथल

44. टोहाना–अम्बाला–टोहाना

46. अम्बाला–हिसार–चण्डीगढ–अम्बाला

47. अम्बाला–हिसार–अम्बाला

48. हिसार–अम्बाला–हिसार

49. हांसी–अम्बाला–हांसी

50. निहासी–अम्बाला–निहासी

51. अम्बाला–सिरसा–अम्बाला

52. हिसार–अम्बाला–हिसार

53. अम्बाला–करनाल–शाहबाद

54. अम्बाला–चण्डीगढ़–भिवानी

55. अम्बाला–रोहतक–चण्डीगढ़–अम्बाला

56. अम्बाला–नारनौल

57. अम्बाला–मनसादेवी

58. बराड़ा–चण्डीगढ़–बराड़ा

59. अम्बाला–नारायणगढ़–वाया अम्बाला कैंट

60. अम्वाला–चण्डीगढ–बाऊझोलड़ी

61. बाराडा–चण्डीगढ–जगाधरी–बगडा

62. थाम्बड–अम्बाला–थाम्बड

63. सांगोर–अम्बाला–सागोर

64. कम्बासी–अम्बाला–करनाल–कम्बांसी

65. जगाधरी–अम्बाला–अलीपुर

66. जगाधरी–अम्बाला–सरण–जगाधरी

67. मुस्तफाबाद–अम्बाला–मुस्तफाबाद

68. सढोरा–अम्बाला–सढोरा

69. अम्बाला–जगाधरी–अम्बाला

70. अम्बाला–जगाधरी–लूधियाना

71. अम्बाला–चण्डीगढ–पुण्डरी

72. अम्बाला–फतेहागढ़ अम्बाला–कालका–अम्बाला

73. अम्बाला–कैथल–अम्बाला

74. गोला––अम्बाला–नारायायगढ–गोला

75 केसरी–शाहबाद–चण्डीगढ–केसरी

76. हरौली –अम्बाला–जगाधरी–हरौली

77. लखमडी –अम्बाला–जगाधरी–लखमडी

78. सुबका–अम्बाला–लुधियाना– सबाका

79. मुलाना–जगाधरी–मुलाना–चण्डीगढ़

80. अम्बाला–करनाल–लडवा

81. घसीटपुर–अम्बाला–जगाधरी–ठाम्बाला

82. अम्बाला–नारायणगढ़

83. अम्बाला–रायपुररानी–अम्बाला

84. रामपूररा–अम्बाला–खतौली

85. हमीरपुर–अम्बाला–हमीरपुर

86. रायपुरानी अम्वाला–रायपुररानी

87. लाडा–मम्बाला–जगाधरी–लांडा

88. अम्बाला–बरवाला–डेराबसी

89. रेहेडी–अम्बाला–जगाधरी–रेहेड़ी

90. अम्बाला सीटी–अम्बाला कैट लोकल सीटी सर्विस

जीन्द डिपो

1 जीन्द–दिल्ली–बालाजी

2 जीन्द –दिल्ली–पटियाणा

3 जीन्द पटियाला–नरवाना

4. जीन्द– रोहतक–संगरूर

5. जीन्द–पौटां साहिब

6. जीन्द–हरिद्वार

7. जींद–दिल्ली–अलवर

8. जीन्द–दिल्ली–लधियाना

9. जन्दि–संगख–दिल्ली

10. जीन्द–नरवाना–अलीगढ़

11. जीन्द–चण्डीगढ–मिवानी

12. जीन्द–हांसी–चण्डीगढ़

13. जीन्द–जुलाना–चण्डीगढ़

14 जीन्द–चण्डीगढ–हांसी–जीन्द

15. जीन्द–यमुनानगर–हिसार

16. जीन्द–कुरुक्षेत्र–हिसार

17. जीन्द–अलेवा–कुरुक्षेत्र

18. जन्दि–अलेवा–पुण्डरी

19. जीन्द–डबवाली

20. जीन्द –गोहाना

21. जीन्द–सोनीपत

22. जींद–सोनीपत–दिल्ली–नरवाना

23. जीन्द–सोनीपत–भंवर

24. जीन्द–पानीपत–हिसार

25. जीन्द–पानीपत

26. जीन्द–पानीपत–बारखेड़ा

27. जीन्द–कैथल

28. जीन्द–बवाना– हांसी

29. जीन्द–रोहतक

30. जीन्द–भिवानी–वास

31. जीन्द–भिवानी–मुडाल

32. जीन्द–भिवानी–दादरी

33. जीन्द–भिवानी

34. जीन्द–करनाल

35. जीन्द–गुडगांव–रामकली

36. जीन्द–पधाना–शामली

37. जींद–टोहाना

38. जीन्द–हांसी

39. जीन्द–हांसी–थोराना

40. जीन्द–कैथल–बुलाखेड़ी

41. जीन्द–समालखा–रामनगर

42. जीन्द–बरवाला

43. जीन्द–ढीहोला

44. जीन्द–असंध

45. जीन्द–राखी–गमरा

46. जीन्द–खनौरी

47. जीन्द–असंध–कुरूक्षेत्र

48. जीन्द – सफीदो

49 जीन्द–सीटी सर्विस

50. जीन्द–रोहतक–जुलाना

51. जीन्द–नरवाना–कुरुक्षेत्र

52. जीन्द–नरवाना–दिल्ली

53. नरवाना–होडल

54. नरवाना–सिरसा–करनाल

55. नरवाना–चण्डीगढ–राजगढ

56. जीन्द–पानीपत –एलनाबाद

57. नरवाना–दिल्ली–संगरूर

58. न्रवाना–सिरसा–हरिद्वार

59. नरवाना–हांसी

60. नरवाना–टोहाना–हांसी

61. नरवाना–दिल्ली–पटियाला

62. नरवाना–बरवाला–दुर्जनपुर

63. नरवाना–छत्तर

64. नरवाना–रोहतक–अमृतसर

65. नरवाना–दोवी–टोहाना–कारोढा

66. नरबाना – जीन्द–अमृतसर

67. नरवाना–खनौरी–उकलाना

68. नरवाना–जीन्द –धनकारी

69. नरवाना–कैथल–धनरैरी

70 नरवाना–जींन्द–खनौरी

71 नरबाना–हिसार–कैथल–फतेहाबाद

72 नरवाना–धोबी–टोहाना

73. नरवाना–टोहाना–बाया धमतान

74 नरवाना– कैथल

75. नरवाना–यमुना नगर–हिसार

76. नरवाना–चण्डीगढ़ – हिसार

77. नरवाना–कैथल–जीन्द–बरवाला

78. नरवाना–करनाल–हिसार–जी० खेड़ा

79. नरवाना–कैथल–उकलाना

80. नरवाना–कैथल–उकलाना

81. नरवाना–रोहतक

82. सफीदो–आगरा

83. सफीदो–हिसार–ऋषिकेश

84 सफीदो–चण्डीगढ़

85. सफीदो–गोहाना– दिल्ली

86, सफीदो–पानीपत–दिल्ली

87. सफीदो–पानीपत–कैथल

88 सफीदो–रोहतक–कैथल

89. सफीदो पानीपत– असंध

90. सफीदो–पानीपत–जीन्द

91. सफीदों–पानीपत–नरवाना

92. सफीदो–पानीपत–नरवाना – अलोवा

93. सफीदो–पीलूखेड़ा–दिल्ली

94. सफीदो–सिरसा–पानीपत

95. सफीदो–पानीपत–डबवाली

96. सफीदों–हिसार–पानीपत

97. सफीदो–गोहाना बाया उरलाना

96. सकीदो–गोहाना वाया अनचेरा

दिल्ली–डिपो

1. दिल्ली–जयपुर वाया कोटपुतली

2. दिल्ली–कोटपुतलो

3. दिल्ली–कटरा

4. दिल्ली–जम्मू

5. दिल्लो–होशियारपुर

6. दिल्ली चण्डीगढ़

7. दिल्ली–ऋषिकेश

8. दिल्ली–सहारनफुर

9. दिल्ली–अलीगढ

10. दिल्ली–पलवल

11. दिल्ली–हिसार

12. दिल्ली–जीन्द

13. दिल्ली–पीनगवा–बल्लभगढ

14. दिल्ली–महेन्द्रगढ़

15. दिल्ली–पटियाला

16. दिल्ली–नीलोखेड़ी

17. बहादुरगढ–नारनौल

18. बहादुरगढ़–चण्डीगढ़

19. बहादुरगढ़–दादरी–रोहतक

20. बहादुरगढ़–हिसार

21. बहादुरगढ–कोटपुतली

22. बहादुरगढ़–खोतड़ी

23. बहादुरगढ़– गुडगावा

24. बहादूरगढ़–नेहरूपैलस–रोहतक–झख्जर

25. बहादुरगढ़–बेरी–नजफगढ़

26. बहादुरगढ़– खरखोदा–नजफगढ

27. बहादुरगढ–बादली–गुडगावां

28. बहादुरगढ–सुरखपुर–खेड़ी

29. बहादुरगढ–छारा–बेरी–आर ०के पूरम

30. बहादुरगढ–गुडगावां–भोपनियां

31. बहादुरगढ़–अलीगढ़

32. बहादुरगढ–केन्द्रीय सचिवालय

33. दिल्ली–पतला

34. दिल्ली–खुर्मपुर

35. दिल्ली–वजाना

36. बहादुरगढ़–बेरी–दिल्ली

भिवानी डिपो

1. भिवानी–मथुरा

2. भिवानी–दिल्ली

3 भिवानी–बहादुरगढ

4. भिवानी–दिल्ली–सरदार शहर

5 भिवानी–राजगढ

6. भिवानी–कोसी

7. भिवानी–चण्डीगढ़

8 भिवानी–अलवर

9. भिवानी डबवाली

10. भिवानी–दिल्ली–रोहतक

11. भिवानी–अलीगढ़

12. भिवानी–हिसार

13. भिवानी–बांमला–रिवाडी–हरिद्वार

14. भिवानी–देहरादून

15. भिवानी–पिलानी

16 भिवानी–रोहतक

17. भिवानी–बेरी

18. भिवानी–बौद

19. भिवानी–नारनौल सिरसा

20. भिवानी –दादरी

21. भिवाना–नारनौल

22. भिवानी–जूंईबाडडा

23. भिवानी–सतनाली

24. भिवानी–झंपूादेवराला

25. भिवानी–लौहारू–नगला

26. भिवानी–झूपा–बहल

27. भिवानी–पिलानी–लौहारू

28 भिवानी–लौहारू–बिठन

29 भिवानी–देवराला–महल

30. भिवानी–कैरू–झूपा–बहल

31. भिवानी–दादरी– नारनौल

32. भिवानी–हिसार

33. भिवानी–गड़ी

34. भिवानी–जतई

35. भिवानी–मन्डोला –भवानी खेड़ा

36. भिवानी–हांसी

37. भिवानी–जीन्द–सुखपूरा

38, भिवानी–महम

39. भिवानी–पहल–हावड़ा

40. भिवानी–लोहारू– शामकला

41. भिवानी–वाहदरा

42. भिवानी–गोहाना

43. भिवानी–जीन्द

44. भिवानी–मुढाल

46. भिवानी–जीन्द–तालू

46. भिवानी–खरक

47. भिवानी–नारनौल–सतनाली

48. भिवानी–लोहारु–दादरी

49. भिवानी –सतनाली–बादल

50. भिवानी–कोलज

51. भिवानी–लौहारु –पिलानी–जूई

52. भिवानी–होडल–सिरसा

53. भिवानी–सिरसा

54. भिवानी–हिसार–हांसी

55. भिवानी–मोहाना–महम

56. भिवानी–जीन्द–तालू–मन्धाई

57. भिवानी–तोशाम

58. तोशाम–चण्डीगढ़–हिसार

59. तोशाम–चण्डीगढ़–हांसी

60. तोशाम–दिल्ली–हिसार

61. तोशाम–दिल्ली–भिवानी

62. तोशाम–भिवानी–हिसार

63. तोशाम–महरा–भिवानी

64. तोशाम– बहल–भिवानी

65. तोशाम–हासी–हिसार–जूई

66 तोशाम–कैरूजूपा

67 तोशाम–सतनाली–बाडडा

68. तोशाम–वाडडा

69 तोशाम–बहल–हांसी–हिसार

70. तोशाम–सिद्धवां–बहल–हिसार

71. तोशाम–भिवानी–दिल्ली–पिलानी

दादरी डिपो

1 दादरी–चण्डीगढ

2. दादरी –बूलंदशहर

3 दादरी–मथुरा

5. दादरी–जयपुर

5. दादरी–पटियाला

6. दादरी–पानीपत

7. दादरी–सिरसा

8. दादरी–हांसी–हिसार

9. दादरी–भिवानी

10 दादरो–पिलानी–दिल्ली

11. दादरी–सतनाली

12 दादरी–कनीना–रिवाडी

13. दादरी–कोटपुतली

14. दादरी–नारनौल–भठिंडा

15. दादरी – रोहतक

16 दादरी–मातनहेल

17. दादरी–गुडगावां

18. लौहारू–भिवानी

19. लौहारू–सिवानी–हिसार

20. लौहारु –दादरी

21. लोहारू–पिलानी– झुझंनु

22. दादरी–जूलाना

फतेहाबाद डिपो

1, भट्टू–चण्डीगढ़

2. भट्टू–दिल्ली

3. करणपुर–दिल्ली

4. गंगानगर–दिल्ली

5. फतेहाबाद–अलीगढ

6. फतेहाबाद–हरिदवार

7. गंगानगर–भठिंडा

8. हिसार–बुडलाडा

9. फतेहाबाद–जालन्धर

10. फतेहाबाद–नौहर

11. फतेहाबाद–बादरा

12. फतेहाबाद–यमुनानगर

13. फतेहाबाद–करनाल

14. फतेहाबाद–गुडगावां–भिवानी

15. फतेहाबाद–हिसार

16. फतेहाबाद– उकलाना

17. फतेहाबाद–रटियाला

18, फतेहाबाद–रतिया–पालसर

19. फतेहाबाद– रतिया–लाडुवास

20. फतेहाबाद– पानीपत

21. फतेहाबाद –रतिया–हसनपुर

22. फतेहाबाद–रतिया–डानीबबनपुर

23. फतेहाबाद–रतिया–हंससुर

24. रतिया–बबनपुर

25. फतेहाबाद–करनोली

26. फतेहाबाद–अलीसदर

27. फतेहाबाद–गौरखपुर

28. फतेहाबाद–गिरदाना– शेख पुर

29. फतेहाबाद– भट्टू

30. फतेहाबाद–भूना

31. फतेहाबाद –कुनाल

32. फतेहाबाद– डीगमण्डी

33. फनेहाबाद–खजूरी

34. फतेहाबाद–ब्रेटा

35. फतेहाबाद–सरदूलगढ

36. फतेहाबाद–जलनिया–महमदपुर–रोडी

37. रतिया–टोहाना

38. फतेहाबाद–बालसमंद

39. फतेहाबाद–सहारनपुर–आदमपुर

40. बीगड–आदमपुर

41. फतेहाबाद–बाना–आदमपुर

42. फतेहाबाद–बट्टू–आदमपुर

43. फतेहाबाद–बट्टू–चौकटा

44. फतेहाबाद–दैखड

45. फतेहाबाद–बाना–रामसर।

46. फतेहाबाद–चूली

47. फतेहाबाद–कागदाना

48. फतेहाबाद–बटू–बनगांव

49. बट्टू–रामसरा

50, बट्टू–दैयड

51. बट्टू–कागदाना

52. बट्टू–वापेटा

33. बट्टू–आदमपूर

54. बट्टू–हिसार

55. टोहाना–अमतसर

56. टोहाना–संगरुर

57. टोहाना–पटियाला

58. टोहाना–कैथल

59. टोहाना–दिल्ली वाया हांसी

60. टोहाना–हिसार

61. टोहानी–फतेहाबाद

62. टोहाना–नरवाना

63. टोहाना–सिरसा

64. टोहारा–हासीं

65. टोहानो–हिसार–कुलां

66. टोहाना–भिवानी– हांसी

67. टोहाना–बरवाला

68. टोहाना–उकलाना

69. टोहाना–जाखल

70. टोहाना–रतिया

71. टोहाना–किनाला

72. टोहाना–सरढूरगढ़

73. टोहाना–बालक

74. टोहाना–यमुनानगर

75. टोहाना–जीन्द

76 टोहाना–पानीपत

77. टोहाना–हसनगढ़

78. टोहाना–चमारखेड़ा

79. टोहाना–पाबडा

80. टोहाना–दादरी

81. टोहाना–करनाल

82. टोहाना–ढोंगचा कटा

फरीदाबाद डिपो

1. फरीदाबाद–दिल्ली

2. बल्लबगढ–दिल्ली

3. बल्लबगढ़–फरीदाबाद–रीगल

4. फरीदाबाद–लेडिज कालेज

5. बल्लबगढ़–कोटपुतला

6. बल्लबगढ–नलागढ

7. बल्लबगढ–बुलंन्दशहर

8. बल्लबगढ–आर ०के० पूरम

9. बल्लबगढ–हथीन

10. बल्लबगढ–सोनीपत–खरखोदा

11. फरीदाबाद–कैथल

12. फरीदाबाद–दिल्ली –भरतपुर

13. फरीदाबग्द–दिल्ली–महाबीर जी

14. फरीदा बाद–बालाजी

15. फरीदाबाद–आगरा

16,. फरीदाबाद–दिल्ली–मथुरा

17. बल्लबगढ–रोहतक–भिवानी–चण्डीगए

18. बल्लबगढ–मथुरा–कुरुक्षेव्र

19. तागड़–तिजारा

20. बल्लबगढ–गुडगांवां–महरोली–बड़कल–झज्जर

21. फरीदाबाद–यूनीवर्सिटी

22. पटौदी–गुडगावां

23. फिरोजपुर–अलवर

24. बल्लबगढ–सोहना

25. सोहना–दिल्ली

26. बल्लबगढ–छारा–बल्लबगढ़

27. बल्लबगढ–तागडू–रिवाडी

28. सोहना–बल्लबगढ–रिवाड़ी

29. मसावतपुर–बल्लबगढ–गुडगावां

30. बल्बलगढ़–पलवल–दूहेला

31. मोहना–गुडियर–चांमनी खेड़ा

32. तिगासं–फुलवाड़ी

33. सीटी सर्विस स्कूल गुड्गावा

34. सोहना–गुडगावा–बडकल

35. पलवल–भिवानी

36. पलवल–हिसार

37 पलवल–दिल्ला–वृंदावन

38, पलवल–दिल्ली–गोवर्फन

39. पलवल–दिल्ली–आगरा

40. आ गरा–दिल्ली–पलवल

41 गोवर्धन–दिल्ली–पलवल

42. दिल्ली–गोवर्धन

43. गोवर्धन–दिल्ली

44. पेलवन–सोनीपत–आगरा

45. आगरा–सोनीपत–पलवल

46. पलवल–मथुरी–आगरा

47. पलवल–मथुरा –दिल्ली–आगरा

48. पलवल–अलीगढ– दिल्ली

49. पलवल–दिल्ली–अलीगढ

50. पलवल मथुरा–भरतपुर

51. भरतपुर–दिल्ली–पलवल

52 पलवल–दिल्ली–कामां–बहीन

53. पलवल–दिल्ली–मानपुर

54. पलवल–गूडगावां– सोहना

55. पलवल–मथूरा

56. सोहना–गुडगावा– पलवल

57. पलवल–गुडगावा– सोहना

58. पलवल–गुडगावा–दिल्ली–जुरेड़ा

59. जुरेडा–दिल्ली–गुडगावा–पलबल

60. पलवल– पुन्हाना–नगीना

61. पलवल–मालब–बहीन–नागलजाट

62. पलवल–गुडगावा–नूह

63. नूह–गुडगावा–पलवल

64. पलवल–नूह

65. पलवल–नूह–मडपोला

66. पलवल–नूह–पलवल

67 पलवल–हथीन–लकनाका

68 पलवल–गुडगावा–हथीन

69. पलवल–हथीन–पीनगवा

70 पीनगवां–हथीन–पलवल

71. पलवल–गुडगावा–मंडनाका

72 पलवल–दिल्ली–मथूरा–गुडियर

73 पलवल –दिल्ली–अलीगढ–गुडगावां

74. पलवल–सोयना–गुड़गावां

75. सोहना–नूह

76. पलवल–मथूरा–दिल्ली–आगरा

77. होडल–नूह

78. होडल–बल्लबगढ़

79. नूह–होडल

80. बल्लवगढ–नगीना

81. होडल–नूह

82. होडल–पलवल–मथुरा–दिल्ली

83. होडल–नूह

84. होडल–बल्लबगढ़

85. होडल–दिल्ली–अलीराढ

86. होडल–बल्लबगढ़

87. होडल–दिल्ली

88. होडल–दिल्ली

89. होडल–दिल्ली

90. होडल–बल्लबगढ–अलीगढ

91 होडल–दिल्ली–मथुरा

92. होडल–दिल्ली

93. होडल–दिल्ली–नन्दवाई

94. होडल– दिल्ली–नन्दबाई

95. होडल–दिल्ली–कोसी

96. होडल–दिल्ली–कोसी

97. होडल–दिल्ली–कोसी

98 होडल–दिल्ली–कोसी

99. होडल–दिल्ली

गुडगावा डिपो

1 गुडगावा–रेलवे स्टेशन

2. गुड़गाबा–करतारपुरी

3. गुडगावां–आई० डी० पी० एल० /आई०एस टी०

4. गुडगावां–उदेहपुर

5. गुडगावा–कापसहेड़ा

6. गुडगावां–हथीन– कोडल

7. गुडगाबां–टीकली

8. गुडगावा–दरबारीपुर

9. गुडूगावां–वहरामपुर

10 गुडगावां–कुलाना

11 गुडगावा–पटौदी वाया मईचन

12 गुडगावां–फिरोजपुर झिरका

13 गुडगावां–फरूख नगर

14. गुडगावां–फतेहापुर

15. गुडगावां–राठीवास

16 गुड़गावां–पथरेडी

17. गुडगावां–नूंह–हथीन

19. गुढ़गावां–नूह–अटावा

19. गुडगावां–सगेल

20 गुडगावां–पुन्हाना

21 गुडगावां–सोहना

22. गुडगावा–ताबडू

23 गुडगावा–नन्दरामपुर बात

24. गुडगावा–जुडोला

25. गुडूगावां–पटली

26 गड़गावां–झज्जर

27 गुडगावां–झज्जर– कैथल

28. गुडगावा –अज्जर–भिवानी

29. गुडगावा–मानेसर–रिवाड़ी

30 गुडगावां–झज्जर–रोहतक

31 गुडगाबां–पटोदी–दहीना

32. गुडगावां–दादरी

33. गुडगावां–पुन्हाना–होडल

34. गुडूगावां–रिवाडी–बाबल

35. गुडगावा–कोटकासिम

36. गुडगाबा–कोसी

37. गुडगावा–नाहर

38. सुड़गाबां–धरोली

39. गुडगावा–कोसली

40. दिल्ली–अलवर वाया तिजारा

41. गुड़गांवा–दिल्ली

42 गुडगावा–दिल्ली–अलभर

43. गुडगावां–आगरा

44. गुड़गावां–दिल्ली–नारनौल

45. गुड़गावां–नारनौल

46. गुडगावा–बहादुरगढ़

47 गुडगावा–बहादुरगढ़ वाया झटीकरा

48. गुडगावां–दिल्ली–खैतडी

49. गुडगावां–दिल्ली–अलवर वाया फिरोजपुर झिरका

50. गुडगावा–यमुनानगर

51. गुडगावां–सोहना–मबुरा

52. गुड़गावां–मुंडांखेडा

53. गुडगावां–बहादुरगढ–बेरी

54. गुडुगार्बा–दिल्ली–महेन्द्रगढ

55. गुडगावां–दिल्ली–तिजारा

56. गुडगावा–हिसार–सिरसा

57. गुडगावां–बहादुरगढ–रोहतक

58. गुडगावा–अलीगढ़

59. गुडगावा दिल्ली–सिकरी

60. गुडगावां–बहादुरगढ– बादली

61. गुड्गावां–दिल्ली–मोगा

62. गुडगावा–दिल्ली–कपूरथला

63. गुडगावा–दिल्ली–कोटपुतली

64. गुडगावा–दिल्ली–कोटपुतली

65 गुडगावां–दिल्ली–डबवाली

66. गुड़गावा–दिल्ली सिंगाना

67. गुडगावां–नेहरु पैलस

68. गुडगावां–सफदरजग

69. गुडगावा–सुलखना

70 गुडगावा–अ. के. पुरम

71. फिरोजपुर–नूह–तावडू

72. फिरोजपुर–सोहना

73. फिरोजपुर–होडल

74. फिरोजपुर–कोसी

76. फिरोजपुर–पुन्हाना–बडकली

78. फिरोजपुर–दिल्ली

77. फिरोजपुर–गुड्गावां

78. फिरोजपुर–सिकरी

79 फिरोजपूर–कामा

80 फिरोजपुर–तिजारा

81. फिरोजपुर–सिरसा

82. फिरोजपुर–आगरा

83. फिरोजपुर–धोलाकुआ

84. फिरोजपुर–खेरली–दिल्ली

85. फिरोजपुर–नगर–दिल्ली

86. फिरोजपुर–भरतपुर

87. फिरोजपूर–पुन्हाना–चण्डीगढ़

88. फिरोजपुर–अलवर

89. फिरोजपुर–पुन्हाना वाला बड़कली

90. फिरोजपुर–अकेरा

91. फिरोजपुर–छिकरवा

92. गुडगावां–लोधी कम्पलैस

93. गुडगावां–सरोली

94. गुडगावां–झज्जर वाया मुंडाखेड़ा

95. गुडगावा–बिदानी

96. गुडगावां–सैटर सैक्ट्रीऐट

हिसार डिपो

1. हिसार–चण्डीगढ़

2. हिसार– लुधियाना

3 हिसार–पिलानी

4. हिसार– दिल्ली

5. हिसार–सिकर

6. दिल्ली–ऐलनाबाद

7. हिसार–ऐलनाबाद–दिल्ली–डबवाली

8. दिल्ली–बादरा– वाया वालसमन्द

9. दिल्ली–भादरा वाया आदमपुर

10. दिल्ली–भादरा वाया बगला

11. दिल्ली–सिरसा

12. हिसार–राजगढ़

13. हिसार–भादरा वाया आदमपुर

14. हिसार–भादरा वाया बालसमन्द

15. हिसार–भादरा वाया बागला

16. हिसार–भादरा वाया बूड़ाक

17. हिसार–थंगाला

18. हिसार–नगल

19. हिसार–छाम

20. हासी–जीन्द–गंगानगर

21. हांसी–दिल्ली

22. हांसी–यमुनानगर

23. हांसी–पानीपत

24. हांसी–करनाल

25. हांसी–डबवाली

26. हांसीं–जीन्द

27. हिसार–यमुनानगर

28. हिसार–कुरुक्षेत्र

29. हिसार–डबवाली

30. हिसार–चौधरीवाली

31. हिसार–नरवाना

32. हिसार–फरीदपुर

33 हिसार–भिवानी

34 हिसार–जूगलान

35. हिसार–नारनौल

36 हिसार–आदमपुर वाया मोडाखेड़ा

37. हिसार–आदमपुर वाया जगाना

38. हिसार–बादमपुर वाया लांदड़ी

39. हिसार–आदमपुर वाया अगरवा

40 हिसार– आदमपुर वादा बालसमन्द

41. हिसार–गोरछी

42. हिसार–आदमपुर–सिवानी वाया लीलस

43. हिसार– अगरवा–बरवाला

44. हिसार–भूना

45. हिसार–रोहतक

46 हिसार –भूना वाया डानीसांचला

47. हिसार– खेड़ी

48. हिसार– बट्टू

49. हिसार–तेलनवाली वाया बालसमन्द

50 हिसार तेलनवाली– बगला

51 हिसार–बासड़ा

52 हिसार खारयाडोबी

53 हिसार–भूना वाया गोरखपुर

54. हिसार–धिराय

55. हिसार–इशारवाल

56. हसार–सिंगरान

57. हिसार– छपार

58. हिसार–जाखल

59. हिसार–जूलाना–नारनौल

60. हिसार–जीन्द– सौथा

61. हिसार–जीन्द–बरवाला

62, हिसार–उचाना

63. हिसार हांसी– भगाना

64. हिसार– खरड़

65. हिसार–नियाना–बरवाला

66. हिसार–पेटवाड

67. हिसार–देवा

68, हिसार–सिवानी

69. हिसार–गावड–पनिहार

70. हिसार–सेरडा

71. हिमार–टोहाना–किनाला

72. हिसार टोहाना–बरवाला

73. हिसार–बहल

74. हिसार–सिरसा

75. हिसार–बडछपड़

76. हिसार–तोशाम

77. हिसार–तलवंडी–मंगाली

78. हिसार–मिरान

79. हिसार–साडवा

80. हिसार–चडौद–तलवडी

81. हिसार–कुंडल

82. हिसार–वहल

83. हिसार–मुजादपुर

84. हिसार–जामडी

85. हिसार–उकलाना

86. हिसार–बुगाना

87. हिसार–मतलोडा

88. हिसार–लितानी

89. हिसार–नई कचहरी

90. हिसार फतेहाबाद

91. हिसार– हिदवान–टोकस

92. हिसार–हांसी

93. हांसी–उकलाना

94. हिसार–सिंगबाह

95. हांसी–हिसार

96 हांसी–उचाना

97. हांसी–बरवाला

98. हांसी–भिवानी

99. हांसी–तोशाम

100. हांसी–भूना

101. हांसी–टोहाना

102. हांसी–सतनाली

103. हांसी–दादरी

107. हांसी–रतेरा

105. हांसी–सिसाए

106. हांसी–बडसे

107. हांसी–छान

108. हांसी–मुढांल

109. हांसी–दुर्जनपुर

110. हांसी–पेटवाड़

111. हांसी–पाली

112. हासी–थुराना

113. हांसी–लौहारी

114. हांसी–उचाना

115. हांसी–नलवा

116. हांसी–रामायण

117. हांसी–खेड़ी

118. हासी–कुगडं

119. हांसी–महम,'बास

120. हांसी–बवानी खेड़ा

121. हांसी–भगाना

122. हांसी–मिर्चपुर

123. हांसी–खरब

124. हांसी–लोहारी

125. हसिं ।–महदा

126. हांसी–रोहतक

127. हांस?ई–सि रसा

128. हाँसी–डाटा

129. हिसार–डाटा

130. हिसार–नया नाारायपुर

रिवाड़ी डिपो

1. रिवाडी–रोहतक–चण्डीग?ऐं–काभफा

2. रिवाड़ी–दिल्ली वाया सोहना

3. रिवाडी–सोहना–गुडगावां

4. रिवार्ड– सोहना

5. दिल्ली–कोसली–मूडाडा

6. दिल्ली–पिलानी

7. रिवाड़ी–दिल्ली

8 दिल्ली–तोशाम

9. दिल्ली–नारनौल राया सोहना

10 दिल्ली–महेन्द्रगढ़

11. दिल्ली–बावल

12 रिवाड़ी–कुडबहरोड़

13. रिवाड़ी–बावल

14. रिवाड़ीं–मथूरा

15. नारनौल–मथुरा–आगरा–रिवाड़ी–नारनौल

16 रिवाड़ी–फिरोजपूर–तिजारा

17. दिल्ली –तिजारा

18. दिल्ली–खेतड़ी

19. रिवाडी–अलीगढ

20 दिल्ली–कोटपूतली

21 दिल्ली–झुझंनू

22 रिवाड़ी–भरतपुर

23 रिवाड़ी–कोटकासम

24. रिवाड़ी–कोटफासम–तिजारा

25. रिवाड़ी– रोहतक–हरिद्वार

26. रिवाडी–छेकपुर

27. रिवाड़ी–तिजारा–अलवर

28. नारनौल–खैरथल

29. नारनौल–भठिंडा

30. नारनौल–महिन्द्रगढ

31. नारनौल–बहरोड

32. नारनौल–फाजिलका

33. रिवाड़ी–कोट–अलवर

34. रिवाड़ी–दिल्ली

35. रिवाड़ी–दिल्ली–भीलवाड़ा

38. नारनौल–दिल्ली

37. नारनौल–शाहजहांपुर

38. दिल्ली–खेतडी

39. नारनौल–कोटपुतली

40. नारनौल–अलवर

41. नारनौल–सिंगावा

42. नारनौल–पाटन

43. नारनौल–मखोटा

44. नारनौल–कुंड

45. नारनौल–सालासर

46. रिवाड़ी–नारनौल

47. रिवाड़ी–रोहतक

40. रिवाड़ी–झझर

49. रिवाड़ी–कनहोड़ी

50. रिवाड़ी–कोसली

51. रिवाड़ी–निवादा

52. रिवाड़ी–मुदारा

53. रिवाड़ी–लौहारू

54. रिवाड़ी–बहुजोदरी–झारली

55. रिवाड़ी–मनेसर–गुड़गाव

56. रिवाड़ी–रोहतक–हिसार

57. रिवाड़ी–दादरी

58. रिवाडुाई–बहादुरगढ

59. रिवाड़ी–पटोदीं–गुडगाव

60. ऐवाड़ी–फरुकनगर

61. रिवाडी–राजगढ–टेकरी–कन्डोरा–कुटीना

62. रिवाड़ी–बाबल–पुरानपुर–जबुआ

63. महिन्द्रगढ–कनीना–कोसली

64. रिवाड़ी–नरवाना

65. रिवाड़ी–जगाधरी

66. रिवाडी–अकेरा

67. महिन्द्रगढ़–दिल्ली

68. रिवाड़ी–भोजावास–नारनौल

69. रिवाड़ी–बल्बगढ़

70. रिवाडी–धयाना

71. महिन्द्रगढ–अटेली–कनीना

72. रिवाड़ी–दुरोली

73. रिवाड़ी–कनीना की दहानी

74 नारनौल–भगोट–सहलन

75. नारनौल–रोहतक

76. नारनौल–कनीना

77. नारनौल–नौतीना

78. नारनौल–खानावास

79. नारनौल–खाटूपुर

80. नारनौल–बालाजी

81. नारनौल– हिसार

82. नारनौल–नागलचौधरी

83. नारनौल–सतनाली

84. नारनौल–भवाना

85. नारनौल–फतेहाबाद

86. नारनौल–सिरसा

रोहतक डिपो

1. रोहतक–चण्डीगढ

2. रोहतक–हरिद्वार

3. रोहतक–पानीपत

4. रोहतक–दादरी

5. दिल्ली–फाजिलका

6. दिल्ली– गंगानगर

7. दिल्ली–पंचकूला

8 दिल्ली–हनुमानगढ़

9. दिल्ली–हिसार

10 दिल्ली–मुक्तसर

11. दिल्ली–फिरोजपुर

12. दिल्ली–सिरसा

13. दिल्ली–भठिडा

14 नारनौल–पानीपत

15. रोहतक–डबबाली

16. रोहतक– हिसार

17. रोहतक–सोनीपत

18. रोहतक–झज्जर

19. रोहतक– सिरसा

20. रोहतक–वृन्दावन

21. रोहतक–रिवाड़ी

22. रोहतक–गंधारा

23. रोहतक–सांपला

24. रिडाना–रोहतक

25. रोहतक–दिल्ली–हलदवानी

26. रोहतक–दिल्ली–बालाजी

27. रोहतक–दिल्ली–महाबीरजी

28. रोहतक–पटियाला

29. दिल्ली–टोहाना

30. रोहतक–जीन्द

31. रोहतक–कैथल

32. रोहतक–भिवानी

33. भिवानी–दिल्ली

34. रोहतक–कोसली

35. रोहतक–बहू

36. बेरी–दिल्ली

37. रोहतक –फरमाना वाया रिठाल

38. रोहतक–गुडगावां–छारा

39. रोहतक–फरमीना वाया रउलाना

40. रोहतक–निधाना वाया मेहम

41. झझर–दिल्ली–बहादुरगढ़

42. झझर–दादरी

43. झझर–कोसली

44. झझर–बहू

45. जझर–नजबगढ

46. झझर–गुड़गावा

47. झझर–चण्डीगढ़

48. झझर–रोहतक

49. झझर–रिवाड़ी

50. झझर–बेरी

सिरसा डिपो

1. डबवालीं– हरिद्वार

2. सिरसा–हरिद्वार

3. डबवाली–सोनीपत

4. सिरसा–दिल्ली

5. दिल्ली–फाजिलका

6. ऐलनाबाद–दिल्ली

7. डब्वाली–सिरमा–दिल्ली

8. सिरसा–यमुनानगर

9 सिरसा–चण्डीगढ़

10. सिरसा–करनाल

11. सिरसा–सोनीपत

12. सिरसा–लौहारू

13. सिरसा–अमृतसर

14. डब्बवाली–भिवानी

15. खेरसा–यमुनानगर

16. सिरसा–हनुमानगढ

17. सिरसा–जैतसर

18. सिरसा–कटरी

19 ऐलनाबाद–कैथल

20 हनुमानगढ़–गंगानगर– हांसी

21. रोड़ी–करणपुर

22. दिल्ली–सुरतगढ

23. डब्बवाली–हनुमानगढ

24 डब्बवाली–तलवंडी

25. डज्जवाली–मानसा

26. डब्बवाली–जीन्द

27. डब्बवाली–झझर

28. डब्बवाली –पानीपत

29 डब्बवाली–रानिया

30. डब्बवाली–गंगानगर

31. डब्बवाली–सिरसा

32. सिरसा–संगरिया

33. सिरसा–ऐलनाबाद

34. सिरसा–बहादुरा

35. डब्गवाली–सगिरां

36. डब्बवाली–रोहतक

37. सिरसा–तलवंडी

38 सिरसा–नौहर

39 फतेहाबाद नौहर

40. सिरसा–रोडी

41 सिरसा–कलावाली

42. सिरसा – चौपटा

43. सिरमा–डब्बवाली वाया औडा

44. सिरसा–भूना

45. सिरसा–फतेहाबाद

46. सिरसा –भटू

47. सिरसा–सरदुलगढ

48. मिरसा–रिवाड़ी

49. सिरसा–ममड

50. सिरसा–मालूवाला

51. डब्वाली–फतेहाबाद

52. सिरसा– सुरतिया

53. सिरसा–बरवाला

54. सिरसा–गिधड़ा

55. सिरसा – खाईखोडगढ

56. सिरसा–नरवाना

57. सिरसा–खुमारियां

58. सिरसा–ताजिया'

59. सिरसा–तलवाड़ा

## अनुबन्ध ''वाई'

हरियाणा राज्य परिवहन की एक्सप्रैस बसों के मार्गों की दर्शाई गई सूचीः–

चण्डीगढ़ डिपो

1. पडोह – दिल्लो

2 चण्डीगढ़–चौटाला

3. चण्डीगढ़–आगरा

4. चण्डीगढ़–ग्वालियर

5. चण्डीगढ़–मनाली

6. चण्डीगड़–शिमला

7. चण्डीगढ़–शिमला–दिल्ली

8. चण्डीगढ–नारनौल वाया रोहतक

9. चण्डीगढ–देहरादून

10. चण्डीगढ–हिसार

11. चण्डीगढ–रोहतक

12. कालका–दिल्ली

13. कालका–जयपुर

14. कालका–देहरादून

करनाल डिपो

1. करनाल–ग्वालिवर

2. करनाल–चण्डीगढ़

3. करनाल–जयपुर

4. करनाल–दिल्ली–पटियाला

5. करनाल–दिल्ली–कटरा

6. करनाल–दिल्ली–पठानकोट

7. करनाल–दिल्ली–चण्डीगढ़

8. करनाल–पटियाला–दिल्ली

9. करनाल–हरिद्वार

10. करनाल–देहरादून

11. करनाल–दिल्ली–हमीरपुर

12 करनाल–दिल्ली–लुधियाना

कैथल डिपो

1. कैथल–अजमेर

2. कैथल–जयपुर

3. केथल–जयपूर वाया रिवाड़ी

4. गुहला–भरतपुर वाया दिल्ली

5. गुहला – अलवर वाया दिल्ली

6. कुरुक्षेत्र–दिल्ली

7. गुहला–दिल्ली

8. दिल्ली–हिसार–दिल्ली

9. दिल्ली–सिरसा–दिल्ली

10. कैथल–दिल्ली

11. हिसार–चणडीगढ–ऋषिकेष

12. जीन्द–पौंटा साहिब

13. जीन्द–हिसार–शिमला

14. कैथल–हरिद्वार

15 कैथल–करनाल–दिल्ली

16. चण्डीगढ़–दिल्ली–सिरसा

17. चण्डीगढ़–दिल्ली–चण्डीगड़

18 कैथल–हिसार–चण्डीगढ़

19. जीन्द–शिमला जीन्द

सोनीपत डिपो

1. सोनीपत–दिल्ली–मनाली

2 सोनीपत–दिल्ली–शिमला

3. सोनीपत–दिल्ली–पठानकोट

4. सोनीपत–दिल्ली–चण्डीगढ़

5. सोनीपत–दिल्ली–जयपुर

6. सोनीपत–दिल्ली–शिवपुरी

7. सोनीपत–दिल्ली–लुधियाना

8. सोनीपत–दिल्ली–ग्वालियर

8. सोनीपत–दिल्ली–आगरा

10. सोनीपत–हिसार

11 सोनीपत–अलवर

12 सोनीपत–बालाजी

13. सोनीपत–भरतपुर

14 सोनीपत–नारनौल

15. सोनीपत–दिल्ली

16. गोहाना–दिल्ली–पुष्कर

17. गोहाना–दिल्ली–जयपुर

18. गोहाना–सोनीपत–दिल्ली

19. गोहाना–रोहतक–चण्डीगढ

यमुनानगर डिपो

1. यमुनानगर–दिल्ली

2 यमुनानगर–पौटा साहिद

3. यमुनानगर–लुधियाना–देहरादून

4. यमुनानगर–अमृतसर

5. यमुनानगर–चण्डीगढ़

6. यमुनाना ।र–लुधियाना–दिल्ली

7. यमुनानगर–पटियाला–दिल्ली

8. यमुनानगर–बरेली

9 यमुनानगर–हरिद्वार

10 यमुनानगर–जयपुर

11. यमुनानगर–अलवर

12. यमुनानगर–आगरा

13. आगरा– चण्डीगढ़–यमुनानगर

14. यमुनानगर–पलवल

15. यमुनानगर–अम्बाला

18. नारायणगढ़–दिल्ली–आगरा

17. नारायणगढ़–दिल्ली

18 नारायणगढ़–राय–दिल्ली

19. नारायणगढ–अम्बाला–जालन्धर

20. नारायणगढ–यमुनानगर–दिल्ली

पानीपत डिपो

1 पानीपत–करनाल–हिसार

2 पानीपत–डब्बवाली

3. पानीपत–हिसार–देहरादून

4. पानीपत–दिल्ली–पटियाला–अमृतसर

5. पानीपत–दिल्ली–नारनौल

6. पानीपत–अजमेर

7. पानीपत–अम्बाला–जयपुर

8. पानीपत–करनाल–होडल

9. पानीपत–रोहतक

10. पानीपत–दिल्ली–लुधियाना

11 पानीपत–रोहतक–चण्डीगढ़

12. पानीपत–सिरसा

13. पानीपत–दिल्ली–चण्डीगढ़

14. पानीपत–यमुनानगर–दिल्ली

15. पानीपत–बरेली–चण्डीगढ़–दिल्ली

कुरुक्षेत्र डिपो

1. कुरुक्षेत्र–पहेवा– अलवर

2. कुरुक्षेत्र–पुष्कर

3. कुरुक्षेत्र–दिल्ली–लुधियाना

4. कुरुक्षेत्र–गुहला–दिल्ली–लुधियाना

5. कुरुक्षेत्र–चण्डीगढ–दिल्ली

6. कुरक्षेत्र–पहेवा– दिल्ली–पटियाला

7. कुरुक्षेत्र–गूहला–दिल्ली–अमृतसर

8. कुरुझेत्र–मथूरा

9. कुरुक्षेत्र–दिल्ली–शिमला

10. कुरुक्षेत्र–चण्डीगढ–रिवाडी

11. कुरुक्षेत्र–यमुनानगर–रोहतक

12. पहेवा–दिल्ली–चीक

13. पहेबा–देवीगढ–दिल्ली

14. पहेवा–लाडवा–दिल्ली

15. पहेवा–पटियाला–दिल्ली–डबवाली

16. पहेबा–चण्डीगढ–जीन्द–पंचकूला–हिसार

अम्बाला डिपो

1. अम्बाला– दिल्ली–चण्डी गढ–अम्बाला

2. अम्बाला–नंगल–दिल्ली

3. अम्बाला–दिल्ली–लुधियाना

4. अम्बाला–लुधियाना–दिल्ली–अमृतसर

5. अम्बाला–चण्डीगढ़–दिल्ली–लुधियाना

6. अम्बाला–पटियाला–दिल्ली

7. अम्बाला–पटियाला–रिवाड़ी वाया झज्जर

8. अम्बाला–दिल्ली–कसौली

9. अम्बाला–पटियाला–देहरादून

10. अस्वाला–चण्डीगढ– हरिद्वार

11. अम्बाला–हरिद्वार

12 अम्बाला–दिल्ली–चण्डीगढ़–आगरा

13 अम्बाला–दिल्ली–चण्डीगढ–बालाजी

14. अम्बाला–जयपुर

जीन्द डिपो

1. जीन्द–दिल्ली–लुधियाना

2 जीन्द–दिल्ली

3. जीन्द–हिसार–चण्डीगढ़

4. जीन्द–रिवाड़ी–चण्डीगढ़

5. जीन्द–दिल्ली –जयपुर

6. जीन्द–संगरूर–दिल्ली–अमृतसर

7 जीन्द–गंगानगर–पानीपत

8. जीन्द–ग्वालियर

9. जीव–अलवर

10. नरवाना–दिल्ली

11. नरवाना–दिल्ली–जयपुर

12. नरवाना–दिल्ली–आगरा

दिल्ली डिपों

1 दिल्ली–मनाली

2. दिल्ली–आगरा

3. दिल्ली–बालाजी

4. दिल्ली–अलवर

5. दिल्ली–बान्धीकूई

6. दिल्ली–झंझनू

7 दिल्ली–जयपुर

8. दिल्ली–पिलानी

9. दिल्ली–जयपुर वाया अलवर

10 दिल्ली– खेतड़ी

11. दिल्ली – सिंगना

12. दिल्ली –चूरु

13. दिल्ली–कटरा

14. दिल्ली–चण्डीगढ

15. दिल्ली–लुधियाना

16. दिल्ली–पटियाला

17. दिल्ली–नैनीताल

18. दिल्ली–ग्वालियर

19. दिल्ली–लखनऊ

20. दिल्ली–सोनीपत

21. दिल्ली–जगाधरी

22. दिल्ली–यमुनानगर

23. दिल्ली–फरीदाबाद

24. दिल्ली–रोहतक

25. दिल्ली–रिवाड़ी

26. दिल्ली–गुड़गावां

27. दिल्ली–महेन्द्रगढ़

28 दिल्ली–हैलीमण्डी

29. दिल्ली–सोहना

30. दिल्ली–शिवानी

31. दिल्ली–नारनौल

32. दिल्ली–कैथल

33. दिल्ली–नगीना

34. दिल्ली–होडल

35. दिल्ली–हलदवानी

भिवानी डिपो

1. भिवानी–दिल्ली–झुझनू

2. भिवानी–हिसार– दिल्ली

3. भिवानी–कौसी

4. भिवानी–अजमेर

5. भिवानी–दिल्ली–जयपुर

6. भिवानी–चण्डीगढ

7. भिवानी–हिसार–चण्डीगढ़

8. भिवानी–डब्बवाली

9. भिवानी–नारनौल–हिसार

10 भिवानी–दिल्ली–कबवाली

11. भिवानी–हिसार–डब्बवाली

दादरी डिपो

1. दादरी–दिल्ली–जयपुर

2 दादरी–झुंझनू–आगरा

3. दादरी–रोहतक–चण्डीगढ़

4. दादरी–सिरसा–नारनौल

5. नारनौल–दादरी–फजलका

6. दादरी–दिल्ली

7. दादरी–रोहतक–दिल्ली

8. दादरी–पीलानी–भिवानी –दिल्ली

फतेहाबाद डिपो

1. दिल्ली–फाजिल्का

2. फतेहाबाद–सिरसा–जलपुर

3. रायसिंह नगर–दिल्ली वाया डबवाली

4. फतेहाबाद–आगरा

5. फतेहाबाद–सिरसा–दिल्ली

6. सिरसा–दिल्ली–हिसार

7. फतेहाबाद–जालन्धर

8. फतेहाबाद–चण्डीगढ़ वाया पटियाला

9. फतेहाबाद–चण्डीगढ वाया कैथल

10. टोहाना–दिल्ली वाया जीन्द

11. टोहाना–बीकानेर

फरीदाबाद डिपो

1. फरीदाबाद–अमृतसर

2. फरीदाबाद–शिमला

3. फरीदाबाद–यमुनानगर

4. फरीदाबाद–चण्डीगढ

5 फरीदाबाद–व्यास

6. फरीदाबाद–हिसार

7. बल्लबगढ–दिल्ली–आगरा

8. बल्बगढ–जयपुर

9. बल्बगढ–दिल्ली–गवालियर

10. फरीदाबाद–जगाधरी

11 कोसी– चण्डीगढ़

12 पलवल–चण्डीगढ़

13. पलवल–यमुनानगर

14 पलनल–मथुरा–हरिद्वार

15 पलवल–चण्डीगढ़–मथुरा

16. पलवल–मथुरा–जयपुर

17. पलवल–दिल्ली–आगरा

18 होडल–आगरा–चण्डीगढ़

19. होडल–कालका–मथुरा

गुड़गावां डिपो

1 गुडगावां–दिल्ली–चण्डीगढ़

2. गुडगावां–दिल्ली–मनाली

3 गुडगावा–दिल्ली–शिमला

4. गुडगावां–दिल्ली–जयपुर

5. गुडगावां–दिल्ली–पुष्कर

6. गुडगावा–दिल्ली–हरिद्वार

7 गुडगावां–संगरूर

8 गुडगावा–दिल्ली– आगरा

9. गुड़गाबा–दिल्ली–आगरा

10 गुडगावां–डब्बवाली

11. गुडगावा–चण्डीगढ़–बाला जी

12. गुडूगावा–दिल्ली–उदयपुर

13 गुडगावा–दिल्ली–हैलीमण्डी

14. फिरोजपूर–झिरका–चण्डीगढ़

15 फिरोजपुर–झिरका–दिल्ली–बालाजी

हिसार डिपो

1 हिसार–चण्डीगढ

2. हिसार–पंचकूला

3. दिल्ली–गंगानगर

4. दिल्ली–फाजिलका

5 सिरसा–जयपुर

6 सिरसा–जोधपुर

7 हिमार–दिल्ली

8 सिरसा–दिल्ली

9. दिल्ली–बीकानेर

10 हिसार–कटरा

11. हिसार–आगरा–सिरसा

12. हिसार–अमुतसर

13. हिसार–ऋषिकेश

14. हिसार–अजमेर

15. हिसार–सहारनपुर

16. हिसार–फरीदाबाद

17. हिसार–पलवल

18. हिसार–मथुरा

19. हिसार–गंगानगर

20 हिसार–बीकानेर

21. दिल्ली–फिरोजपुर

22. हांसी–चण्डीगढ़

23. हासी–दिल्ली–डब्बवाली

24 हांसी–दिल्ली–हिसार

25 हांसी–बाला जी

26 हासी–बठीडा

रिवाडी डिपो

1 रिवाडी–दिल्ली–खाटूशामजी

2. रिवाड़ी–दिल्ली–पंचकूला

3. रिवाड़ी–दिल्ली–पुष्कर

4. रिवाड़ी–दिल्ली चण्डीगढ़

5. नारनौल–दिल्ली–सीकर

6 रिवाड़ी–दिल्ली–जालन्धर

7. रिवाड़ी–अलीगढ़ वाया दिल्ली

8. रिवाड़ी –दिल्ली–जयपुर

9 नारनौल–दिल्ली–रिवाड़ी

10 नारनौल –दिल्ली–आगरा

11. नारनौल–दिल्ली–सीकर

12. नारनौल–जयपुर

13. नारनौल–सिरसा

14. नारनौल–रोहतक –पंचकूला

15. नारनौल–दिल्ली–अजमेर

रोहतक डिपो

1 रोहतक–चण्डीगढ़

2. रोहतक–देहरादून

3. रोहतक–अमृतसर

4 दिल्ली–कटरा

5 दिल्ली–जालन्धर

6 दिल्ली–लुधियाना

7. दिल्ली–सिरसा

8 दिल्ली–अनुपगढ

9. दिल्ली–वीकानेर

10. दिव्ली–झुझनू

11 दिल्ली–लखनऊ

12 दिल्ली–गवालियर

13. रोहतक–दिल्ली–अजमेर

14 रोहतक–अजमेर वाया रिवाड़ी

15 रोहतक–कोटा वाया रिवाड़ी

16. रोहतक–दिल्ली–आगरा

17. झझर–चण्डीगढ़

सिरसा डिपो

1 सिरसा–नारनौल

2. सिरसा–जयपुर

3. अनूपगढ़–दिल्ली

4. हनुमानगढ–गंगानगर–दिल्ली

5. फाजिल्का–दिल्ली

6. सिरसा– चण्डीगढ़

7. डब्बवाली– सिरसा–दिल्ली

8 डब्बवाली–चण्डीगढ

9 डब्बवाली–करनाल

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह पूछना चाहुगा कि इन्होने जो एक्सप्रैस बसिज चलाई है उनमें जीन्द से 12, भिवानी से 11 हिसार से 26 और रोहतक से 17 चला ई है तो इनको चलाने का क्या क्राईटेरिया है। दूसरे, आर्डनरी आर एक्सप्रैस बसिज की पर–किलोमीटर बुकिंग क्या रही है। तीसरे, एक्सप्रैस बर्सिज जो इन्होंने चलाई हैं क्या ये बसिज भी मिनी बसिज की तरह अन–इक्नोमिक सा वित तो नहो होगी मिनी बसिज की परचेज के लिए मुख्यमंत्री जी ने आश्वासन दिया था कि हम विजिलैस से इन्कावायरी करवाएंगे। क्या वह इन्क्वायरी पूरी हो गई है, अगर हो गई है तो इसमें कौन दोषी पाया गया है? चौथे, इन्हेंने कहा था कि अब पुलिस कर्मचारी एक्सप्रैस बसिज में सफर कर सकते है लेकिन इन के होम डिपार्टमैंट ने मना कर दिया हैं कि बे नही कर सकते है। तो क्या होम सैक्रेटरी का हुक्म सी०एम ० साहब के हुक्म से बड़ा है ?

**श्री बलबीर पाल शाहः** अध्यक्ष महोदय, जहां तक क्राईटेरिए का प्रश्न है, हम टमिज की पब्लिक डिमाण्ड पर ही लगाते है। जहां से डिमाण्ड आती है हम वही पर बसिज लगाते है। इसके साथ ये जो रूटस है, वे सारे ही इक्नोमिकल है। आर्डिनरी मे एक्सप्रैस बसिज की रिसीट ज्या दा है। जहां तक पुलिस वालो का सवाल है हमने उनको अलाऊ कर दिया है। हम ने यह देखना चाहते हैं कि पास बनाकर कितने लोग ट्रैवल करेगे

और वे पाम से ही आ जा सकेंगे, न कि मर्जी से कही भी आ–जा सकें। पास से पता चल सकेगा कि वह इस स्टापेज से फलां जगह तक जाता है। इससे हमें यी पता चल जाएगा कि हमारा पुलिस डिपार्टमैट पर कितना खर्चा आ रहा है।

**श्री अध्यक्षः** आप यह बताए कि पास के क्या मायने है ?

**श्री बलबीर पाल शाहः** अष्यक्ष महोदय, पास के मायने यह है कि वे अपने अफसर से स्लिप ने कर जाएगा कि वह फलां काम से जा रहा है और इस रूट से फलां रूट तक जा रहा है। इनके अलावा अगर कोई छुट्टी पर भी घर जाता है तो वह अफसर से स्लिप लेकर जा सकता है।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** अध्यक्ष महोदय., मेरी वात का पूरा जवाब नहीं आया। मैने अह पूछा है कि आडनरइा बसिज और एक्सप्रैस बसिज की पर–किलोमीटर बुकिंग क्या है ? दूसरे जहां तक पुलिस कर्मचारियों का ट्रैवल करने का सवाल है तो बइ आपने कहा हे कि हमने मान लिया है। लेकिन वे उन बसिज से नहीं चल पा रहे हैं। अब इसमें क्या दिक्कत है. मुख्यमंत्री जी ने भी आश्वाशन दे दिया है। अब गवर्नमैंट की ईमेज का सवाल है। आप यह बताए कि यह सुविधा आप कब तक दे देंगे?

**श्री बलबीर पाल शाहः** अध्यक्ष महोदय, जहां तक पुलिस का सम्बन्ध है, इस बारे मे निश्चित हो चुका है कि वे सफर कर सकते हैं और हम यह सुविधा उनको ज्यादा से ज्यादा 15 दिन में

प्रदान कर देगे। जहां तक रिसीट का सवाल है, वह रूट पर निर्भर करता है। किसी रुट पर तो सात रुपए कि० मी० है और किसी पर 10 रुपए है। अगर ये किसी पर्टीकुलर रूट के बारे में पूछ रहे है तो ये अलग से नोटिस दें तो हम इनको बता देगे।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** अध्यक्ष महोदय, ये ऐवरेज के बारे में ही बता दें कि ऐवरेज क्या आती है? इसको तो इनका डिपार्टमैंट निकाल सकता है, बहुत बड़ा डिपार्टमैट है। तो मंत्री जी हमें बता दें कि आर्डिनरी और एक्सप्रैस बसिज की क्या–क्या ऐवरेज है ? मत्री जी ने यह भी बताया कि हम बस मांग के अनुसार देते हैं लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये मांग के अनुसार बस नहीं देते है बल्कि इनका तो बसिज देने का क्राईटेरिया पोलिटिकस है। कालका और हिसार में इन्होंने ज्यादा बसिज दी हुई है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इन्होने भिवानी और दादरी डिपोज को दूसरी डिपोज की तीन चार साल चली हुई पुरानी बसिज क्यो दे दी हैं? जिन डिपोज में ये पुरानी बसिज पहले थी उनका तो आपने नयी बसिज दे दी तो यह भिवानी और दादरी डिपोज के साथ ही क्यों भेद भाव किया जा रहा है, इसका क्या कारण है?

**श्री बलबीर पास शाहः** अध्यक्ष महोदय, जब से यह सरकार आयी है, तब से हमने कोई भी कार्य ऐसा नही किया है जिसमें भेदभाव बरता हो। जब पिछली सरकार गयी थी तो 1200 बसिज जली हुई छोड़ गयी थी और कुछ बसों के शीशे भी टूटे

हुए थे लेकिन हमने आते ही उन बसिज का बैकलाग पूरा किया, रिपेयर करवाया, ठीक किया। जहा तक दादरी और भिवानी डिपोज की बात है तो दादरी डिपो भिवानी डिपो से ही बाइफरकेट करके बनाया है। इसलिए भिवानी डिपो में से ही दादरी डिपो को बसिज अलौट करायी गयी हैं अध्यक्ष महोदय, जो ये कह रहे है कि दादरी के साथ सौतेला व्यवहार क्यों है और ऐक्सप्रैस बसिज दूसरी जगहों पर ही दी जा रही हैं, मैं–इनको बताना चाहूंगा कि ऐक्सप्रैस बसिज दिल्ली और चण्डीगढ़ डिपो में सब से ज्यादा है। बसिज तो जरूरत के अनुसार दी जाती है, जहा ज्यादा डिमांड हैं, वहा ज्यादा बसिज दी जाती है। अगर आपके पास भी कहीं पर डिमांड है और वह रूट वायबल है तो आप हमें बता दें हम वहा पर बसें चला देगे।

**चौधरी ओम प्रकाश बैरीः** अध्यक्ष महादय, मैं मंत्री से पूछना चाहूंगा कि क्या यह बात उनके नोटिस मे है कि जिन जिन रूटस पर प्राईवेट लोगों को वसे चलाने के लिए परमिटस दिए गए हैं, वे लोग उन रूटस पर बसिज न चलाकर दूसरे रूट्स पर, जी. एम. हरियाण रोडवेज, सैक्टेरी आर टी.ए. या रुलिस वालो से मिलकर चला रहे हैं। उन रूटस पर हरियाणा रोडवेज की बसिज भी विदश कर ली गयी हैं, इस वजह से जनता को परेशानी हो रही है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सरकार जनता की इस असुविधा को समाप्त करने के लिए क्या कदम सठा रही है?

**श्री बलबीर पाल शाहः** अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह प्रश्न प्राईवेटाइजेशन के ऊपर है लेकिन फिर भी मैं इनको अवगत कराना चाहता हूं कि हम इसके लिए भी स्टैप्स ले रहे हैं और एनफोर्समैंट स्टाफ भी बढ़ा रहे हें। ये बसिज बाकायदा अपने–अपने रूट्स गर ही चलेगी। लेकिन यह एक नया तजुर्बा है, क्रांतिकारी कदम है इसलिए इसमें शुरू में थोड़ी मुश्किलात तो आएंगी ही लेकिन वक्त के साथ–साथ सारी मुश्किलात दूर हो जाएगी। हुमारे नोटिस में यह बात है कि कुछ बसिज अपने रूट्स से हटकर चलती हैं जिसकी वजह से लोगों को असुविधा हो रही है। अध्यक्ष महोदय, अगर इनके नोटिस में कही पर इस तरह की. बात है तो यह उसको हमारे नोटिस में लाए, हम वहां से वे बसिज हटा देंगे और वह्हां हरियाणा रोडवेज की बसिज चला देंगे।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर सर, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जिन जिन सोसायटीज को आपने रूट्स अलौट किए हैं और जहां–जहां पर उन सोसायटीज ने बसिज खरीद भी ली हैं लेकिन सड्कें खराब होने की वजह से वे अपनी बसिज उन रूट्स पर नहीं चला सके, तो क्या उन सोसायटीज का लोन माफ किया जाएगा या फिर उनको कोई और आलटरनेटिव रूटस दिए जाएंगे? इसके अलावा मैं एक और जानकारी मंत्री जी से चाहुंगा। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने नेशनल हाइवे पर प्राईवेट बसिज चलाने के लिए दस किलोमीटर का नार्म रखा है, क्या इस नार्म को क म करने का कोई विचार ह क्योंकि जैसे सीख मे बस

चलकर नौलथा रुकती है, मडलौडा रुकती है और समालखा रुकती है जबकि समालखा मे रुकने का कोई स्थान ही नही है। तो इस चीज को देखते हुए मती जी क्या समालखा मे कोई क्यू शैल्टर, कोई बूकिंग कलर्क या कोई स्पेशल बस वहां लगाने की कृपा करेगे?

**श्री बलबीर पाल शाहः** अध्यक्ष महोदय, ये रूट्स विधायको ने ही बनाए थे, सारे विधायको ने ही निश्चय किया था कि कमेटीज बनायी जाए। सर, कुछ रूट्स ऐसे हूं जो अनवायबल हैं लेकिन हम उसके लिए भी बहुत लिबरल पोलिसी करने जा रहे हैं। नेशनल हाइवे पर हमने जो दस किलोमीटर बस चलाने का नार्म रखा है, उसको हम घटाएंगे नहीं बल्कि और बढ़ाएंगे। इम बारे में बहुत सी ऐप्लीकेशंज पर फैसला किया है और उनके रूट्स चेंज किए हैं, ऐक्सटैंड किए हैं लेकिन हमने लोन माफ नही किया। हमने लोगों से वायदा किया है कि रूट्स को हम वायबल बनाएंगे, लोगों को अधिक से अधिक सुविधा देंगे। जहां तक सडको की बात हु तो इस बारे में मैं निश्चित रूप से कुछ नहीं कह सकता क्योंकि यह मेरे डिपार्टमैंट की बात नहीं है लेकिन मैं इतना अवश्य बताना चाहता हूं कि समालखा मे बम स्टैन्ड बन रहा है और इसराना एवं नौलथा में भी बन रहा है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** बस तो नौल्था तक आती है।

**श्री बलबीर पास शाहः** कादयान साहब आपके हल्के में अगर कही बस क्रयू शैल्टर की जरूरत है तो हम क्यू शैल्टर बना देगे।

**श्री राम भजन अग्रवालः** स्पीकरसर, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जो से कहना थाहता हूं कि प्रीतमपुरा में बहुत लोग रहते हैं। क्या मधुबन चौक पर हमारी हरियाणा रोडवेज की बसों का स्टौपेज बनाएगे। इसके साथ ही यह कहना चाहता हू कि पानीपत करनाल में मत डीलक्स बसें चलती है जबकि भि वानी जिले में बसोंका आवागमन नहीं है वहां डीलक्स बचे न के बराबर हैं।

**श्री बलबीर पाल शाहः** अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न जो है इसका अपने आप में इंहोंने खुद ही जवाब दे दिया। ऐक्सप्रैस बस हम उन रूटों पर चलाने है जहां सवारी की डिमांड होती है। अगर सवारी नहीं है तो उस रूट पर हम बस नही चलाते। जहां तक क्यो का सवाल है प्राइवेटाईजेशन से एक फायदा होगा कि तकरीबन नयी बसिंज रुटस पर चलेगी और हम यह फुली इन्श्योर करेगे कि जहां पर सर्विस नहीं है वहां हम हरियाणा रोडवेज की बसिज की सर्विस दे और साथ ही यह भी कि जो रुटस अलौट किछ है उन पर प्राइवेट रूट वाले ठीक ढग से चलें।

**श्री राम भजन अग्रवालः** अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नही आया है। मैंनै यह भी पूछा है कि क्या मधुबन चौक, पर हरियाणा रोडवेज की बसों का स्टौपेज करेंगे?

( इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया)

**श्री पीर चंदः** स्पीकर सर, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जो प्राइवेट रूट्स दिए हैं, उनको कम से कम 50 किलोमीटर तक करना चाहिए। 4– 4, 5–5 किलोमीटर के जो रूट दिए है, इससे उनके पल्ले कुछ नहीं पडता। 50 किलोमीटर का रूट होगा तो उनको कुछ आमदनी भी होगी। दूसरे, श्री छतर सिंह चौहान साहब को बहम है कि भिवानी में डीलक्स बसें नही चलती, मैं माननीय मंत्री जी से कहूंगा कि इनकी जो तकलीफ है उसको दूर कर दें।

**श्री बलबीर पाल शाहः** स्पीकर सर, जहां तक रूट की लम्बाई का सवाल है, उस पर कोई बाईडिंग ही है। अगर उसी डिस्ट्रिक्ट कें अंदर 50 किलोमीटर का रूट बनता है तो हम देंगे। लेकिन जो हमारे नार्म्ज बने हुए हैं उसके मुताबिक होने चाहिए। बाकी जो छतर सिंह वी को हमेशा यह दिखाई देता है कि दादरी और भिवानी के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है, तो कम से कम बसिज के बारे में ये वह बात नहीं कह सकते। (शोर एवं व्यवधान )

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** स्पीकर सर, पहले अमर सिंह जी भी कहा करते थे कि हमारे वहां जो टूटी–फूटी बसे हूँ, वह पानीपत से भेजी हुई हैं। (विघ्न )

**श्री बलबीर पाल शाहः** स्पीकर सर, कोई डिसक्रिमिनेशन नहीं वरती जाती। पीछे भी मैंने सदन को आश्वासन दिया था कि अगर कोई बस टूटी फूटी होगी तो उसको फिटनैस सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा, उन्हें रोड पर चलने नहीं दिया जाएगा। एक साल बाद बस में रंग रोगन करके, शीशे ठीक करके रोड पर चलाया जाएगा। आने वाले तीन महीनों में आप प्रौग्रेस देख लेंगे।

**श्री राम रतनः** स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मनी जी से जानना चाहूंगा कि मेरा हसनपुर कस्बा है, वहां से रोडवेज की एक बस भी चण्डीगढ नहीं आती, न वहां से जाती है। इसलिए इस का समाधान किया जाए। मेरे कस्बे में अमी तक बस स्टैण्ड नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री जी 6 मार्च, 1992 को घोषणा करके आए थे लेकिन अभी तक बस स्टैण्ड नहीं बना। क्या मंत्री जी आश्वासन देंगे कि कितनी जल्दी बना देंगे?

**श्री बलबीर पाल शाहः** स्पीकर सर, कम ही बस स्टैण्ड के बारे में क्यैश्चन आ रहा है। अब मेरे पास नोट फार पैड नही है, नहीं तो ३ इसका उतर दे देता। जहा तक इनके हसनपुर हल्के मे चण्डीगढ़ के लिये बस चलाने का सवाल है, उस बारे में यही कहना चाहूंगा कि तकरीबन हर बड़े कस्बों को बसिज टच करती हैं और वहा भी जाती है। यह अलग बात है कि छोटे कस्बों के ऐक्सक्लूसिव बसें नहीं चलाई जाती क्योंकि वहां पर सवारियां कम होती है और बसे मेन बस अड्डे से ही चलती हैं।

**श्री राम रतनः** स्पीकर साहब, मेरा सवाल क्लीयर है कि सरकार कब तक हसनपुर से चण्डीगढ के लिए बस चलाने का बन्दोबस्त कर देगी?

**श्री बलबीर पाल शाहः** अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो अनुरोध किया है, उस पर कार्यवाही करवा कर देख लेते हैं, अगर वायेबल हुआ तो वहां से बस चलाई जाएगी और अगर वायेबल न हुआ तो नही चलाई जाएगी।

**श्री अजमत खांः** अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय का ध्यान इस ओर 'दिलाना चाहता हूं कि मेरे हल्के पुन्हाना, नूह और फिरोजपुर झिरका से चण्डीगढ़ के लिए कोई बस सेवा नही है। जो पहले बस चण्डीगढ़ के लिए चलती थी, अब वह भी बन्द कर दी गई है। क्या मंदी महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि मेरे हल्का हथीन–पुनहाना से चण्डीगढ़ के लिए कब तक बस सेवा डायरैक्ट शुरू कर दी जाएगी?

**श्री बलबीर पाल शाहः** अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी ने ध्यान इस ओर आकर्षित किया है कि इनके हल्के से चण्ढीगढ के लिए कोई बस सेवा नहीं है। हम कल से ही इसके लिए हिदायतें इशू कर देगे ताकि आगे से इनके हल्के से चण्डीगढ़ के लिए बस चलनी शुरू हो आए।

**Vacant post of English Teacher**

***1049@ Shri Bharath Singh :** Will the Minister of

State for Industrial -Training and Vocational Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the post of English Teacher is lying vacant in Vocational Education Institute, Kalayat: and

(b) if so, the time by which the aforesaid post is likely to be filled up ?

**औद्योगिक प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक शिक्षा राज्य मन्त्री (श्री तेजेन्द्रपाल मान):**

(क) हां।

(ख ) भाषा अध्यापक (अंग्रेजी) के रिक्त पद पर नियुक्ति पल तदर्थ आधार पर दिनांक 2.3.95 को जारी किया जा चुका है।

## तारांकित प्रश्न संख्या 1057

यह प्रश्न पूछा नहीं गया, क्योकि इस समय माननीय सदस्य, चौधरी सूरजभान काजल सदन में उपस्थित नहीं थे।

### Power Plants

***1094. Prof. Sampat Singh :** Will the Minister for Power be pleased to state the present stage of construction of Thermal Power Plant (Gas Based) Faridabad and coal Based Thermal Power plants at Hisar and Yamunanagar?

**Power Minister** (Shri Verendar Singh): Steps have been initiated by National Thermal Power Corporation (NTPC)

to construct 400 Megawatts Gas Based Power plant at Faridabad in the Central Sector.

The 700 Megawatts Yamunanagar Thermal project is to be constructed through a Joint Venture Company (JVC). Land for the project stands acquired and an agreement has been signed with the United Development Incorporated (UDI) of Eisenberg Group of Companies, Israel for its execution .

The 1000 Megawatts Hissar Thermal project is being posed for private participation .

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर सर, सब से पहले तो मैं मिनिस्टर महोदय ' से यह जानना चाहता हूं कि फरीदाबाद में जो 400 मैगावाट का थर्मल प्लांट लगना है, क्या उसके लिए सरकार ने जमीन एक्वायर कर ली है, कहां तक इसकी इंस्टालेशन में कार्यवाही आगे हो चुकी है? इसी तरह से 700 मैगावाट का थर्मल पावर प्रोजेक्ट जोकि यमुनानगर में लगने जा रहा है, उसकी क्या पोजीशन है? इसी तरह से हिसार में 1000 मैगावाट थर्मल परियोजना के विषय में क्या अचीवमैंट है? कब तक इन तीनों का काम सरकार शुरू करवा देगी?

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब, जहां तक फरीदाबाद के गैस बेसड प्लांट का संबंध है, इसको एन ० टी ० पी ० सी ० ने बनाना है और उसकी मैनेजमेट के साथ हमारी दो मीटिंग्ज हो चुकी है। इसका पावर परचेज एग्रीमैंट हम बहुत जल्द साइन करने जा रहे हैं। मैं सदन को यह भी बताना चाहता हूं कि यहां से जो

चार सौ मैगावाट बिजली पैदा होगी, हमने उस सारी के लिए उन लोगों को लिख कर दिया है कि यह सारी विजली हरियाणा प्रांत लेगा। जहां तक यमुना नगर का ताल्लुक है, मैंने पहले भी इसी सैशन में सदन में बताया था कि 25 जनवरी को हमने एक एग्रीमैंट साइन कर लिया है। आगे जो फारमैलिटिज होनी हैं, वहं हम उम्मीद करते हैं कि हम 6 महीने में पावर परचेज एग्रीमैंट पर साइन इस कम्पनी के साथ कर लेंगे। जहां तक हिसार का ताल्लुक है, उसके लिए कम्पीटीटिव बिडिंग का एक डाकुमैंट तैयार होने जा रहा है, क्योंकि इस देश में यी पहली किस्म का डाकुमैंट होगा, इमलिए कंसलटैसी की जरूरत है। डाकुमैंट को तैयार करके 'बहुत जल्द हम विडिग के लिए एडवरटाईजमैंट करेगे।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब, क्या मन्त्री जो बताएंगे कि इन तीनों स्थानों के लिए लैड एक्वी जीशन की कार्यवाही सरकार ने कर ली हैं?

**श्री बीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब, हिसार के लिए होने जा रही है, यमुनानगर की कई साल पहले हो चुकी है और फरीदाबाद की भी हो चुकी है।

## तारांकित प्रश्न संख्या 1101

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि, इस समय माननीय सदस्य, श्री धीर पाल सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे।

**Construction of New Roads. -**

***1138@ Shri Krishan Lal : Will the Minister** for P.W. D .(B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal. wader consideration of the Government to **c**onstruct the following roads of district Panipat-

(i) Bhalsi to Shera, and

(ii) Madlauda to Joshi; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be constructed ?

**लोक निर्माण मन्त्री (चौधरी अमर सिंह ):**

(क ) नही, श्रीमान जी।

(ख ) उपरोक्त (क) के अनुसार प्रश्न नहीं उठता।

**श्री रमेश कुमार:** स्पीकर साहब, आपके दारा मैं मत्री जी से जानना चाहता हूं कि 5—2— 95 को मुख्य मत्री जी मोर माजरा गए थे और वहां पर घोषणा करके आए थे कि भालसी से शेरा और मडलोडा से जोशी की सड्कों को बनाएंगे। जब मुख्य मती जी वहां घोषणा करके आए है, उसके बावजूद भी मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा है कि प्रश्न ही नही उठता। जब एजूकेशन का मामला आता है तो शिक्षा मंत्री जी भी इसी तरह से कह देते हैं कि प्रश्न ही नही उठता। तो क्या मंत्री जी बताएगे कि जो मुब्य मंत्री जी घोषणा करके आए हैं उनको कम तक बना दिया जाएगा?

**चौधरी अमर सिंहः** स्पीकर साहब, जो माननी व सदस्य ने सवाल किया है उसका इस सवाल से प्रश्न नहीं उठता है लेकिन फिर भी मैं जवाब देना चाहता हूं कि पाडा से कुरलान सड़क पानीपत–सफीदो सड़क से जूड़ी हुई हुं और गांव शेरा भी पक्का सड़क से जुड़ा हुआ है। यें दोहरे लिंक हैं। इसलिए इ न सड्कों को बनाने का सवाल ही नहीं उठता। गांव मडलोडा भी पानीपत–सफीदो रोड से जुड़ा हुआ है और गांव जोशी भी जुड़ा हुआ है। पाला से कुरलान सड़क 420 किमी लम्बी है जिस पर 14 लाख 16 हजार रुपए खर्च हो चुके हैं, जो मेरे साथी ने सवाल पूछा है उसका काम धन की उपलब्धी पर करवाया जाएगा।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब, ऐसे तो बहुत से गांव और शहर सड्कों से जुड़े हुए हैं। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जब चीफ मिनिस्टर साहब ने उस सबक को बनाने बारे में घोषणा करके लोगों की तालियां बजवा ही क्या उनकी घोषणा पर अमल किया जाएगा?

**चौधरी अमर सिंहः** स्पीकर साहब, अगर मुख्य मंत्री जी ने उन सबको को बनाने की घोषणा की है तो उस पर अवश्य अमल किया जाएगा और जम सबको को बात जल्दी मना दिया जाएगा।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब हमारे काबिल मन्त्री जी ने जवाब दिया है कि उन सड्कों को जल्दी हो बना

दिया जाएगा। मैं आपके माध्यम से उनसे जानना चाहता हूं कि क्या इस फाईनैशियल ईयर में उनको कम्पलीट कर दिया जाएगा?

**चौधरी अमर सिंहः** जी हो।

श्री सतबीर सिंह कदयानः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मती जी से जानना चाहता हूं कि परधाना से शाहपुर सड़क निर्माणाधीन थी उसको बीच में क्यों रोक दिया गया है। अगर उस सड़क को बनाएंगे तो कब तक बना कर तैयार कर देंगे?

**Mr. Speaker :** This question does not arise out of it. Kadian please take sour seat.

## तारांकित प्रश्न संख्या 1117

(यह प्रश्न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री अमर सिंह ढाबे सदन मे उपस्थित नही थे)।

### Misappropriation of funds

***1178. Chaudhri Om Parkash Beri :** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether any case of misappropriation of funds in the eon construction of reads at Rohtak against the officer/ officials of Haryana State Agricultural Marketing Board has come into the notice of the Government during the year 1994; and

(b) if so. the action if any, taken against the

officer/officials involved in the case as referred to in part (a) above ?

**Agriculture Minister (Shri Harpal Singh) :**

(a) Yes Sir,

(b) An F.I.R. was lodged with the police on 9-10-94. Seven persons including contractor, Executive Engineer, Sub-Divisional Engineer and two officials each of Local Audit and Executive Engineer Office have been arrested. The investigations are in progress. The Executive Engineer, who was on deputation from the Public works Department (B&R), was repatriated back to his parent department, who have been asked to take action against him. The Sub-Divisional Engineer has been placed under suspension.

**चौधरी ओम प्रकाश बैरी:** स्पीकर साहव, जिस सड़क के बारे में इन्होंने 9— 10— 1994 को एफ०आई०आर० दर्ज करवाई है, वह सड़क भैंसवाल से तिहाडा तक बननी थी। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि, क्या यह बात सही है कि इस सड़क की चार किलोमीटर लम्बाई थी। ठेकेदार ने एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड के अधिकारियों से मिल करके उसे दो किलोमीटर लम्बा और दिखा दिया और उसके लिए उसको पौने नौ लाख रु ० की एक्सैस पेमैंट कर दी गई? स्पीकर साहब एफ०आई०आर० 9— 10—94 को दर्ज हुई और उसके फौरन बाद ही एक्सीयन, एस०डी०ओ ० और चन्दगी राम नाम के आदमी को इन्होंने

गिरफ्तार कर लिया। लेकिन दूसरे आदमी को साढ़े पांच महीने के बाद इन्होंने गिरफ्तार किया इसका क्या कारण है?

**श्री हरपाल सिंहः** स्पीकर साहब, यह बात सही हैं कि उन्होंने एक्सैस पेमैंट की है। इसी वजह से उनके खिलाफ केस दर्ज ' हुआ है। इस केस में जो भी इन्वाल्वड होगा, उसको स्पेयर नही करेगे, चाहे वह कोई भी हो, गिरफ्तार किया जाएगा। जैसे मैंने जवाब में बताया दै कि ठेकेदार कार्यकारी अभियन्ता, उप–मण्डल अभियन्ता तथा लेखा परीक्षक न कार्यकारी अभियन्ता के कार्यालय के दो–दो कर्मचारियो को गि रफ्तार किया जा चुका णै। एक बी० एण्ड आर० का एक्सीयन जो इस काम का इन्चार्ज था, उसके खिलाफ बात आ रही है। उसके बारे मे हमने बी ० एरण्ड आर० वालों को एक्शन लेने के लिए लिख दिया है। डन्वैस्टीगेशन में जो इन्वाल्व पाया जाएगा, उसको स्पेयर नहीं किया जाएगा, सभी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इस केस के करे मे हमने और डन्वैस्टीगेशन स्टार्ट कर दी है। इस केस मे जो भी इन्वाल्वड होगा, उसको स्पेयर नही सिया जाएगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब मैंने मंत्री जी को एक पत्र लिखा था कि अहर से आलपुरा सड़क एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड ने बनानी है वह कब तक बन जाएगी ?

**श्री अध्यक्षः** इस सप्लीमैंटरी का मेन सवाल 'सै कोई सम्बन्ध नहीं हैं।

**चौधरी ओम प्रकाश बैरीः** स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहत। हूं कि हरियाणा स्टेट में ऐसी कौन कौन सी मार्कीट कमेटीज हैं जहां पर इररैगूउलेरिटीज और मिसएप्रोप्रिएशन औफ फण्ड्ज की शिकायत आपके पास आई है? कौन कौन सी मार्कीट कमेटी के खिलाफ आपने इन्कवायरी स्टार्ट कर दी है और उनकी इन्कवायरी की क्या स्टेज है?

**10.00 बजे**

दूसरी बात मैं यह पूछना चाहता हूं कि रिवाडी और भिवानी मार्कीट कमेटी में 1993 के अन्दर 25 लाख अरि 15 लाख रूपये की इरेगुलेरिटीज पाई गई थी। मैं जानना चाहता हूं कि सरकार ने या बोर्ड ने इस पर क्या कार्यवाही की? यदि कोई इन्कवायरी की जा रही है तो उसकी क्या स्टेज है और जो दोषी थे उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की जा रही है?

**श्री अध्यक्षः** यह सप्लीमैंटरी इससे सम्बन्धित नहीं है।

**Deaths occurred in National**

**Fertilizer Plant, Panipat.**

***1129. Shri Satbir Singh Kadian :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of persons died due to leakage of

Gas in the National Fertilizer Ltd. Plant at Panipat during **the** year 1992-93;

(b) whither any enquiry has been instituted into the incident as referred to in part (a) above; and

(c) if so, the results thereof togetherwith the action taken or proposed to be taken in this regard ?

**मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):**

(क) 10

(ख) जी, हां

( ग) अभियोगाक 780 दिनाक 26—8—92 धाराधीन 304—ए भा.द.स. थाना शहर पानीपत मे दर्ज किया गया था। अनुसंधान के दौरान किसी की लापरवाही नही पाई गई। इसलिए दिनांक 28— 1— 93 को अदमपता रिपोर्ट भेजी थी। श्री पोल पोथन भूतपूर्व चेयरमैन एवं प्रबन्ध निदेशक, इफ्को की अध्यक्षता में इस मामले में जांच चारने के लिए नैशनल फर्टिलाईजर्स लिमिटिड द्वारा एक कमेटी गठित की गई थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट उन्हें दे दी है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो 10 लोग गैस रिसने की वजह से मारे गए, उनको स्टेट गवर्नमैंट का तरफ से क्या राहत दी गई और एन० एफ० एल० की तरफ से क्या राहत दी गई?

दूसरा सवाल यी है जिन किसानों की गैस रिसने की वजह से फसल खराब हो गई थी उनको प्रति एकड कितना मुआवजा दिया गया?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, इस दुर्घटना में गैस लीक होने से 1० लोगों की जानें गई थीं। इनको तीन कैटेगरी में वाटा गया है। पहली कैटेगरी में मरने वाले श्री सी ० पी ० आहूजा को 3,77,450 रु०, श्री ० तो ० के० शर्मा को 3,77,50 रु ०, और श्री लाल सिंह को 4,17,450 रुपये दिए गए हैं। दूसरी कैटैगरी में आने वाले लोगों में श्री अतिसियामुद्दीन को 2 लाख 1 हजार रुपया, श्री राम कुमार को 1 लाख 75 हजार भये और श्री रामकिशन को भी 1 लाख 78 हजार रुपये दिए गये हैं। इसी प्रकार से जो तीसरी कैटेगरी में आते है, उनमें मि ० सुग्रीव को 1,12,388 रु० श्री बहादुर को 1,12,388 रु ० भी जागरनाथ को 1, 13,548 रुपये और श्री सुभाष को 1,08,003 रुपये दिए गए हैं। अध्यक्ष महोदय, इस आग पर 20 मिनट के अन्दर–अन्दर काबू पा लिया गया था। इसके अलावा, यहां पर जो 11 लोग जख्मी हुए थे, उनको भी मदद की गरं है। इसमें जमींदारों की जमीन खराब नहीं हुई।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब, मैने अपने सवाल में यह पूछा था कि एन ० एफ० एल० की तरफ से क्या दिया गया और हरियाणा सरकार की तरफ से क्या राहत दी गई? जो राशि दी गई बताई है वह ती उनकी अपनी नौकरी की

जमाराशि जो थी, वह मिली। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या मृतक के परिवार के किसी सदस्य को नौकरी दी गई? यहां पर जमीदारों की फसल खराब हुई। कहीं पर हो रुपये किल्ला, कही पर 15 रुपये किल्ले के हिसाब से मुआवजा दिया गया। फसल खराब हुई है और उसकी गिरदावरी मौजूद है। मेरा अनुरोध है कि क्या सरकार गिरदावरी रिपौर्ट को ध्यान में रखते हुए उन गरीब किसानों को, जिनकी फसल खराब हुई थी, मुआवजा देगी?

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, यह फैक्टरी भारत सरकार की है। स्टेट गवर्नमैंट का राहत देने का कोई संबंध नहीं है। जो भी राहत दी गई है, रह भारत सरकार ने दी है। उनका खुद का कितना पैसा जमा था, कितना बीमे का और दूसरी तरह का पैसा दिया गया वह मैं बता देता हूं। इसमें एक्सग्रेशिया के रूप में प्रत्येक को 25 हजार रुपये दिए गए हैं। (विघ्न )

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** अध्यक्ष महोदय, वह तो मिलना ही मिलना है। अगर उनकी डैथ सड़क पर होती तो भी उनको यह मिलना ही था। जो गैस लीक हुई उसकी वजह से मृतको के परिवारों को सरकार की तरफ से कोई राहत नहीं दी गई। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमन्त्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि क्या किसानों को कोई राहत सरकार दारा दी गई?

**चौधरी भजन लालः** गैस लीक होने से अगर कोई मरेगा उसके परिवार को ही पैसा मिलेगा। अगर मौत नही हुई तो पैसा नहीं मिलेगा। (विघ्न ) अलग–अलग बीमा की राशि अलग–अलग है 6 कैटेगरीज की डिटेल मैने बता दी है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मन्त्री जी से आश्वासन चाहूंगा। जिस प्रकार इफको अपने हर प्लांट को लगाते समय मास–पास के 6–7 गांवों को एडोंप्ट करती है और 10 नाम रुपया पर ईयर के हिसाब से उस ऐरिया में प्रदूषण रोकने के लिए तथा उन गांवों को राइस देने के लिए खर्च करती हैं।

मैं मुख्य मन्त्री से यह जानना चाहूंगा कि क्या इस प्रकार की राहत एन० एफ० एल० का प्लांट लगाते समय भी दी जाती है। यदि नहीं दी जाती तो क्या भविष्य में इस प्रकार का प्रावधान रखने की सिफारिश करेगैं ताकि उन गांवों की गलियां पक्की हो सके या और चल उनको मिल सके तथा वे प्रदूषण से भी बचे रहे।

**चौधरी भजन लालः** अध्यक्ष महोदय, प्रदूषण का जहां तक ताल्लुक है, प्रदूषण को रोकने के लिए पूरे बन्दोबस्त किए गये हैं। प्रदूषण से गांवों की पूरी प्रोटैक्शन हम करते हैं। कहीं भी प्रदुषण क्हीं है। जहां तक एक्सीडैट्स का ताल्लुक है, भविष्य में एक्सीडैंट न हों इसके लिए बाकायदा भारत सरकार ने एक कमेटी

बनाई थी और स्टेट गवर्नमैंट ने भी अपनी कमेटी बनाई थी। कमेटी ने अपनी रिकमैंडेशन्ज दे दी हैं, इन पर पूरा अमल किया जाएगा। देश में एक्सीडैट्स की रेशों के हिसाब से एक हजार व्यक्तियों के पीछे 36 आदमी मरते हैं जबकि हरियाणा में 1000 के पीछे 2.4 यानि अढाई से भी कम मरते हैं।

**Sanctioned Posts of J.B.T. Teachers**

***1146. Shri AzmatKhan :**Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the number of sanctioned posts of J.B.T. teachers in each of the schools in the State upto 31-10-94 together with the number of posts of J.B.T. teachers lying vacant at present in the State ; and

(b) the number of J.B.T. teachers to be retired by 31st March, 1996 ?

**Mr Speaker :** Extension has been granted for giving the reply to this question. The Communication received from the Minister concerned is as under :—

## अन्तरिम उत्तर

अ० स०प०क्र० 7/5/95 शि 11 ( 3 )

फूल चन्द मुलाना शिक्षा मन्त्री,

हरियाणा चण्डीगढ़

दिनांक 13 मार्च 1995

विषयः –तारांकित विधान सभा प्रश्न न० 1146

आदरणीय अध्यक्ष जी,

उपरोक्त वर्णित तारांकित प्रश्न नं ० 1148 में श्री अजमत था, विधायक ने 31– 10–1994 तक स्वीकृत हर राजकीय प्राथमिक विशालय/अटैच्ड प्राथमिक विद्यालय में जे०बी० टी ० अध्यापकों के स्वीकृत पद तथा उनमें से इस समय जितने पद रिक्त हैं, जानना चाहा है। विधायक महोदय ने कार्यरत अध्यापको में से 31 मार्च, 1996 तक जितने अध्यापक सेवा निवृत हो जायेगे उनकी संख्या भी जाननी चाही है।

इस सम्बन्ध में अंकित किया जाता है कि इस समय राज्य में 5187 स्वतन्त्र प्राथमिक विद्यालय तथा 3020 अटैण्ड प्राथमिक विद्यालय है। जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों से स्कूल वार स्वीकृत अध्यापकों के पदों की सख्या एवं उनके सेवा निवृत की तिथि प्राप्त करनी होगी। जिसमें बहुत अधिक समय लगने की सम्भावना है। ऐसी स्थिति में मेरा आपने अनुरोध है कि इस प्रश्न का उत्तर तैयार करने में जितना परिश्रम लगेगा उतना लाभ नहीं हो पायेगा। इसलिए इस प्रश्न के उत्तर के लिए 15 दिन की extension प्रदान करने की कृपा को।

श्री ईश्वर सिंह, अध्यक्ष

भवदीय

हरिया णा विधान सभा,

ह०/–

चण्डीगढ़। '' (फूल चन्द मुलाना )

## तारांकित प्रश्न संख्या 1171

यह प्रश्न पूछा नही गया क्योंकि, इस समय माननीय सदस्य, श्री जसविन्द्र सिंह सदन में उपास्थित नहीं थे।

**Setting up of 66 KV Power House at Jhinwerheri**

***1185. Sathi Lehri Singh :** Will the Minister for Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 66 K.V. Power House at Jhinwerheri district Yamuna-Nagar ; and

(b) if so, the time by which the afore-said proposal is likely to be materialised ?

**Power Minister** (Shri Verendar Singh) : No, Sir.

**साथी लहरी सिंहः** अध्यक्ष महोदय, पिछले बजट सैशन मे मेरा एक क्वैश्चन झीवरहेडी में पावर हाउस के बारे में था उसके बारे में मन्त्री जी ने यह जवाब दिया था कि झीवरहेड़ा और बडतौली दोनों का सर्वे हुआ है। एक जगह पावर हाउस कमीशन करने के लिए जगह सिलैक्ट कर ली जाएगी। इसमें क्या दिक्कत

आ गई यह तो मुझे पता नहीं है। इसके अलावा कुरुक्षेत्र तथा यमुनानगर जिलों में 66 के० वी० के कई पावर हाउसिज विचाराधीन थे। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि वहां पर दोनों को बहुत दिक्कत है क्योंकि वाटर लैवल बहुत नीचे चला गया है और बिजली की दिक्कत से किसान परेशान हैं। मैं आपके माध्यम ने माननीय बिजली मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि झीवरहेड़ी के बारे में क्या स्थिति है और लोगों को रिक्यायरमैन्ट पूरी करने के लिए भविष्य में यमुना नगर जिले मे सरकार की क्या प्लान है।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर सर, पिछले बजट सैशन में झींवरहेडी के लिए क्या जवाब दिया गया था यह तो मैं इम वश नहीं बता सकता। लेटैस्ट पोजीशन यह है कि फिलहाल बिजली बोर्ड झीवरहैडी में 66 के ० वी ० हो आवश्यकता महसूस नहीं करता क्योंकि वहां पर अभी रिक्वायरड लोड नहीं है। दूसरे चौधरी लहरी सिहं जी ने पूछा है कि यमुना नगर जिले में क्या–क्या काम किया गया है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि गोबिन्द पुरी गांव में 66 के० बी ० के स्टेशन का आगुटेमैंशन किया गया है और मुस्तफाबाद में किया गया है। इसके अलावा यमुना नगर में रादौर में भी आगमैन्ट किया जा रहा है। एक नया 66 के ० वी ० का सब–स्टेशन जठलाना गांव में बनाने की परपोजल है और एक अन्य परपोजल चान्दपुर में प्लान की गई है ये अगले कुछ सालों में बन जाएंगे। ये प्लान्ज फिलहाल यमुनानगर जिले के लिए हैं।

**श्री राजेन्द्र सिहं बिसलाः** अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने जबाब देते हुए एक कुरैक्शन की है। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि इन्होंने उतर देते हुए कहा फरीदाबाद में गैस बेस्ड थर्मल प्लान्ट के लिए जमीन आईडैटीफाई हो गई है। तो मैं यह जानना चाहूंगा कि वहा पर तो बहुत चर्चा है कि इस गैस बेस्डथर्मल प्लान्ट. के लिए गैस कहां मे उपलब्ध होगी? आपने जमीन तो ले ली और गैस उपलब्ध न हुई तो यह सारी इन्वैस्टमैंट बेकार हो जाएगी।

दूसरे इन्होने यह भी बताया कि 66 के० वी ० थर्मल प्लांट लगाने जा रहे हैं, इस बारे में एक चिट्ठी मेरे हल्के में भा आई है। कहीं ऐसा न हो कि यह सब बातें कागजों मैं ही रह जाए। आप तो बहुत ही योग्य मंत्री हैं, आप यह बताएं कि ऐसा तो नहीं होगा?

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** अध्यक्ष महोदय, जहां तक इनकी एप्रीहैन्सन है कि गैस कहां से मिलेगी। दरअसल यह प्लाँट पहले 800 मैगावट का था, अब यह 400 का कर दिया गया है। लेकिन यह जो 400 मैगावाट का किया गया है, इसको गैस मिलेगी। आजकल तो मशीनरीज इतनी बढ़िया हो गई है कि अगर किसी वजह से गैस नहीं मिल पाई तो यह तेल से भी चल सकती हैं।

**श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः** अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बड़ी ही गोल–मोल करके बात कर दी है कि गैस नहीं होगी

तो तेल से चल जाएगा। फिर यह कह देंगे कि तेल नहीं होगा तो कोयले से चल जाएगा बगैरह–वगैरह। इसके साथ हमारे सैन्टीमैंट जुड़े हुए हैं और आप बहुत हो समझदार मंत्री हैं इसलिए मैंने आपसे यह प्रश्न पूछा है। आप मेहरबानी करके इसका सही जवाव दें क्योंकि वहां पर तो गैस ही नहीं है।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** अध्यक्ष महोदय, इनके सैन्टीमैंटस की कदर की जाएगी। इनके छांयसा का ध्यान भी रखा जाएगा, वहां पर गैस पूरी मिलेगी (विध्न) आप तो चर्चा की बात कर रहे हैं और मैं रिकार्ड की बात कर रहा हूं। दूसरी बिजली की पैदावार के लिए जितनी चिन्ता यह सरकार कर रही है, जितने एफर्टस कर रही है उतने पहले वाली सरकार ने नहीं किए। अगर वे करते तो आज बिजली की प्रोब्लम ही नहीं होती। अब इस सरकार के रहते हुए बिजली का संकट समाप्त हो जाएगा। हम इस बारे में कोशिश कर रहे हैं, आप गैस की चिन्ता न करें।

**मूख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):** अध्यक्ष महोदय, वीरेन्द्र सिह जी ने ठीक कहा है कि पहले 800 मैगावाट का गैस प्लांट लगना था और गवर्नमेंट आफ इण्डिया ने हमें लैटर– आफ–इन्डैटं दिया था। बल में उन्होंने कह दिया कि हमारे पास इतनी गैस नहीं है। इस बारे में हमने बहुत सी मीटिग्ज कीं और तीन बार प्रधान मंत्री जी से मिले। उन्होंने इस विभाग के मिनिस्टर शंकरानन्द जी को कहा कि जब आपने पहले कह दिया तो अब मुकरने का क्या मतलब है। अब भारत सरकार ने कहा हे कि हम

800 मैगावाट के लिए गैस नहीं दे सकते हैं, हां, 400 मैगावाट के लिए गैस हम दे देंगे। एन० टी ० पी० सी० ने यह काम अपने हाथ में ले लिया हैं और उम्मीद करते हैं कि इसमें जल्दी ही काम भूत हो जाएगा।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर सर, मैं साथ ही यह भी रता देता हूं कि हमें यह गैस जगदीशपुर जो यू० पी ० में पड़ता है, से उपलबध होगी। हम रहो से गैस का कनैक्शन लेंगे।

**श्री अध्यक्षः** वीरेन्द्र सिह जी, जगदीशपुर कहां से कनैक्टिड है?

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** सर जगदीशपुर तक तो पाईप लाइन आयी हुई है, वहां से फरीदाबाद कनैक्ट होगा। ये गैस की चिंता न करें क्योंकि हमने 800 मैगावाट से 400 मैगावाट इसलिए ही किया है कि गैस की कुछ गड़बड़ है। यह लाइन हजीरा–बीजापुर जगदीशपुर गैस पाइप लाइन है। इस लाइन से ही फरीदाबाद क्नैक्ट होगा।

**श्री कर्ण सिंह दलालः** स्पीकर सर, मैं माननीय मत्री जी से जानना चाहता हूं कि पिछले दिनों इन्होंने पलवल में चांदल में बिजली का थर्मल प्लांट लगाने के बारे में कहा था और आज ये कह रहे ईं कि फरीदाबाद में गैस का प्लांट लगाने जा रहे है। ये जो काम हमारे जिले में कर रहे हैं, क्या इस प्लांट में हमारे जिले

के लोगों को प्राथमिकता के आधार पर नौकरियां दी जाएंगी, क्या ये इस पर विचार करेंगे?

**श्री अध्यक्षः** आपका प्रश्न मेन प्रश्न से रिलेटिड नही है।

**श्री कर्ण सिंह दलालः** सर, मेरे हल्के में भंडेरका खादर में पानी का लेवल नीचे है। जैसी रियायत इन्होंने महेन्द्रगढ़ जिले में बिजली की दरों में दी थी, क्या ऐसी ही रियायत हमारे इलाकों में भी दी जाएगी?

**श्री अध्यक्षः** आपका यह प्रश्न भी मूल प्रश्न से रिलेटिड नहीं है।

**साथी लहरी सिंहः** स्पीकर सर, मैं जानना चाहूंगा कि जटलाना के पावर हाउस को मंजूर किए हुए काफी साल हो गए हैं और उसके फंड का भी प्रोविजन किया हुआ है। तो मंत्री भी बताएं कि यह काम कब तक शुरू हो जाएगा? इसके अलावा, एक और कापर हाउस बेरयला है वह कब तक चालू हो आएगा? इसको भी इन्होंने मंजूर किया हुआ है। वे यमुनानगर और कुरुक्षेत्र दोंनों जिलों में ही पडते हैं।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** स्पीकर सर, जहा तक चटलाना के पावर हाउस का ताल्लुक है इस बारे मे मैंने कुछ और कहा था और लहरी सिंह ने अपने माप ही घुमा फिर। कर कुछ और बना लिया। मैंने यह कहा था कि इसके बारे में अभी प्रोपोजल है

लेकिन वह प्रोपोजल कब इम्पलीमैंट होगी, यह तो मैं नहीं बता सकता।

**श्री पीर चन्दः** अष्यक्ष महोदय, मेरे हस्के रतिया के गांव मेमडा में पावर हाउस की बिल्डिग बनी हुई है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि ये इस पावर हाउस को कर तक चालू करवाने की कृपा करेंगे? यह पावर हाउस चालू होना बहुत जरूरी है।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** मेमडा गांव का पावर हाउस तकरीबन कम्पलीट हो चुका है और और उस पर हम अगली कार्यवाही भी करने जा रहे हैं।

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, now questions list is over.

## ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचनाएं

**चौधरी ओम प्रकाश बैरीः** अध्यक्ष महोदय, मेरा एक कालिंग अटैशन मोशन है, उसका क्या बना?

**श्री अध्यक्षः** आपने यह मोशन आज सुबह ही दी है इसलिए अभी यह मोशन अंडर कंसीड्रेशन है।

**श्री कर्ण सिंह दलालः** अध्यक्ष महोदय, मैंने आपकी सेवा में एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया है। पलवल में एक आदमी की ऐड्स नामक भयंकर बीमारी से मृत्यु हुई है।

**श्री अध्यक्षः** यह आपने अभी 10 बज कर 8 मिनट पर दिया है, और अंडर कंसीड्रेशन है।

**श्री कर्ण सिंह दलालः** स्पीकर सर, एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव मैंने आपकी सेवा में परसों दिया था कि मेवात के इलाके में जोहड़ों में पीने का पानी नहीं है। मैं इस बारे में माननीय मंत्री जी से अलग से भी मिला था।

**श्री अध्यक्षः** यह गवर्नमैंट को कमैंट्स के लिए भेजा हुआ है।

**श्री कर्ण सिंह दलालः** स्पीकर सर, एक काल अटैंअन मोशन मैंने आपकी सेवा में यह दिया था कि धिराय हल्के से छतरपाल सिंह के समर्थकों को पुलिस ने पकडा है। अध्यक्ष महोदय, आज सारे हरियाणा के लोगो को यह पता चल चुका है कि हरियाणा सरकार छतरपाल के खिलाफ निजी हेष रखती है। (शोर एवं व्यवधान )

**सिचाई मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा):** स्पीकर सर, सारी रात ये अभी कह देंगे तो फिर उसका जवाब भी हमें पहले देना पडेगा।

**श्री अध्यक्षः** दलाल साहव, हमारे पास तो आपकी यह काम अटैन्शन मोशन है नही।

**श्री कर्ण सिंह दलालः** स्पीकर सर, मैंने आपकी सेवा में यह काल अटैशन मोशन ओम प्रकाश बेरी जी के साथ प्रस्तुत किया है।

**श्री अध्यक्षः** आपने यह आज दिया है जो अभी अंडर कसीड्रेशन है।

**श्री कर्ण सिंह दलालः** स्पीकर सर, एक विधायक के साथ सरकार ज्यादती कर रही है .....

**Mr. Speaker :** This may not be recorded. Please take your seat. (Intrruptions)

**चौधरी ओम प्रकाश बैरीः** अध्यक्ष महोदय, मैंने दो मोशनज दी हैं। एक एस० वाई० एल० के बारे में है और दूसरी यमुना वाटर एग्रीमेंट के बारे में है। कई दिन पहले मैंने यह आपकी सेवा में दिए थे। इनकी क्या पोजीशन है, अंडर कसीड्रेशन हैं या ऐडमिट ये है क्योंकि एस ० वाई ० एल० नहर का मामला हरियाणा के हितों से जुड़ा हुआ है। (विघ्न ) मेरी. एक काल अटैंशन मोशन और है कि मसानी बांध बना था, उसमे किसानों की जमीन ऐक्वायर की गई। उसका आज तक किसानों को मुआवजा नही दिया गया।

**श्री अध्यक्षः** यह हमारे अंडर कसीड्रेशन है। गवर्नमैट को कमैंट्स के लिए भेजा

**प्रो० छतरपाल सिंह के निलम्बन को रद्द करने तथा धिराय निर्वाचन क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी संबंधी मामला उठाना।**

**चौधरी ओम प्रकाश बैरी:** अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के प्रो० छतर पास काफी दिनों से निलंबित हैं। इस तरह की अखबारो में खबर छपी है कि धिराय हल्के की रिप्रेजेन्टेशन नही हो रही है। उनको बुला लीजिए। मैं मुख्यमंत्री जी से भी अनुरोध करूंगा कि इस पर वे भी विचार करें। (विध्न )

**श्री कर्ण सिंह दलाल:** .....

**श्री अध्यक्ष:** मेरी इजाजत के बगैर जो कुछ बोला गया है, उसे रिकार्ड न किया

**मुख्य मंत्री ( चौधरी भजन लाल):** अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अखबार का भी हवाला दिया और यह कहा कि छतरपाल के हल्के के लोगों के साथ सरकार ज्यादती क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी सम्बन्धी मामला उठाना कर रही है। साथ मैं यह भी कह दिया कि सरकार ऊपर के दबाव की वजह से कर रही है। (शोर एवं व्यवधान )

**श्री अघ्यक्ष:** बेरी साहब, बीच में न बोलिए।

**चौधरी भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, मैंने भी पेपर में सुबह पढ़ा तो मैंने एस ० पी० हिसार से पता किया कि धिराय का क्या वाक्या है। क्या छतर पाल के आदमियों को गिरफ्तार किया

गया है? उन्होने मुझे बताया कि पंचायत इलैक्शन के दिनों में दो गांवों का आपस में झगड़ा हो गया था। तो दूसरी पार्टी ने यह लिखकर दिया कि हमें इनसे जान का खतरा है, मारने की धमकियां हमें दी गई हैं। खेतों में जाने नहीं दिया जा रहा है तब पुलिस को दोनों गांवो के पांच पांच लोगों को अमन भंग होने की आशंका से धारा 107 व 151 के तहत गिरफतार करना पड़ा। अगर किसी गांव में कोई आपस में झगड़ा हो बदअमनी फैलने का पुलिस को खतरा हो। अगर कोई किसी गांव के हालात को खराब करने की कोशिश करे तो पुलिस का यह फर्ज बनता है कि ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन मे और उनको गिरफतार करें। सरकार का इससे कोई ताल्लुक नहीं है, पुलिस ने जो उचित कार्यवाही करनी थी वह की। ऐसा नहीं हैं कि ऊपर सरकार के इशारे से ऐसे किया गया है जैसाकि ये भाई समझ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय मैं आपको बताता हूं कि धिराये हल्के की ठेकेदारी अकेले छतरपाल सिंह के ऊपर नही है। धिराय हल्के से वे 2000 वोटों से बने हैं। उसमें मेरे आदमपुर हल्के के चार गांव थे। यह सारा एरिया उसके अन्दर आता था तो इसमें उनके अकेले की क्या बात है इस लिए मैं कहना चाहता हूं कि जब चौ ० देवीलाल ने 1992 में समस्त हरियाणा के लोगों को चण्डीगढ़ लाने की बात करी थी। लेकिन थोड़े से लोग आये थे तब भी भजन लाल की सरकार डरी नहीं तो ये क्या धिराय से डरेगी? चौधरी देवी. लाल जी ने सारे हरियाणा के लोगों को कहा कि हम भजन लाल का घेराव करेगे, असैम्बली का घेराव करेंगे। किसी को बोलने नहीं देंगे तो उस

वक्त भजन लाल न डरा तो अब घिराय से क्या डरेगा? ऐसी–ऐसी बातें यहां पर ये लोग करके बदअमनी फैलाते हैं, यह उचित नहीं है। (शोर)

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटैन्शन मोशन पानीपत थर्मल पाकर प्रोजेक्ट से सम्बधित था जिसकी वजह से वहां पर का फी प्रदूषण फैल गया है, बा टर लोगिग हो गई। मैं यह पूछना चाहता हूं कि उसका क्या फेट है?

**श्री अध्यक्षः** कादयान साहब, बैठिये, यह 23 तारीख के लिए एडमिटिड है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** ठीक है जी, धन्यवाद। इसके साथ–साथ मेरा एक और प्रस्ताव था। जैसे जनसता में यह छपा है कि विलय हल्के के गांवों की पूर्व पचांयत मैम्बर्ज के खिलाफ धारा 107 व 151 के झूठे मुकदमें बनाये गये और उन पर पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। ने छतरपाल के समर्थन में चण्डीगढ़ मे आ रहे थे लेकिन पुलिस ने उनको धमकाया भयभीत किया। (शोर)

**श्री अध्यक्षः** कादयान साहब बैठिये, यह अन्डर कंसिड्रेशन है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब, मेरी पूरी यात तो लोप सुनिये। वे लोग छतरपाल सिंह के समर्थन में नारे लगा रहे थे तो उन पर पूलिस ने .....

**श्री अध्यक्षः** कादयान साहब, आप बैठै। जो कुछ ये अब कह रहे है, वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर )

**चौधरी भजन लालः** अभी मैने इसका जवाब तो दे दिया है (शोर) झगडा तो कभी भी हो सकता ( शोर )

(इस समय बहुत से मैम्बर बोलने के लिये खड़े हो गये )

**श्री अध्यक्षः** आप सब बैठिये ( व्यवधान )

## 23 मार्च 1995 को सरकारी दिवस में बदलना /नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

**सिंचाई मन्त्री (चौधरी जगदीश नेहरा)** स्पीकर साहब, अगर ये इस तभ से बार–बार उठकर बोलने रहेगे तो हमें भी इनके जवाब में बोलना पडेगा (शोर)

**प्रो ० छतर सिंह चौहानः** स्पीकर सर, जब आप खडे है तो फिर पार्लियामैट्री अफेयर्ज मिनिस्टर क्यो बोलने के लिए बडे हो रहे हैं। (शोर ) ये बिना आज्ञा क्यो बोल रहे है? (शोर )

**चौधरी जगदीश नेहराः** स्पीकर मर, मैं आपसे अनुरोध करुंगा कि 23 तारीख यानि कल को जो नौन–आफिशियल–डे है, उसको आप आफिशियल डे में कंवर्ट का दे क्योंकि नौन–आफिशियल– डे के प्रस्ताव पर काफी पीछे से बहस हो रही है। इस पर लगातार बहस चल रही है। नौन–आाइ फशियल–डे

का जो सबजैक्ट था वह शिक्षा से संबन्धित था कि जाब ओरिऐटिड शिक्षा होनी चाहिए और नकल भी बन्द होनी चाहिये। इस पर का फी बहस हो चुकी है और दोनो तरफ मे हरेक पार्टी के मैम्बर साहेबान इम पर खुल कर बोल चुके है। इसलिए इस नौन– आफिशियल– डे को आफिशियल में कनवर्ट कर दें और मैम्बर्ज को डिमाडंज पर बोलने का काफी म मय मिल जाएगा। मैम्बर्ज अपने 2 हल्कों के बारे मे खुलकर कह सकेंगे। नौन–आफिशियल डे के प्रस्ताव के लिये सदन की दो तीन बैठकें हो चुकी हैं।

**श्री अध्यक्षः** फिर 24 तारीख के लिए आ पका प्रोग्राम क्या होगा 7

**चौधरी जगदीश नेहराः** स्पीकर साहब, ऐसा है कि इस दिन सभी मैम्बर्ज दलकर डिमाडंज पर बोल सकेंगे। जहां मैम्बर्ज को डिमांडज पर बोलने के लिये पहले एक दिन था, अब दो दिन का समय मिल जाएगा क्योंकि डिमांडज सबके लिए जरूरी चीज है जिस पर हरेक मैम्बर अपने अपने हल्के की समस्याओं पर बोलना चाहूंगा। अगर हमारे पास खुला समय होगा तो सभी मैम्बर्ज खुलकर अपने अपने हल्के की बातों को हाउस में कह सकेंगे। सभी पार्टियों के मैम्बर्ज डिमांडज पर बोलते हुए खुलकर कह सकेंगे क्योंकि हमारे पास दो दिन का समय होगा। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि कल का 23 तारीख का जो नौन–आफिशियल– डे है उसको कनवर्ट करके आफिशियल–डे

बना दिया जाए। इसमें किसी भी मैम्बर को कहि एतराज नहीं होगा और होना भी नहीं चाहिए।

**श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल):** स्पीकर साहब, मेरा आपसे अनुरोध है कि मैंने पिछले दिनों भी एक बात कही थी। कल केवल शिक्षा पर ही रैजोल्यूशन नहीं है बल्कि एक और रैजोल्यूशन भी मैंने दिया हुआ है जिसके साथ फरीदाबाद और गुड़गांव जिलों की जिन्दगी और मौत का सवाल जुड़ा हुआ है। यह कल के दिन को आफिशिग्ल डे में कनवर्ट करना चाहते हैं। दें प्रार्थना करूंगा कि जो मैंने आगरा नहर के बारे में प्रस्ताव दिया हुआ है, कल को उस पर बहस की जाए और उस प्रस्ताव को पास करके यू० पी० सरकार को कहा जाए कि आगरा नहर का नियन्त्रण हरियाणा सरकार को दिया जाए। इसके अलावा, उस नहर में जो पानी आ रहा है, उसमें हमारा हिस्सा बढ़ाया जाए। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता है तो हमारे इलाके के लोगों के जीवन में सुधार आएगा। हमारे इलाके के खेत सूखे पडे हैं। यह सरकार उस प्रस्ताव को (जान बूझकर नहीं लाना चाहती। क्योंकि अगर ये उस प्रस्ताव को लाएंगे तो इनकी पोल खुल जाएगी इसलिए मेरी आपसे फिर प्रार्थना है कि कल के दिन को आफिशियल–डे में बदलने से पहले मेरे प्रस्ताव को सदन पारित करे।

**प्रो ० छतर सिंह चौहान (मुंढाल खुर्द):** स्पीकर साहब, इस सरकार ने अप्रजातान्त्रिक रुख अपनाया हुआ है (शोर ) मेरी

आपसे गुजारिश है कि नान–आफिशियल–डे को कनवर्ट न किया जाए। सरकार ने ऐजूकेशन वाला प्रस्ताव जान बूझ कर तीन साल से लटका रखा है ताकि किसी और आदमी का रैजोल्यूशन न आ सके। जिस तरह से दलाल साहब ने एक प्रस्ताव दिया हुआ है, सरकार नहीं चाहती कि अपोजीशन के मैंबर का प्रस्ताव यहां पर आए। मैं समझता हूं कि जो ऐजुकेशन वाला प्रस्ताव है, इस पर सभी पार्टीज के सदस्य बोल चुके हैं लेकिन ये जान–बूझकर इसको लटर) रहे हैं। दलाल साहब इस प्रस्ताव पर बोल रहे थे और वे अपनी लैग्ज पर थे, जब हाउस ऐडजर्न हुआ था। अभी उन्होंने अपना भाषण समाप्त नहीं किया था। पहले वे आना भाषण समाप्त करेंगे. उसके बाद आप दूसरा रैजोल्यूशन टेकअप कर लें। तो मेरी गुजारिश है कि कल का दिन नौन आफिशियल ही रखा जाए ताकि वर्तमान रैजोल्यूशन के अन्तिम रूप दिया जाए। नेहरा साहब नहीं चाहते कि दूसरा रैजोल्यूशन आए। ये अपनी नीयत को साफ क्यों नहीं करते? (शोर ) मै तीन चार महीने इसको और लटकाना चाहते हैं।

**चौधरी ओम प्रकाश बेरी (बेरी):** अध्यक्ष महोदय, संसदीय कार्य मन्त्री ने जो प्रस्ताव रखा है कि नोन आफिशियल–डे को आफिशियल– डे में कनवर्ट कर दिया जाए, उसका आधार वे देते हैं कि दूसरे मैम्बर्ज अपनी कांस्टीच्यूएंसीज के बारे में बात कह लेंगे। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के बारे में तो बहुत बातें हो चुकी हैं इसलिए यह प्रस्ताव तो खत्म होना चाहिए और दूसरा प्रस्ताव जो

भाई कर्ण सिंह दलाल जी ने दिया हुआ है, उसको लाया जाना चाहिए। मैं इस बात से सहमत हूं कि दूसरे सदस्यों को भी बोलने का मौका मिले लेकिन उसके लिए सैशन का एक दिन और बढाया जा सकता है। इसलिए कल के दिन को नौन आफिशियल–डे ही रखा जाए और आगरा कैनाल के बारे में जो प्रस्ताव आया हुआ है, उस पर विस्तार से डिस्कशन की जाए।

**मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल ):** अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री जी ने कहा कि जो कल का नौन आफिशियल–डे है इसको आफिशियल–डे में बदला जाए क्योंकि इस प्रस्ताव पर काफी बहस हो चुकी है। काफी महानुभाव इस पर बोल चुके हैं इसलिए नेहरा साहब ने ठीक प्रस्ताव रखा है कि अब इस पर काफी बहस हो गई इसलिए कल का दिन आफिर्शियल–डे में बदल दिया जाए। आप जानते हैं कि यह बजट सैशन है और बाकी के सदस्य भी अपनी बात कह लें। लेकिन आप इनकी दिलचस्पी देखें। हरियाणा विकास पार्टी के सात मैंबर हैं और यहां तीन बैठे हैं। सामने वालों के कुल 17 मैंबर हैं और तीन बैठे हैं। इनको सैशन में दिलचस्पी इतनी है कि आज का क्वैशचन आवर 15 मिनट पहले ही खत्म हो गया। इसलिए मैरी प्रार्थना है कि जो रैजोल्यूशन विचारधिान है और सदन के सामने जिस माननीय सदस्य ने रखा था, या तो वे सदस्य प्रस्ताव को वापिस लें अगर वापिस नहीं लेते तो उस पर बहस जारी रहेगी, कायदा यही है। आगरा कैनाल का एक अहम मसला है। उस नहर का कन्ट्रोल आज से नही, जब से

यह नहर बनी है, तब से उसका कन्ट्रोल उत्तर प्रदेश के पास है। हरियाणा प्रदेश में चौधरी देवी लाल जी मुख्य मन्त्री रह लिए, चौधरी बंसी लाल भी दो बार क्य मन्त्री रह लिए, ओम प्रकाश चौटाला भी रह लिए और ज्वायंट पंजाब के वक्त में भी बहुत सारे आदमी मुख्य मन्त्री रह लिए।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** मुख्य मन्त्री तो आप भी रह लिए।

**चौधरी भजन लालः** मैं भी कहता हूं कि मैं भी इस प्रदेश का मुख्य मन्त्री रह लिया, मैं कब इन्कार करता हूं। भजन लाल भी इस प्रदेश का मुख्य मन्त्री रह लिया, मैं इस बात से इन्कार नहीं करना। हमने पूरी कोशिश की है लेकिन आप जानते हैं कि किरी चोज का कट्रोंल किसी स्टेट के हाथ में हो तो वह वापिस होना वहुत कठिन होता है। जितनी कोशिश आज की सरकार ने उस आगरा कैनाल के कन्ट्रोल को अपने हाथ में लेने के बारे में की है, उतनी कोशिश किसी भी सरकार ने नहीं की। हमारी पूरी कोशिश है कि उसका कंट्रोल हमारे हाथ में हो या उसका पूरा कंट्रोल भारत सरकार के हाथ में हो ताकि उसमें जो हरियाणा प्रदेश के हिस्से का पानी है उसमें कोई ज्यादती न हो। इसलिए इसमें कोई प्रस्ताव पास करने की बात नहीं है, इसमें तो कोशिश करने की बात है। अगर हम वह प्रस्ताव पास भो कर देगे तो यू ० पी ० की असैम्बली चल रही है, वह कह देंगे कि उसमें

हरियाणा का हक नहीं है, मारा पानी हमें चाहिए। लेकिन ऐसी बात नहीं है। हम इस बारे में पूरी कोशिश कर रहे है।

**श्री कर्ण सिंह दलालः** स्पीकर साहब, आगरा कैनाल हमारे जिले के लिए जीवन और मौत का सवाल है। मुख्य मन्त्री जी गलत बयानी कर रहे हैं। यदि उसका कंट्रोल ये अपने हाथ में लेते हैं तो इस सरकार को पैसा देना पडेगा इस लिए ये उसका कंट्रोल अपने हाथ में नहीं लेना चाहते। (शोर )

**श्री अध्यक्षः** दलाल साहब, आप बैठिए। (शोर ) अब मिनिस्टर साहब रूल 30 के तहत मोशन मूव रेगे।

**वाक आउट**

**श्री कर्ण सिंह दलालः** यदि आप हमे आगरा कैनाल के बारे बोलने नहीं देना चाहते तो हम एज ऐ प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय हविपा के सभी माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल, श्री राम भजन अग्रवाल और प्रो ० छतर सिंह चौहान सदन से वाक आउट कर गए। )

**चौधरी ओम प्रकाश बैरीः** स्पीकर साहब, माननीय सदस्य दलाल साहब की सात बहुत अहम है। आप उनको बोलने का समय नहीं दे रह इसलिए मैं भी सदन से वाक आउट करता हूं।

(इस समय माननीय सदस्य श्री ओम प्रकाश बेरी सदन से वाक आउट कर गए। )

## नियम 30 के अधीन प्रस्ताव ( पुनरारम्भ )

**Mr. Speaker :** Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

**Irrigation Minister** (Ch. Jagdish Nehra) : Sir, I beg to move—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government

business be transacted on Thursday, the 23rd March, 1995 Sir, I also beg to move-

That on 23rd March the official business shall be transacted and discussion on Demands for Grants on the Budget Estimates will take place Mr. Speaker : Motion moved—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 23rd March, 1995

AND

That on 23rd March the official business shall be trans acted and discussion on Demands for Grants on the

Budget Estimates will take place

**Mr. Speaker :** Question is—

That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 23rd March, 1995

AND

That on 23rd March the official business shall be transacted and discussion on Demands for Grants on the Budget Estimates will take place

The motion was carried

## प्रो ० छतरपाल सिंह के निलम्बन को रद्द करने तथा धिराय निर्वाचन क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी संबंधी मामला उठाना (पुनरारम्भ )

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** स्पीकर साहब, आपके द्वारा सदन के नेता से गुजारिश करना चाहता हूं कि धिराय हल्के में छतरपाल सिंह के साथियों के साथ जो कुछ हुआ है.....

**श्री अध्यक्षः** आप तो दूसरी बात पर बोल ने हैं यह ठीक नहीं है। आप उसी विषय पर बोल सकते हैं जो चल रहा है नहीं तो आप बैठ जाइए। (शोर एवं व्यवधान)

**वाक आउट**

**आवाजें:** स्पीकर साहब, अगर आप हमारी बात मानने के लिए तैयार नहीं तो हम ऐज ए प्रौटैस्ट सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित विकास पार्टी के सभी सदस्य तथा अप–अटैच्ड मैम्बर श्री ओम प्रकाश बेरी सदन से वाक–आउट कर गए। )

## वर्ष 1995– 96 के बजट पर सामान्य चर्चा ( पुनरारम्भ )

**Mr Speaker :** Hon'ble Members, now general discussion on Budget for the year 1995-96 will resume. Sh. Ramesh Kumar may speak now

**श्री रमेश कुमार ( बड़ौदा–अनुसूचित जाति)** अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। अध्यक्ष महोदय 13 तारीख को वित्त मंत्री श्री मांगे राम गुप्ता जी ने जो बजट पेश किया है, उसमें हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड किया गया है। हरियाणा की जनता अच्छी तरह से जानती है कि इस बजट में उनके के लिए क्या–क्या किया है गया। ( इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने अपने काले कारनामों के रूप में यह बजट–कापी सदन में रखी बै। इसमें स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जिक्र किया गया है कि हमारे यहां पर स्वास्थ्य सेवा केन्द्र 24 घंटे खुले रहते हैं। इस संबंध में मैं अपने गोहाना के अन्दर जो अस्पताल है

उसके बारे में अखबार में जो लिखा गया है पढ़ कर सुनाता हूं अखबार में लिखा है

''अस्पताल की शल्य चिकित्सा मात्र औपचारिकता बन कर रह गई है। शल्य चिकित्सा की आवश्यकता पड़ने पर मरीज को मैडिकल कालेज अस्पताल, रोहतक भेजने की सिफारिश करना भी एक नियम बन गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार केन्द्र में इस विधि के लिए प्रयुक्त उपकरणों मे कई दोष है। पहले यहां शल्य चिकित्सा के बाद कुछ मरीजों ने एलर्जी होने की शिकायत की थी। इस केन्द्र के वर्तमान शल्य चिकित्सक तथा बाल रोग विशेषज्ञ डाक्टर नौकरी छोड़ कर निजी अस्पताल खोल कर बैठ गए है। आज इस केन्द्र में इन डाक्टरों के अलावा महिला चिकित्सक का अभाव भी मरीजों को खटकता है–

स्वयं बीमार पड़े गोहाना के सामुदायक स्वास्थ्य केन्द्रों में सफाई की समुचित व्यवस्था नही है। वार्डो में दवाइयों तथा मैल की सड़ांध आती रहती है। वार्डो में प्रकाश व्यवस्था का भी जनाजा निकल चुका है।'' उपाध्यक्ष महोदय, इस अखबार में आगे लिखा हैं

'गोहाना उपमण्डल में बुटाना तथा मुण्डलाना के प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों का भी आम आदमी को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। मुण्डलाना में अंग्रेजी शासन के समय से संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का दर्जा बढ़ने के स्थान पर

घटाए जाने के समाचारों से ग्रामीण वेहद क्षुब्ध हैं। चर्चा है कि इस केन्द्र को डिस्पैसरी में परिवर्तित किया जा रहा है।''

उपाध्यक्ष महोदय, मुअंडलाना के इस स्वास्थ्य केन्द्र में तीन पदों के प्रावधानों के बाद भी एम ०बी ०बी ०एस० डाक्टर न हीं हैं। दुख की बात हैं कि डाक्टरों के ये पद पिछले 65 वर्षो से रिक्त पडे है। अस्पताल मे एक फामासिस्ट ही डाक्टरों की जिम्मेदारी वहन कर रहा है।

**स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देबी):** उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य यह कह कर सदन को गुमराह कर रहे हे कि पी ०एच०सी० मुडलाना का दर्जा घटाया जा रहा हैं। शायद इनको पूरी जानकारी नही है। इसलिए मैं इनको बताना चाहूंगी कि हरियाणा मैं अब गांवों से डिस्पैरियो का दर्जा खत्म कर दिया गया है अब जो डिस्पैसरिया है वह केवल बड़े आबादी वाले शहरों में ही है। इस पी ०च०सी ० के लिए 1987 में टैंडर मंगवाए गए थे, 4 साल इनकी सरकार रही लेकिन इन्होने वहां पर कोई काम नही करवाया। ठेकेदार काम छोड़ कर भाग गया। जब हमारी सरकार वापिस आई तो फिर से इस का काम चालू हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि जिस डॉक्टर की प्रेक्टिस चल जाती है वह नौकरी छोड्कर अपना क्लीनिक खो ल लेता हैं। मैंने पहले भी बताया कि पी ० एच ० सी ० तथा सी ० एच०सी ० में डाक्टरों के लिए दोनों प्रकार से भर्ती वो जा रही है। पब्लिक सर्विस कमीशन के द्वारा भी भर्ती चल

रही है और जब तक रैगुलर डाक्टर न आप तब तक एड–हाक भर्ती करके वहां पर डाक्टरों को लगाया जाता है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** डिप्टी स्पीकर साहब, मैं प्यांयट आफ आर्डर पर खडा हुआ हु। मैं माननीय मन्त्री महोदया को बताना चाहूंगा कि 1987 मे उस काम का ठेका हमारी सरकार ने किसी ठेकेदार को नहीं दिया। जो काम उस प्रगतिशील सरकार ने करवाए वे सब कायदे कानून के मुताबिक ही करवाए थे। (विघ्न ) हमारी पार्टी की सरकार ने कमीं भी इन प्रकार के किसी ठेकेदार कौ ऐसा ठेका नही दिया था।

**श्री रमेश कुमारः** उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री महोदय। मैं बताया कि मैम्बर हाउस को गुमराह कर रहा है। मैं मन्त्री महोदया को कहना चाहता हूं कि सदन को मैं गुमराह नही कर रहा हूं बल्कि मन्त्री महोदया गुमराह कर रही हैं। यह अखबार में छपा है। लोगों मे ये कब तक भागते रहेंगे, ये लोग पब्लिक के सामने जाने से घबराते हैं। इस सरकार के मैम्बरों और मन्त्रियों को लोग गांवों में घुसने नहीं देते है ( विघ्न) ये लोग झूठे वायदे करते हैं जिसकी वजह से ले। इनको पसन्द नही करते हैं और गांवो में घुसने नही देते। स्वास्थ्य विभाग का हाल यह है कि अस्पतालों में दवाईयां नहीं मिलती जो दवाईया अस्पतालो में जाती हैं वे आम लोगों को नहीं मिलती बल्कि बड़े लोगो को दी जाती है। लोग इस सरकार से हर तरह मे परेशान है। कई बिल्डिगें गिरने वाली हैं लेकिन इन बिल्डिगों की तरफ सरकार की ओर से

कोई ध्यान नही दिया जा रहा है और न ही ऐसी बिल्डिगों की कोई देखभाल ही की जाती है। डिप्टी स्पीकर साहब, पी०एच०सी ० मदीना में स्टाफ नही है ओंर न ही वहां पर लोगो को कोई दवाई मिलती है। इस प्रकार स्वास्थ्य विभाग लोगों का क्या कल्याण करेगा। मुख्य मन्त्री जी कहते है कि लोगों को राहत दे जाती, हैं, लेना–देना कुछ नही। जो दवाईयां मिलती हैं वे भी नकली होती है। गेहूं की दवाईयां फलों पूर छिड़कने वाली दवाईयों में मिलावट होती है। सारे हरियाणा के अन्दर हाहाकार मचा हुआ है (विम ) उपाध्यक्ष महोदय, इसी 'प्रकार से यह सरकार कहती है कि हरियाण'। के हर गांव को पानी की सप्लाई की जाती है और सफाई भी की जाती है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के लोगों को अच्छी तरह से पता है कि उनको कितना पानी दिया जाता है आज सारे हरियाणा के अन्दर हाहाकार मचा हुआ है, मनुष्यों के पीने के लिए पानी नहीं, पशुओं के पीने के लिए पानी नही। पानी आएगा कहा से क्योंकि गांवों में बिजली ही नहीं दी जाती। अगर बिजली नही आएगी तो पा नी कहां से और कैसे आएगा। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी कहते है कि बिजली दी जा रही है लेकिन बिजली लोगों को मिलती ही नही है। जब बिजली आएगी तभी वाटर वर्क्स में पानी आएगा। ये सब पूरे बिल बना कर यहां पर बजट पेश कर दिया। यह बजट केवल लोगो को दिखाने के लिय हे इसमें कोई राहत नही दी गई। यह सरकार लोगों से झूठे वायदे कर रही है। इसी प्रकार इन्होंने बजट के आखिर में दिखा दिया कि हमने 2723 गांवों में पानी की स्थिति

बहुत अच्छी. की है उपाध्यक्ष महोदय, ये झुठे वायदे करते है। मेरे हल्के के राणाखेरी, मातन और बनवासा गांव हैं, वहां पर एक बूंद भी पानी नहीं गया है। पानी तो देवी लाल जी की सरकार के टाईम गे सारे हरियाणा मे आता था ( विध्न) यह सब तो हरियाणा के लोगों कों पता है। हर घर में लोग रात को सोते समय अपनी टूटियां खोल कर सो जाते थे और जब वे सूबह उठते थे तो उनकी खाट के नीचे तक पानी आया होता था। आज इस सरकार के राज में न तो बिजली है और न ही पानी है। मुख्य मंत्री जी ने तो हाउस में कहा था कि एक लीटर से पांच पड़े पानी के भरते है। इस प्रकार से बातें करके ये हाऊस को गुमराह करते हैं। अगर हाऊस का नेता ही ऐसी बातें करेगा तो कैसे काम चलेगा। एक लीटर में तो एक घड़ा भी नही भरता है। (विघ्न )

**श्री कर्ण सिंह दलालः** उपाध्यक्ष महोदय, हमें अभी एक कार्ड मिला है और यह सदन के सभी महानुभावों को भी मिला होगा। यहां पर हरियाणा सरकार ने बजट के नाम पर झूठ के पुलन्दे पेश किए हैं और फिर वित्तमंत्री जी यह गानों का प्रोग्राम कर रहे हैं। आज हरियाणा की जनता बजट पर रो रही है और ये गाने गवा रहे हैं। ये ऐसा क्यों कर रहे हैं? उपाध्यक्ष' महोदय, लोगों ने यह पैसा मेहनत करके कमाया है और ये उसको डुबो रहे है। मेहरबानो करके आप ऐसा न करें।

**सिचाई मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा):** उपाध्यक्ष महोदय, इस कार्ड में गजल का प्रोग्राम है और वह बहुत की खुशी की बात

हैं। मुझे बहुत अफसोस है कि गवर्नर सा हब ने जो डिनर दिया था न ये उसमें आए, न मुख्यमंत्री जी ने जो डिनर दिया उसमें आए हैं। यह तो पार्लियामैंट का सिस्टम मैश और इसमें सबको आना चाहिए। इनका तो किरदार ही ऐसा है कि ये किसी भी फंक्शन में नहीं आए हैं। ये तो सिर्फ रोने में ही शामिल हो सकते हैं जौ कि इस सरकार को पसन्द ही नहीं है। अपोजिशन की तो नैगैटिव एप्रोच है। ये तो कहीं पर ही नहीं जाते। अब वितमन्त्री जो ने इन्वीटेशन दिया है तो ये रो रहे हैं। हम तो रनको रोने में इन्वाईट नहीं कर सकते है, हम तो खुशी में बुला रहे हैं। ये तो सदन का एक हिस्सा है। इनको हमारे साथ ज्वायन करना चाहिए और इसमें नुक्ताचीनी की कोई बात नहीं है। (शोर )

**श्री उपाध्यक्षः** कर्ण सिंह जी, आप का प्रोटैस्ट गजल के विरोध में है।

**श्री कर्म सिंह दलालः** उपाध्यक्ष महोदय, यह जो बजट पेश किया गया है उस पर सारा हरियाणा, इसकी जनता रो रही है क्योकि इन्होंने कोई ऐसी बात नहीं की है जिससे हरियाणा का फायदा हो। मैं तो यह कहूंगा कि हरियाणा सरकार ऐसे बचें करने से बाज आए।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** उपाध्यक्ष महोदय, यह बड़ी ही खुशी की बात है कि मांगेराम जी गुप्ता ने गायिका बुलाई है।

इन्होंने बजट में जो मंगलसूत्र और सिन्दूर पर छूट दी है, कहीं गुप्ता जी उसको अमलीजामा तो नहीं देने जा रहें हैं?

**वित मंत्री (श्री मांगेराम गुप्ता):** डिप्टी स्पीकर सर, यह प्रथा आज से नहीं बल्कि जय भी हाउस चलता है, तभी से यह रिवायत है कि विधान सभा के माननीय सदस्य ऐसे भोजन पर जाते हैं। मुख्यमंत्री की तरफ से, राज्यपाल महोदय की तरफ या दूसरे मंत्रियो की तरफ से ऐसे भोज दिए जाते रहते है। जिस दिन वजट पास होता है। उस दिन विल मंत्री भोजन की व्यवस्था करते है। मेरे इन साथियों ने कह दिया कि अगर मुख्यमंत्री के यहां कोई खाना होगा तो हम उसमें नहीं आएंगे। इन्होंने कह दिया कि खाना तो हम रोज ही खाते हैं। अगर. इस खाने का कोई टेस्ट बदलो तब तो हम जरूर आएंगे। हमने कहा कि हम तो खाना ही दे सकते हैं और दूसरी तरह के खाने की तो हमारे बस की बात नहीं है। (विध्न) चौहान साहब, अभी यहां बैठे हैं। जब हम आए थे तो हमारे साथी ओम प्रकाश बेरी ने जो कि अब चले गये हैं, खुद यह बात मानी थी और हमसे यह रिक्वैस्ट की कि आप इस खाने का टैस्ट बदलो। हमने उनसे कहा कि हम आपके लिए कुछे गाना या मनोरंजन कर देंगे, तब उन्होंने कहा कि फिर तो हम इसमें शामिल होंगे हुमने तो उनकी सहमति से इनकी राय से ही ऐसा किया है। बेरी साहब ने भी वायदा किया है और एक कंडीशन लगा रखी है कि जब आप अपनी बजट स्पीच खत्म करेगे तो उस बात को पूरा करेंगे। डिप्टी स्पीकर सर, अब इनकी मर्जी

है कि ये इसमें आएं या न आएं लेकिन इनको इसका विरोध नहीं करना चाहिए।

**श्री उपाध्यक्षः** चौहान साहब, गुप्ता जी की तरफ से यह एक पुरकशिश दावत है।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** डिप्टी स्पीकर सर, नेहरा साहब ने हमारे ऊपर एक आरोप लगाया, इसलिए मैं अपनी पार्टी की तरफ से उसका जबाव इनको दे दू। मैं नेहरा साहब को बताना चाहता हूं कि उन्होंने हमारी पार्टी के ऊपर जो यह आरोप लगाया है कि जब महामहिम गवर्नर साहब, भोजन की व्यवस्था करते हैं तो इम नही जाते उपाध्यक्ष महोदय, इनका यह आरोप निराधार है। या तो इनकी आखे नहीं है या फिर ये वहां पर नहीं जाते हैं। हमारे। पार्टी के लोग हमेशा गवर्नर साहव द्वारा दिए गए खाने पर जाते है लेकिन यह अलग बात है कि हम मुख्यमंत्री या किसी मंत्री के दारा दिए गए खाने पर, जो हरियाणा के लोगों की कीमत पर दिया जाता है, नहीं जाते और उसका बहिष्कार करते हैं। हम यह सौचते हैं कि यह सरकार भ्रष्टाचार का एक अड्डा है। लेकिन हम राज्यपाल महोदय के भोजन पर हमेशा गए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनसे कहूंगा कि इनको अपने यह शव्द वापिस लेने चाहिएं।

**चौधरी जगदीश नेहराः** उपाध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट्री सिस्टम के तहत ही गवर्नर साहब, मुख्यमंत्री जी फाईनैस मिनिस्टर या संसदीय कार्य मंत्री ओफिशियली या प्राईवेट डिनर देते है।

पार्लियामैन्ट में भी जब यह होता है तो वहां भी अपोजिशन के भाई जाते है। इसी संदमे में और उसी परम्परा के आधार पर यहां भी खाना दिया गया। 15 दिन के हाऊस में केवल चार पांच बार ही खाना दिया गया, कोई ज्यादा खाना नहीं दिया गया। इस पर भी इनको दिक्कत आ रही है कि सरकार ज्यादा खर्च कर रही है, ज्यादा बजट इसमें है और यह सरकार भ्रष्टाचारी है। क्या खाने में भी आपको भ्रष्टाचार नजर आता है? आप तो बिल्कुल पाक–साफ हो देवता हैं। आप अपने गिरेबान में झांकिए। आपको कम से कम स्टैंडर्ड की तो बात करनी चाहिए। सभा में वही बोलना चाहिए? जो सभा के अनुरूप हो। ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए जो सभा के अनुरूप न हो। इनका यह कहना गलत है कि यह भष्टाचार है, ये खा रहे हैं वह खा रदेभ हैं। अगर इन को खाना खाने के लिए बुलाते हैं, हंसी खुशी पर बूलाते हैं तो यह आते नही हैं। तो फिर हम इनको अपने किसी रिश्तेदार के मरने पर रोने के लिए कार्ड दे देंगे। तब तो इनको आना चाहिए क्योंकि खाने के लिए तो ये आ नहीं सकते। कम से कम आपको अपनी बात सोचकर कहनी चाहिए।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** तब हम जरूर आएंगें। लेकिन यह तो मंगलसूत्र और सिन्दूर के लिए खाना हो रहा है।

**श्री रमेश कुमारः** उपाध्यक्ष महोदय, मैं पानी के बारे में कह रहा था। आज सभी गांवों में लोगों को पानी नहीं मिलता।

इसी प्रकार से वजट में दर्शाया गया है कमजोर वर्गो के कल्याण के लिए सरकार काफी कार्य कर रही है।

**11.00 बजे**

उपाध्यक्ष महोदय, जितना नाश इस सरकार ने हरिजनों और पिछडे वर्गो का किया है, आज तक किसी के राज्य में ऐसा दुर्व्यवहार हरिजनों के साथ नहीं किया गया। बजट में दिखाया गया है कि वर्ष 1995– 96 के दौरान मकान बनाने के लिए 95 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है और 1995– 96 मे अनुसूचित जातियों की बस्तियों के सुधार के लिए 80 लाख रुपये खर्च करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। उपाध्यक्ष महोदय, पीछे जो फ्लड आ या था उसमें मेरे हल्के के मुड त्राण, बूटाना, रिढाना, बढुवासा और जागसी गांवों में जितने भे। हरिजनों और अन्य दूसरी जातियों के मकान थे, वे गिर गए। उन लोगों ने इस सरकार से मुआवजे की मांग की लेकिन एक नया पैसा भी उनको इस सरकार ने मदद के रूप में नहीं दिया और बजट में दर्शा दिया है कि इतना पैसा हरिजनों के कल्याण के लिए खर्च करेंगे। इन्होंने इस सरकार को खुश करने के लिए फर्जी बजट बनाकर मुख्यमंत्री जी के सामने रख दिया (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मैं शुरू हुआ हूं मेरा बीच का टाईम तो दूसरे मैम्बर साहिबान ने ले लिया इसी प्रकार से इस बजट में यह भी दिया है कि 1994 तक अनुसूचित जातियों के 21,214 परिवारों को वित्तीय सहायता दी गई है। जागसी गांव के 15–20 हरिजन भाइयों के साथ वहां

के कोआपरेटिव बैक के कर्मचारियों ने ऐसा धोखा किया कि उनके झूठे अंगूठे दिखाकर उनके झूठे दस्तखत कराकर उनके नाम से उस बैंक से लाखों रुपये हजम कर लिए और अब उन लोगों के नाम पर रसीदें आ रही हैं कि आप लोगों ने 10– 10 हजार रुपये लिए थे। यह सरकार हरिजनों के साथ ऐसा खिलवाड कर रही है, अगर ऐस। न हो तो हाउस के लीडर इंक्वायरी करा लें। पीछे बड़ौदा में भी ऐसा हुआ था कि लोगों के नाम से रुपये निकलवा लिए और लाखों रुपये हजम कर लिए। आप चाहें तो हमारे बाल्मीकि भाईयों से रविदास भाईयों से व अन्य भाईयों से इंक्वायरी कर लें। उन लोगों के साथ दुर्व्यहार किया जाता है और उन्हें धमकी दी जा रही है कि आप लोगों ने आवाज उठाई तो हम आपको परेशान करेगे। तो मेरा कहना यह है कि बजट में हरिजनों के कल्याण करने बारे सिर्फ आकड़े दिखाऐ जाते है। उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से इस सरकार ने कहा कि हमारी सरकार भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण करती है। उन लोगों ने अपनी सारी जिन्दगी, अपना खून पसीना देश हित के लिए कुर्बान कर दिया। वे लोग दिन रात मेहनत करके लोगों की रखवाली करते थे और मरने कटने के लिए 24 घटै तैयार रहा करते थे। उन लोगों के साथ आज क्या सुलूक किया जाता है, उन भूतपूर्व सेनिकों को लताड़ा जाता है। गोहाना में एक प्रदर्शन किया था। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे पास दैनिक जागरण अखबार की कटिंग है, जिसमें पूर्व सनिकों ने राज्य सैनिक बोर्ड के सचिव श्री पृथी सिंह की बर्खास्तगी की मांग की है। गोहाना के अन्दर मंगलवार को

हरियाणा के पूर्व सैनिक लोगों के सैकड़ों सदस्यो ने सचिव पृथी सिंह का पुतला जलाया और उनके विरुद्ध रोहतक मंडल के आयुक्त ए० डी ० मनिक को एक ज्ञापन भी दिया। इस सचिव पृथी सिंह ने इन पूर्व सैनिकों के साथ बड़ा ही दुर्व्यवहार किया। ये सैनिक 1988 से मन्जूर गोहाना के सैनिक विश्राम गृह की निर्माण योजना को ठंडे दस्ते में डाले जाने का विरोध कर रहे थे। सैनिकों ने अपने ज्ञापन में यह आरोप भी लगाया है कि ये सचिव पृथी सिंह विश्राम गृह की मंजूरी तथा भूमि की खरीद के सात वर्ष बाद भी भूखंड का नक्शा व एस्टीमेट नही बनवा पाए। जबकि अटैली, हिसार व रोहतक के सैनिक विश्राम गृह पहले ही मन्जूर हो चुके हैं। यहां के विश्राम गृहों का निर्माण हो चुका है लेकिन गोहाना के विश्राम गृह का कुछ पता नहीं है। इस विश्राम गृह के साथ–साथ लीग के अध्यक्ष ने गौहाना के अन्दर एक सी ० एस० डी ० कैंटीन भी खोलने को मांग की है। आयुक्त महोदय ने पूर्व सनिकों को यह आश्वासन दिया है कि वे उनकी मांगों को लेकर सरकार से संपर्क करेंगे और उन्होने साथ में यह भी कहा है कि सैनिक बोर्ड के अधिकारियों को प्रस्तावित सैनिक विश्राम गृह के लिए जो भूमि है, वह बेचने नहीं दी जाएगी। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि गोहाना के अन्दर सैनिको के लिए विश्राम गृह व एक सी० एस० डी० कंटीन बनाएं ताकि सैनिको को कुछ राहत मिल सके।

इसके साथ–साथ मैं कर्मचारियों के बारे में भी कुछ कहूंगा। सरकार ने जो सरकारी कर्मचारियों को रियायतें दी हैं, वह किस काम की दी हैं। आप परिवहन विभाग को ही ले लीजिएगा। इसमें कई–कई महीनों तक ओवर टाइम तथा टी. ए., डी. ए. किसी को नहीं मिलता है जिसके कारण से कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अगर इन लोगों को समय पर यह सब कुछ न मिलेगा तो वे किस तरह से अपने बाल बच्चों का पालन पोषण कर सकेंगे। दूसरे हमारे रोडवेज के कर्मचारियों को पंजाब के वेतनमान सर कार नहीं दे रही है इनमें काफी असमानता हैं। वे बेचारे रातों को बाहर जा जा कर नौकरी करते हैं अपनी जान पर खेल कर वह नौकरी करते हैं और उनको अपनी जान का खतरा रहता है। आपको डिप्टी स्पीकर साहब, पता होगा कि पीछे एक कंडक्टर ड्यूटी पर मारा गया था जिसने लोगों को बचाने के लिए खुद गोली खाई। ऐसे लोगों के लिए सरकार के पास कुछ न कुछ इंसैटिव देने के लिए तो जरूर होना चाहिए ताकि वे निडर होकर नौकरी कर सकें। उनको पता हो किं अगर मुझे कुछ हो गया तो बाद में सरकार मेरे बाल बच्चों के लिए कुछ न कुछ तो अवश्य करेगी। इस ओर सरकार को ध्यान देना चाहिए। (घंटी )

इससे आगे मैं पुलिस विभाग के बारे में भी मैं कुछ कहा चाहूंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता होगा कि करनाल के अन्दर एक बार आल इंडिया मीट हुई थी। उसके अन्दर

मुख्यमत्री महोदय भी गए थे और उन्होंने कहा था कि पुलिस कर्मचारियों के लिए ऐक्सप्रैस बस सर्विस की सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। आर्डिनरी बसें तो चलती नहीं हैं और परिवहन वाले उनको एक्सप्रैस बसों में सफर नहीं करने देते। इस तरह से करके यह सरकार कर्मचारियों को आपस में लड़ा रही है। इसलिए मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि अगर मुख्यमन्त्री महोदय वहां इस तरह की घोषणा करके आये हैं तो पुलिस कर्मचारियों के साथ फिर परिवहन विभाग क्यों ऐसा व्यवहार कर रहा है। सरकार इस ओर ध्यान दे और पुलिस कर्मचारियों को ऐक्सप्रैस बसों में सफर करने की इजाजत दे। पुलिस कर्मचारियों के लिए सरकार को यह सुविधा देनी चाहिए। (घंटी)

इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, मैं राज्य लाटरी के बारे में भी कुछ कहना चाहता हूं। बेचारा रिक्शा वाला सारा दिन अपनी मेहनत करके 50–60 रुपये रोजाना के कमाता है और वह दस बीस रुपये लाटरी पर खर्च कर देता है। ऐसे लोगों के परिवार में किसी के पांच मैंबर होते हैं और किसी के सात होते हैं। तो लाटरी की वजह से उन लोगों का खर्चा पूरा नहीं होता। अगर वे लोग अपना पैसा लाटरी में लगा देंगे तो घर का चची कैसे चलेगा? पिछले दिनों इसी लाटरी की वजह से बहुत मे लोग मृत्यु की नींद सो गए। इसलिए हरियाणा सरकार इस पर गौरे करे और इसे पूर्ण रूप से बन्द करे ताकि गरीब लोगों की जिन्दगी में सुधार आ सके। इसी प्रकार बिजली के बारे में कहना चाहता हूं।

(घंटी) बिजली के बारे में आज पूरे प्रदेश में हाहाकार मची हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको पीछे की तरफ ले जाता हूं। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी, चौधरी देवी लाल की सरकार में बिजली मन्त्री हुआ करते थे और आज इस सरकार में भी यह आदमी बिजली मन्त्री बन कर बैठा हुआ है। चौधरी देवी लाल के राज में तो लोगों को 24 घंटे बिजली मिलती थी और यही मन्त्री जी दिया करते थे, तो वह कहां से आती थी। लेकिन आज इस सरकार का वही आदमी कहता है कि हमारे पास लोगों को बिजली देने के लिए कोई साधन नही है। ये कहते हैं कि हमारे पास पैसे उपलब्ध नहीं हैं। तो उपाध्यक्ष महोदय, इस वजह से लोगों में हाहाकार मची हुई है। (घंटी )

**श्री उपाध्यक्षः** रमेश कुमार जी, आपका टाईम हो गया है। आप बैठें। अगर अब आप कोई बात कहेगे तो वह रिकार्ड नही की जाएगी। कृपया बैठिए।

**श्री रमेश कुमारः**.....

**श्री उपाध्यक्षः** रमेश कुमार जी, आपकी कोई बात रिकार्ड पर नही आ रही है। इसलिए आप सदन का समय नष्ट न करें। अब श्री चन्द्र मोहन जी बोलेंगे। आप बैठिए।

**श्री रमेश कुमारः** .....

प्रो ० छतर सिंह चौहानः उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि स्पीकर साहब ने मुझे आश्वासन दिया था कि रमेश जो के बाद आप बोलेंगे।

**श्री उपाध्यक्षः** नहीं, अब तो चेयर पर मैं हूं। पहले श्री चन्द्र मोहन बोलरों।

प्रो० छतर सिंह चौहानः उपाध्यक्ष महोदय, स्पीकर साहब ने मुझे बोलने के लिए कहा था। मेरी आपसे गुजारिश है कि पहले मुझे बोलने दिया जाए।

**श्री उपाध्यक्षः** छतर सिंह जी, मैंने आपको बताया है कि अभी तो मैं चेयर पर हूं। पहले चन्द्र मोहन जी बोलेंगे, उसके बाद आप बोलेगे।

**श्री चन्द्र मोहन (कालका ):** माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मन्त्री जी ने जो बजट पेश किया है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरे से पूर्व मेरे साथियों और दूसरे माननीय सदस्यों ने बजट के बारे में अपने–अपने विचार व्यक्त किए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं, हमारे माननीय वित्त मन्त्री श्री मांगेराम गुप्ता जी को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि उन्होंने एक ऐसा बजट पेश किया है जिसमें हर वर्ग को राहत देने की घोषणा की गई है। लगातार चौथी बार आज इन्होने इस सदन में बजट पेश किया है। आज इस हरियाणा प्रदेश का हर नौजवान और सारी जनता इस बजट की वाह वाह कर रही है तथा सरकार

की भी भूरि भूरि प्रशंसा हुई है जोकि इस बात की वास्तविक हकदार भी है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे सक्षम वित्त मन्त्री जी ने जो बजट पेश किया है इसमें सभी वर्गों का पूरा ध्यान रखा गया है। चाहे किसान की बात हो, चाहे हरिजन की बात हो, चाहे बैकवर्ड क्लासिज की बात हो, चाहे आम आदमी की बात हो, चाहे व्यापारी की बात हो, चाहे महिलाओं की बात हो और चाहे विद्यार्थियों की बात हो, सभी को इस सरकार ने सुविधाएं दी हैं। इसलिए इस बजट की प्रशंसा किए बगैर मैं नही रह सकता। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले पौने चार साल में हरियाणा प्रदेश के किसानो को 3110 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। वह मुनाफा इस सरकार दारा किसानों को अच्छे भाव देने से और इस सरकार के द्वारा किसानों को दी गई बेहतर सुविधाओ के कारण हुआ है। वह मुनाफा किसानों को इस सरकार द्वारा समय–समय पर खाद और दवाईयां और दूसरी सुविधाएं देने से सम्भव हो पाया है। जब 1966 में हरियाणा बना उस समय प्रदेश में कुल 26 लाख टन अनाज पैदा होता था लेकिन आज यह बढ़कर 103 लाख टन तक पहुंच गया है। यह इस सरकार की अच्छी पौलिसी और अच्छी नीतियों की वजह से ही सम्भव हो पाया है। इस सरकार की अच्छी पौलिसी और अच्छी नीतियों के कारण आज चावल मैं 10 गुणा गेहूं मे 6 गुणा और कपास में 5 गुणा अधिक पैदावार हुई है। इसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हू। उपाध्यक्ष महोदय, पूजा के योग्य परम आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने सारे हरियाणा प्रदेश मैं एक ऐसा शांतिप्रिय माहौल पैदा किया जिसकी बदौलत आज हमारे

प्रदेश मे दूसरे देशों से लोग आ कर अपने उद्योग स्थापित करने के लिए लालायित हैं। पिछले तीन साल में बड़े और मध्यम उद्योग तकरीबन 188 लगे हैं और 21815 लघु ईकाईयां हमारी स्टेट में स्थापित की गई जिनसे 1160 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। यह अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके कारण बहुत से नौजवान जो बेरोजगार थे उनको रें मिला है। जो बजट पेश किया गया है यह सन्तुलित बजट है। इस बजट मैं महिलाओ को राहत देने की बात की गई है। सिन्दुर, मंगलसूत्र और चूड़ियों को कर मुक्त कर दिया गया है। यह एक बहुत ही अच्छा कदम है इसके अलावा विद्यार्थी कलम और दवात का इस्तेमाल करते हैं, उसको भी कर मुक्त कर दिया गया है। यह भी इस सरकार का एक बहुत ही अच्छा कदम है। इसके अलावा सूरजमुखी पर जो चार परसैटं टैक्स था, उसको घटा कर एक प्रतिशत कर दिया गया है। इसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से जो यमुना जल समझौता हुआ है, वह एक बहुत ही शानदार समझोता हुआ है। इसके अलावा चाहे हरिजनों को कोई राहत देने की बात हो, चाहे महिलाओं को राहत देने की बात हो, चाहे पंचायतों को अधिकार देने की बात हो, चाहे जिला परिषदों को अधिकार देने की बात हो, चाहे चुनाव पहचान पत्र दैने की बात हो और चाहे अपनी बेटी अपना धन योजना की बात हो, सभी में हमारे प्रदेश ने चहुमुखी तरक्की की है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में अपने क्षेत्र की कुछ समस्याए रखना चाहता हुं। जैसा कि आप जानते हैं कि क्योंकि आपने वह एरिया देखा भी है। शिवालिक का क्षेत्र बहुत पिछड़ा हुआ रहा है। इस क्षेत्र के साथ हमेशा सौतेला व्यवहार होता रहा है। पहले किसी ने भी इस क्षेत्र के विकास की तरफ ध्यान नहीं दिया। कालका क्षेत्र के लोग परम पूजनीय मुख्यमन्त्री महोदय के आभारी हैं जिन्होने इस क्षेत्र की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शिवालिक बोर्ड का गठन किया। यह खुशी की बात है कि अब तक इन्होंने वहां पर 825 लाख रुपये की विभिन्न स्कीमें लागू की हैं। इसके लिए मैं मुख्य मन्त्री का धन्यवाद करता हूं। इन चालू माल में हुमारे वित्त मन्त्री जी ने इस बोर्ड के काम को सुचारू रूप से चलाने के लिए साढ़े तीन करोड़ रुपए रखे हैं। मैं समझता हूं कि यह राशि वहां के विकास के लिए बहुत कम है। इसलिए मेरा वित्त मन्त्री जी से और सरकार से अनुरोध है कि इस राशि को बढ़ाया जाना चाहिए। उस इलाके को विपक्ष के भाइयों ने भी अच्छी तरह से देखा है। जब वहां पर पीछे चुनाव हुआ था तो देक कि कितना पिछड़ा हुआ है। जब उस क्षेत्र में बारिश आती है तो वह इलाका प्रदेश के दूसरे क्षेत्र से कट जाता है। वहां पर कई कई किलौमीटर घूम कर जाना पड़ता है। वहां पर बहुत से पुल और पुलियों का निर्माण करने की आवश्यकता है। इसी प्रकार से उस क्षेत्र में सड्कों की भी बहुत कमी हुं। अब भी वहां पर कई गांव ऐसे हु जो सड़क के साथ जुड़े हुए नहीं है। पिछले दिनों 23 फरवरी को टीकरताल में मुख्य मन्त्री जी तो हैलीकाप्टर से वहां

पर गए थे लेकिन मैं, अधिकारी और हमारे कार्यकर्ता 10 कि०मी० पैदल चल कर गए थे और आये थे। तो मैं कह रहा था कि वहां पर बहुत से क्षेत्र ऐसे हैं जहां पर न तो सड़कें हैं और न ही बिजली पहुंची है। इसलिए मेरा नन्द निवेदन है कि जो साढ़े तीन करोड़ रुपया शिवालिक डिवैल्पमैंट बोर्ड के लिए रखा गया है, इसको कम से कम 15 करोड़ तक वढ़ाया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र का तेजी से विकास हो सके।

उपाध्यक्ष महोदय, एक बात मैं और सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि वहां पर लोग 50– 50 साल से जमीन काश्त कर रहे हैं लेकिन आज तक उनको मालिकाना हक नही दिया गया है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि लोगों की इस समस्या को ध्यान में रखते हुए उन्हें जल्दी से जल्दी मालिकाना इक दिया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, शिवालिक बोर्ड का जो गठन किया गया है, यदि इसको अधिक पैसा दिया जाये तो यह क्षेत्र बहुत अधिक सुन्दर हो सकता है। वहां पर टूरिज्म का बहुत अधिक स्कोप है। बहां पर टिकरताल में एक कम्पलैक्स के लिए 30 लाख रुपये सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने भी दिए है। मैं बताना चाहूंगा कि क्हां पर टूरिज्म का अधिक स्कोप है और सरकार अपने लैवल पर या प्राईवेट होटलों के द्वारा लोगों को होटल बनाने के लिए प्रेरित करे तो वह क्षेत्र बहुत चमक सकता है। यदि सरकार पूरी गंभीरता

से इस तरफ ध्यान दे तो लोग कश्मीर को भी भूल सकते हैं क्योंकि यहां की पहाड़ियां बहुत अधिक सुन्दर और मन मोहक हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरा सरकार से कहना है कि फौज और पुलिस की भर्ती में जिस प्रकार से कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्र के लोगों को हाईट और छाती में, पतड़ी एरिया होने के कारण छूट दी हुई है, उसी प्रकार से यहां पर भी लोगों को पुलिस की भर्ती और फौज की भर्ती में छूट दी जाये क्योंकि यह क्षेत्र भी उस क्षेत्र की तरह पहाड़ी क्षेत्र है क्योंकि मौजूदा जो नार्म्स हैं, वे यहां के लोग पूरा नहीं कर पाते इसलिए इस मामले में यहां के लोगों को रियायत दी जानी चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय जहां तक शिक्षा का ताल्लुक है, इस मामले में भी यह क्षेत्र बहुत पिछड़ा हुआ है। पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से वहां पर टीचर जाते नही और जाते है तो ज्यादा देर कते नही। वहां पर बहुत से स्कूल ऐसे हैं जहां पर पूरा स्टाफ नही है। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि उन स्कूलों में वही के रहने वालों को अध्यापक लगाया जायें ताकि शिक्षा का प्रचार उस क्षेत्र में अच्छी प्रकार से हो सके। बे लोग काम कर सकें ताकि वहां की डिवैल्पमैंट हो सके और वहां के लोग खुशहाल हो सके।

उपाध्यक्ष महोदय, इसी तन से पीने के पानी की भी वहां पर काफी समस्या है। अभी भी कई गांव और मणियां ऐसी हैं जहां पर पानी नहीं पहुंच पाया है। सरकार ने इम दिशा में बहुत

अच्छे काम किए और बहुत मेहनत कर रही है। सरकार ने काम तो बहुत किया है लेकिन कुछ दिक्कतें भी होती रही हैं। कालका क्षेत्र में 25 गांव ऐसे हैं जहां पर पीने का पानी सही रूप से नही पहुंच सका है इसलिए पीने के पानी की समस्या है। इसी प्रकार से कालका क्षेत्र के 12 गांव और ऐसे हैं जहां पर अभी भी पाने के पानी की समस्या बनी हुई है।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं सिचाई के पानी के बारे में भी कहना चाहता हू। यहां पर कृषि का विकास नहीं हुआ है जिसकी वजह से इस इलाके का सही विकास और तरक्की नहीं हो सकी। इसलिए मैं इस सदन से तथा इस सरकार से भी प्रार्थना करूंगा कि घग्गर पर डैम बनाया जाए और उसका पानी रोक कर किसानों को सिंचाई के लिए दिया जाए। अब यह पानी आगे चल कर फ्लड का रूप ले लेता है जिससे बहुत तबाही और नुकसान होता है। अगर घग्गर पर बांध बना दिया जाए तो उससे यहां पर सिंचाई की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी और इस हल्के का विकास हो सकता है। इस क्षेत्र के कई व्यक्तियों ने तथा कई किसानों ने ट्यूबवैलों के कनैक्शन्ज लेने के लिए एप्लाई किया हुआ है। कई जगहे तो ऐसी हैं जहां पर कोई खम्बा वगैरह भी नही लगना है, केवल बिजली का तार ई जोड़ना रऐ। ऐसे कनैक्शनों को तो प्रायरिटी देनी चाहिए। जिन लोगों ने 4– 4 या 5– 5 माल से कनैक्शनों के लिए एप्लाई किया हुआ है, उनको बिजली के कनैक्शन मिलने चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, पिछड़ा क्षेत्र

होने की वजह से मैं सरकार मे प्रार्थना करूंगा कि कनैक्शनों के मामलों में इसको प्रायोरिटी दी जानी चाहिए ताकि इस इलाके का विकास हो सके।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै खेलों के विषय मे भी अपने विचार रखना चाहूगा। मुझे खेल परिषद का अध्यक्ष चुना गया है। (इस समय मेजें थपथपाई गई ) इस नाते भी मेरा कर्त्तव्य बनता है कि मैं खेलों के विकास की बात कहूं। खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार को पूरे प्रयत्न करने चाहिएं। मेरे विचार से खेलों के लिए जो राशि बजट में रखी गई है, वह काफी कम है हालांकि पिछले साल के मुकाबले इस साल राशि ज्यादा रखी गई है लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, 710 करोड़ रुपये के बजट में खेलों के लिए 8.10 करोड़ रुपए रखे गए हैं जिसमें से 4 करोड़ रुपए की राशि तो तनख्वाहों में निकल जाएगी। 1.20 करोड रुपए मोती लाल नेहरु स्पोर्टस स्कूल, राई पर खर्च हो जाते हैं, 10 लाख रुपए प्रतियोगिताओं में, 6 लाख रुपए कोचिंग कैम्प आयोजित करने पर खर्च हो जाते हैं, और 25 लाख रुपए अनुदान के रूप मे चले जाते हैं। इस प्रकार केवल 9.58 लाख रुपए खेलों के सामान के लिए बचते है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अन्दर खेलों के जो सैंटर है इस लिहाज से तो एक सैटर मे केवल 2000 रुपए की राशि ही खेलों के सामान के लिए दी जा सकेगी जो कि काफी कम् है। उपाध्यक्ष महोदय, जब ओलम्पिक की प्रतियोगिताएं होती हैं तो खेलो में हम

पिछड़ जाते हैं। इतनी ज्यादा आबादी वाला देश और कोई भी आदमी गोल्ड मैडल न ले सके इससे हर्र देशवासी का सिर शर्म से झुकता है। इसलिए भी खेलों को बढ़ावा दिया जाना बहुत ही जरूरी एं। इसलिए सरकार से मेरा निवेदन है कि खेलों के लिए जो वर्तमान बजट है इसको दुगना किया जाए ताकि खिलाड़ियों को अधिक प्रोत्साहन और साधन उपलब्ध हो सकें और उनको अधिक सुविधाएं दी जा सकें। उनको इनसैंटिव भी दिया जाना चाहिए ताकि वे अधिक मेहनत करें और देश और प्रदेश का नाम दुनिया में रोशन कर सकें। उपाध्यक्ष महोदय, ओलम्पिक मैडल लाने वाले की राशि को 10 हजार रुपए मे बढ़ा कर पहले ही एक लाख रुपए कर दिया गया है। मैं अपनी तरफ से इसके लिए सरकार का शुक्रिया करता हूं लेकिन साथ ही यह भी कहना चाहता हूं कि इतना ही काफी नहीं है सरकार को इस दिशा मे और अधिक प्रयास करने चाहिएं क्योंकि काफी कुछ और करने की आवश्यकता है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं यह कहना चाहूंगा कि हरियाणा में इण्टरनेशनल स्टैंडर्ड का कोई स्टेडियम नहीं है। वह भी होना चाहिए ताकि हमारे खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। अगर जरूरत पड़े तो बाहर से भी कोच बुलाने चाहिए।

इसके अलावा विधायकों को अपने हल्के में विकास के लिए 20 लाख रुपए देने की स्कीम भी सरकार की बहुत अच्छी स्कीम है। लेकिन मैं निवेदन करूंगा कि 20 लाख रुपये की राशि कम है, इसको और बढ़ाया जाना चाहिए इसको कम. से कम डबल

करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अन्त में एक बार फिर आदरणीय वित्त मन्त्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होने इतना अच्छा बजट प्रस्तुत किया है। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना ध्यान ग्रहण करता हूं।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहान (मुढाल खुर्द):** उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हू। उपाध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने इस महीने की 13 तारीख को सदन की पटल पर जो बजट रखा है मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं इनका धन्यवाद करता अगर इन्होंने यह कहा होता कि हम एस०वाई०एल० कैनाल को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। लेकिन इन्होंने कहा है कि हम इस बारे मे केन्द्रीय सरकार से अनुरोध कर रहे हैं। पता नहीं मुख्य मन्त्री जी ने किस दबाव मे आकर यह फैसला कर दिया है। यमुना समझौता तो हरियाणा के किसानों के साथ होना चाहिए था, उनके भले के लिए होना चाहिए था। मैं इनके बजट का स्वागत करता, अगर ये किसाऊ डैम बगैर बनाते। मैं इनका स्वागत करता अगर ये हमारे बेरोजगार नौजवानों को नौकरी देने का प्रावधान करते। आज हरियाणा के जनमानस के दिमाग में एक ही बात है कि इस भ्रष्ट सरकार के राज में नौकरी नहीं मिल सकती है। मुख्य मन्त्री भजन लाल की सरकार में भ्रष्टाचार होता है।

**चौधरी जगदीश नेहरा:** उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। ये बजट पर बोल रहे हैं या किम पर बोल रहे है? ये

ऐसी बात बोल रहे हैं जिसका कोई औचित्य नही है और यह नैतिक तौर पर बिल्कुल गल्त बोल रहे हैं। मेरी आपके माध्यम से गुजारिश है कि ये बजट पर ही बोल और ऐसा कोई बात न बोलें जिसका कोई औचित्य न हो।

**मुख्यमन्त्री (चौधरी भजन लाल):** आन–ए–प्यायंट आफ आर्डर। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह समझता था कि छत्तर सिंह चौहान बहुत ही पढ़े–लिख आदमी हैं और ये ठीक बात ही कहेंगे। इन्होंने पहले भी सरकार को भ्रष्ट कहा और अब भी भ्रष्टाचार मे डूबी हुई सरकार कहा है। मैं इनसे यह पूछता हूं कि ये यह बताएं कि ये जिस नेता के साथ काम कर रहे है, उनमें तो खुद ही भ्रष्टाचार है और वे भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उनके हर लड़के लड़की के पास कारें है। उनके खिलाफ कितने ही मुकदमें दर्ज हुए है। ए ०जी ० ने भी उनके खिलाफ लिख रखा है और ये इस तरह की बात कह रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, बटोड़े मे से गोसे ही निकल सकते हैं उसमें से गुड़ की भेली तो नही निकल सकती हैं। अगर कोई कहे कि निकलेगी तो कैसे निकलेगी? इसलिए आप ऐसा कोई बात न करें जिससे आपको भी तकलीफ हो। आप मेहरबानी करके ठीक बात ही बोले।

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** उपाध्यक्ष महोदय, मैं वित्त मन्त्री के बजट का स्वागत करता, मैंने तो यही बात कही थी। आप कृपा करके इन पर कंट्रोल करें। मुख्यमन्त्री जी आप सुनने की कृपा करें। आप ने जो कुछ भी किया है, वह भी जनता जानती है और

जो कुछ बंसी लाल जी ने किया है, वह भी जनता जानती है। इस सब का हिसाब तो आपको जनता को देना पड़ेगा। (विघ्न ) मैं अर्ज कर रहा था कि यदि मांगेराम गुप्ता जी हरियाणा के बेरोजगार नौजवानों को रोजगार देने की व्यवस्था करते तो मैं उनका स्वागत करता। उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। यहां पर कोई ला नहीं है। अगर इसको दूर करने का कोई प्रावधान होता तो मैं इनका स्वागत करता कि ये इसके प्रति जागरुक हैं। जिस दिन ये बजट पढ़ रहे थे तो इनकी टांगे डगमगा रही थीं, हाथ कांप रहे थे और पसीना आ रहा था। इनकी आत्मा यह कह रही थी कि इस तरह का बजट मैं कैसे पेश करूं जोकि अर्थहीन और जनता विरोधी है, जिसमें सरकार ने इस प्रदेश के किसानों को उनके हितों से वंचित करने का कुप्रयास किया है। जब मांगे राम जी बजट पढ रहे थे तो शायद इनकी आत्मा इनको धिक्कार रही थी लेकिन ये मजबूर थे क्योंकि इनको अपनी कुर्सी बचानी थी, मुख्यमन्त्री को खुश करना था। लेकिन इन्होंने हरियाणा के लोगों की आखों में धूल झोंकने के लिए जो बजट पेश किया है, उसको देखकर मुझे शर्म आती है। मैं हरियाणा प्रदेश के लोगों की आर्थिक स्थिति के बारे में चर्चा करना चाहता हूं। सर, आप तो पढ़े लिखे आदमी हुँ, इनकी तरह से नहीं हैं।

**चौधरी जगदीश नेहराः** डिप्टी स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, ये शर्म की बात कर रहे हैं लेकिन इनकी

ऐप्लीकेशन तो इस साईड मे आने के लिए मुख्यमन्त्री जी के पास पड़ी हुई है। हमने उसको रिजैक्ट कर दिया और कह दिया कि यह रिजैक्टिड माल है और आज रिजैक्ट किया हुआ माल ही हमारी नुक्ता चीनी कर रहा है।

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** लेकिन अब आपको यह जनता रिजैक्ट करके भेज देगी और आप दूसरी साईड में बैठेंगे। (विघ्न ) सर, छाज तो बोले ही बोले लेकिन अगर छलनी भी बोले जिसमें सौ छेद हों तो क्या होगा।

**लोक निर्माण मंत्री (चौधरी अमर सिंह):** उपाध्यक्ष महोदय, चौहान साहब बड़े काबिल और पढ़े लिखे हैं। इनको तो अच्छी तरह से पता है कि ये पहले ऐजूकेशन बोर्ड के चेयरमैन ठाकुर वीर सिंह को हटाने के लिए मुख्यमन्त्री जी के पास गए थे। इस बात के गवाह लाला राम भजन अग्रवाल और मैं स्वय हूं। इन्होंने कहा कि उसको हटाकर मुझे ऐजुकेशन बोर्ड का चेयरमैन बना दो। चौधरी सुरेन्द्र सिंह चूकि इस हाउस के मैम्बर नहीं है इसलिए मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता। उन्होंने इनसे कहा कि तेरे कारण बाबू जी ने बड़े भाई को निकाल दिया और आज तू ही उनको छोड्कर जा रहा है, बुरा भला कहा, तब ये वापस हो गए, लेकिन हमने कहा कि हम वापस नहीं होंगे। अब इनको यही लगा रहता है कि यह कैसे हो गया और इसीलिए ये जली कटी बातें करते हैं। जहां तक ये जनता की बात करते हैं कि जनता हमें देख लेगी, हमें जनता का भी पता है। जब हम सारे एक साथ थे

तब भी हम उस वक्त 12 मैम्बर ही जीतकर आए थे। अब जब हम, वोटर की रीढ़ की हड्डी ही, आप से अलग आ गऐ हैं तो अब चौहान साहब के पास वोटर रहे ही नहीं। ये मुढाल में भी जाकर देख लें, वहां इनको स्वयं जनता बता देगी। अब तो ये 12 भी नहीं आ सकते। अब तो इनको अपनी खर मनानी चाहिए। इसलिए मैं इनसे कहूंगा कि ये केवल बजट पर ही बोलें।

**प्रो० छतर सिंह चौहान** उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी अमर सिंह जी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए निराधार और असत्य बातें कही हैं। उनकी कोई बात सत्य नहीं है।

**चौधरी अमर सिंहः** उपाध्यक्ष महोदय, लाला राम भजन अग्रवाल विधायक इस बात के गवाह हैं।

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** उपाध्यक्ष महोदय, राम भजन अग्रवाल, अमर सिंह और मैं तीनों 1992 के बजट सैशन शुरू होने से पहले मुख्यमन्त्री जी के पास गए थे। क्योंकि मुख्यमन्त्री जी ने 1992 के बजट सैशन में यह माना था कि हरियाणा के एजुकेशन बोर्ड के चेयरमैन ने जो धांधली की हैं, लोगों के हितों की जो होली खेली है, जो नकल करवायी है, हम उसके खिलाफ जांच करवाएंगे। हमने कहा था कि मुख्यमन्त्री जी, बजट सैशन आने वाला है इसलिए आप उस चेयरमैन को हटा दें। लेकिन चौधरी अमर सिंह जी तो हमेशा ही कलाबाजी करते रहे हैं, कभी भी किसी एक पार्टी में नहीं टिके। ये हमें बता दें कि कभी ये कांग्रेस

के टिकट पर आकर यहां बैठे हों? इस बार भी चुनाव में इनका भूत बन जाएगा।

**चौधरी भजन लालः** उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी अमर सिंह जी ने ठीक ही कहा। चौहान साहब खानदानी आदमी हैं इसलिए मैं इनकी पोजीशन ज्यादा खराब नहीं करना चाहता और इनकी भी खासी हो गयी है। लेकिन अमर सिंह जी ने बिछल सत्य कहा है। इन्होंने कह दिया कि ये मेरे पास गए थे। लेकिन मैंने यह नहीं कहा कि ठाकुर वीर सिंह ने बहुत भारी धांधली की है या गड़बड़ की है। इन्होंने कहा था कि एजुकेशन बोर्ड में बड़ी गड़बड़ी हुई है। कुछ उनके लड़के की शिकायत आई है। इनके साथ तीन–चार लोग थे। राम भजन अग्रवाल भी थे कौर शायद धर्मपाल भी थे। इन्होंने यह कहा कि आप ठाकुर वीर सिंह को हटा दें तो मैं आपके साथ आने को तैयार हूं।

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** धर्म पाल सिंह यह कह दें कि वे थे।

**चौधरी भजन लालः** मेरा ऐसा अन्दाजा है। उस झगड़े में पड़ने की आवश्यकता नही है। लेकिन हम इतनी बात कहते हैं कि सच्चाई को मानना चाहिये। आप जानते ही हो, क्यों मेरे से सारे पर्दे खुलवाते हो। इस बात को यही खत्म करो।

**प्रो ० छतर सिंह चौहानः** उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि मुख्यमंत्री जी और उनके मंत्रियों ने सलाह कर रखी है कि मुझे बोलने नही देंगे। मेरी आपसे गुजारिश है..... (विघ्न )

**चौधरी बीरेन्द्र सिंहः** आन ए प्वायंट आफ आर्डर। उपाध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी के पास यह चार आदमी गए थे उस हालात में दो आ गए, दो बार मिल लेते तो ये चारों आ जाते। (हंसी )

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, आपके कलेजे में तो चौधरी भजन लाल के लिये छाले हैं लेकिन आप कह नही सकते। मैं यह बात कह सकता हूं उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि मांगे राम जी गुप्ता का जो चार साल से लगातार बजट आ रहा है उस बारे में आपको पता है, आप पढे लिखे व्यक्ति है। 1789 में फ्रांस में क्रांति हुई। उस समय जो वहां के शासकलुई– 16 थे उस समय देश के हालात बहुत दयनीय बन चुके थे। उसी तरह आज की सरकार और वित्त मंत्री जी ने भीं उधार लो और काम चलाओ वाली नीति अपना रखी है। मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि हरियाणा पर विश्व बैंक का कितना कर्ज है 7 उन्हेने नहर के लिये कितना कर्जा लिया, सड़क के लिये कितना कर्जा लिया, पब्लिक हैल्थ के लिये कितना कर्जा लिया और प्राइमरी एजूकेशन के लिये कितना लिया है। हरियाणा में इतना कर्जा बढ़ चुका है कि आने वाली सरकार, आने वाले लोग कभी भजन लाल और उसके साथियों को माफ

नहीं करेंगे। इन्होंने हरियाणा को आकंठ कर्ज में डुबो दिया है। ये तो यही सोचते हैं कि जो 2–4 महीने बाकी हैं उनको किसी तरह निकालें और धर बैठें, इससे आगे ये नहीं सोचते। उपाध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने एक दिशाहीन, अर्थहीन और हरियाणा के लोगों के हितों के विपरीत बजट रखा है। विपक्ष का सदस्य होने के नाते मैं आपके सामने कुछ तथ्य रखना चाहता हू कि यह किस प्रकार से किसान विरोधी बजट है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा की सबसे बड़ी जीवन रेखा एस०वाई०एल० हैं। जुलाई 1991 में जब यह सरकार दुर्भाग्य से सत्ता में आई, क्योंकि पिछली सरकार ने कुछ ऐसे काम कर दिए थे कि जनता उनके शासन से ऊब चुकी थी। तो जुलाई 1991 में यह सरकार बनते ही भजन लाल जी ने हाउस में एक बात कही थी कि मैं एक साल के अंदर एस०वाई०एल० बना दूंगा। फिर कहने लगे कि मैं 6 महीने में बना दूंगा, फिर कहने लगे कि इस बात पर चुप रहो क्योंकि पंजाब की दशा शौचनीय और दयनीय है। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री जो कोई वायदा करता है चाहे वह हाउस में हो या गांव की स्टेज पर हो, वह गवर्नमैंट की इमेज होती है। लोग यह कहते है कि मुख्यमन्त्री का वायदा अर्थहीन है। लोग आज यह कहने पर मजबूर हैं कि whatever Bhajan Lal says, has no meaning क्योंकि इनके वादों को यदि इकट्ठा किया जाये तो महाभारत जैसी एक पोथी सी बन जाएगी। ऐलीगेशन लगाने में वे सिद्धहस्त हैं, माहिर हैं कि छतर सिंह ने यह कर दिया, छतर सिंह ने वह कर दिया। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं तो एक गरीब घर में

जन्मा हूं और उस गरीबी का मुझे नाज है। मैं चौधरी अमर सिंह व दूसरे लोगों की तरह से दलालों के यहां बिका नहीं हूं। (शोर )

**चौधरी अमर सिंहः** डिप्टी स्पीकर साहब, चौहान साहब किस बात की दलाली की बात कर रहे हैं? (शोर ) ये तो तलाश करते करते खुद अटक गये थे क्योंकि उन्होंने (सुरेन्द्र सिंह ने ) इनके दो थप्पड़ जमाए। ये जो कुछ कह रहे हैं, वह बिल्कुल निराधार कह रहे हैं। इनको अपना ही बताना चाहिये।, मैं वह बात नही कहूंगा जो ये चाहते हैं। ये मुझे वही बात कहने के लिये उकसा रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, असल बात तो यह है कि चौहान साहब को दिक्कत यह है कि मैं मिनिस्टर (क्यों बन गया। हमारे साथ इनके बारे में यह फैसला हुआ था कि इनको चेयरमैन बना देते है। इस बात के लिये मुख्यमंत्री महोदय मान भी गए थे और इसके लिये अगले ही दिन गजिट नोटी– फिकेशन होने जा रही थी तो सुरेन्द्र सिंह जी ने इनके दो थप्पड़ जमाए और कहा कि तू भी ऐसी जगह आना चाहता है जहां पहले हमारे भाई चले गये। असल बात तो यह थी और इनको अब यह महसूस हो रहा है कि अमर सिंह जी मिनिस्टर क्यों बन गए और मैं रह गया। इनको सुरेन्द्र सिंह ने दो थप्पड़ जमाए। एक इधर एक उधर, तब जाकर इनको समझ आई। डिप्टी स्पीकर साहब, ये मुझे प्रोवोक करके सही बाते कहलवाना चाहते है लेकिन मैं वे बातें यहां इनकी बाबत कहना नही चाहता। ये मुझे इसके लिये मजबूर कर रहे हैं। (शोर ) निराधार ऐलीगेशन मेरे ऊपर ये लोग लगा रहे हैं, यह

बहुत ही गल्त बात है। डिप्टी स्पीकर साहब, इनको ऐसी बातें करने से रोका जाए। इन पर कंट्रोल किया जाए ताकि ये अपने सब्जैक्ट पर ही बोले। (शोर )

**श्री उपाध्यक्षः** कृपया आप सब बैठिये। (शोर )

**श्री धर्म पाल सिंहः** डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी अमर सिंह जी काफी बातों को अभी भी छुपा रहे है, यह बड़े ही दुख की बात है। चौहान साहब को जो तोहफा सुरेन्द्र सिंह ने दिया था, वह इनको याद होगा। ( शोर ) जब यह सारा वाक्या हुआ था तो मैं भी वहां पर ही था। चौधरी अमर सिंह जी, आप ये सारी बातें यहां हाउस में क्यों नहीं बता रहे? डिटेल में क्यों नही बताते?

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** डिप्टी स्पीकर साहब, धर्मपाल जी का बम तजुर्बा है, वह अपना जमाना याद करते हौंगे (शोर )

**श्री उपाध्यक्षः** चौहान साहब, आप कृपया बैठिये। मैं सभी मैम्बर साहैबान से रिकवैस्ट करूंगा कि। वे आपस में पर्सनल ऐलीगेशन लगाने को जहां तक हो सके, एवायड ही करे क्योकि इस से डिस्कशन की दिशा बदल आती है।

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** सर, आपकी एडवाइस को फालो करूंगा। ( शोर ) डिप्टी स्पीकर साहब, वित्त मन्त्री महोदय ने जो बजट पेश किया है वह बिल्कुल किसान विरोधी बजट है। इसका सब से पहला सबूत मैं बताता हूं। वित्त मन्त्री महोदय ने

1993–94 में जो बजट पेश किया था उसमें कहा था कि हरियाणा सरकार एस ० वाई० एल० बनाने के लिये कृतसंकल्प है लेकिन इस बार बजट पेश करते हुए उनकी भाषा बदल गई। जरा सी मुख्यमंत्री ने आख दिखा दी और उस पर उन्होंने यह कहा कि हम बराबर केन्द्र सरकार से इसके लिये अनुरोध कर रहे हैं। डिटरमीनेशन से अब वे अनुरोध पर उतर आये हैं कितने अचम्भे की यह बात है। दो चार महीनों में अब ये चलकर हरियाणा को बचाना चाहते हैं, यह उचित बात नहीं है। यह कैसे होगा। एस०वाई०एल० के बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि ,पंजाब सरकार की एक पुस्तक छपी है ''फैक्ट्स अबाऊट दा एस०वाई०एल० प्रोजैक्ट''। उसमें यह लिखा है कि एस०वाई०एल० प्रोजैक्ट को बनाने में 85 प्रतिशत काम अगर हुआ था तो उस वक्त प्रदेश के मुख्यमंत्री बंसी लाल जी और पंजाब के मुख्यमंत्री श्री सुरजीत सिंह बरनाला की वजह से हुआ था। उसके बाद इस पर कभी कस्सी भी नहीं लगी और न आगे लगने की उम्मीद है। चौधरी भजन लाल का चार साल का राज चला गया। नेहरा साहब जी बैठे हैं ये बताएं कि 1987 से ले कर 1995 तक एक पैसा भी एस०वाई०एल० को पूरा करने के लिये लगाया हो। न पिछली सरकार ने लगाया और न यह सरकार लगाना चाहती है। इसका कारण यह है कि यह किसान विरोधी सरकार है। दूसरी बात मैं यमुना जल समझौते के बारे में कहना चाहता हूं।

**चौधरी जगदीश नेहराः** उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। इन्होंने चौधरी बंसी लाल का नाम लिया। ये उनका नाम बीच में ले कर बात कहना चाहते हैं और जो फैक्ट्स हैं उनको छिपाना चाहते हैं। ऐसा कह कर ये हाउस को गुमराह कर रहे हैं। इनको पता होना चाहिये कि जब बजट पर बोलें तो प्राइमा फेसाई फेक्ट्स को सामने रखें। ये चौधरी बंसी लाल के बारे में कह रहे हैं कि उन्होंने यह किया और वह किया। अब चौधरी बंसी लाल जी हाउस में नही हैं। मैं यह कहता हूं कि एस ० वाई०एल० के मामले का अगर किसी ने भट्ठा बिठाया तो वह चौधरी बंसी लाल ने बिठाया। पानी का जो सिस्टम है उसकी शुरुआत बहाव से बनती है लेकिन इन्होने उस नहर को टेल एंड से बनाया। आपको पता है कि जब भिवानी के एरिया मे लिपट इरी गेशन बन रही थी उस समय इन्होंने एस०वाई०एल० को बनाया। ऐसा कोई भी प्रोजैक्ट हमेशा शुरु से बनता है लेकिन इन्होंने टेल पर बना दिया। उस समय पंजाब में किसी प्रकार का कोई चक्कर नहीं था और उस समय ये पंजाब की तरफ से पहले शुरु करवा सकते थे। इन्होंने एक तो यह गलत काम किया कि वह नहर बी ०एम ०एल० के साथ साथ नहीं बनाई और दूसरा गलत काम यह किया कि शुरु की तरफ से बनाने की बजाए आखिर में बना दिया। इन्होने क्या किया कि यमुना का पानी लिपट करके भिवानी मैं ले गए। तो पिछले 22 सालों से हरियाणा का भट्ठा बिगने वाले चौधरी बंसी लाल

**चौधरी भजन लालः** उपाध्यक्ष महोदय, नेहरा साहब एक बात कहना चूम गए। मैं बताना चाहता हूं कि इस नहर के पानी का फैसला और इस पर काम आज की सरकार ने करवाया। आपको याद है कि इन्दिरा गांधी जी ने इसकी आधारशिला 1981 में कपूरी गांव में रखी थी। इसके अलावा इस नहर च 95 परसैन्ट काम हम करवा कर गए थे। ये कहते हैं कि बसी लाल ने करवाया है। उसके बाद मैं सैन्टर में चला गया और चौधरी बंसी लाल यहां आ गए। उस समय चौधरी बंसी लाल हर गांव के पंच और सरपंच को वह नहर दिखाने के लिये ले गए थे कि देख लो नहर बन गई। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि वैसी लाल जी तो 6 महीने ही रहे थे तो क्या 6 महीने में नहर तैयार हो सकती है। 6 महीने तो टैन्डर होंने में लग जाते हैं। तो इस नहर का काम हमारी सरकार ने करवाया था और वह काम चौधरी बंसी लाल ने पंचो और सरपंचों को दिखाया था कि देखो भजन लाल और कांग्रेस ने इतना काम किया है। इसलिए कांग्रेस को वोट दें। आप बात करते हैं कि वह काम बंसी लाल जी ने करवाया था।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके हारा कहूंगा कि मुख्य मन्त्री जी असत्य बात को सत्य बनाने में पूरी महारत रखते हैं। मैंने अभी एक किताब का नाम लिया था। मुख्य मन्त्री जी को तो अंग्रेजी आती नहीं इसलिये वे नेहरा साहब से पढ़वा लें। (शोर )

**चौधरी भजन लालः** मैं तो आपको भी पड़ा सकता हूं क्योंकि आप जैसे मैंने बहुत पढ़ा रखे हैं। (विघ्न )

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** उपाध्यक्ष महोदय, एस० वाई० एल० कैनाल बनाने के बारे में सरकार बार बार जो अनुरोध करने पर उतर आई है उसकी बजाए कोई निश्चित तारीख बताएं कि कब उस पर काम शुरू हो जाएगा। मुख्य मन्त्री जी पहले कहा करते थे कि 6 महीने में बना देंगे। वह 6 महीने कब से शुरू होंगे बह तारीख तो बता दें। इसके बाद में मैं यमुना समझौते के बारे में कहना चाहता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल की सरकार ने 12 मई, 1994 को अपनी कुर्सी बचाने केलिये यमुना जल समझौता किया। इसके बारे में जो पहले समझौता हुआ था वह 2000 तक चलना था। इन्होंने वह समझौता इसलिये किया क्योंकि केन्द्रीय सरकार ने इनको आख दिखा दी। इसलिये उनको खुश करने के लिये इन्होंने हरियाणा के हितों को तिलांजलि दी। वरना जब यह समझौता हो रहा था उस समय मुख्य मन्त्री को यह चाहिए था कि राजस्थान सरकार ने जो डैम बना लिए हैं चाहे वे साहिबी नदी पर हैं, चाहें कृष्णावती नदी पर है और चाहे दोहान नदी पर हैं उस समझौते पर दस्तखत करने से पहले उन डैमों को हटाने की बात करते लेकिन इन्होंने ऐसा गद्दी किया। इन्होंने हरिंयाणा के हितों के साथ खिलवाड़ किया है। आज हरियाणा प्रदेश की धरती प्यासी पड़ी है। इसके अलावा सिचाई महकमे के मन्त्री जी ने यहां सदन

में यह कहा कि हरियाणा प्रदेश की सभी नहरों की छंटाई कर दी गई है। मैं इस बात के लिये बहन शांति देवी राठी को मुबारिकबाद देता हूं कि कल उन्होंने एक सवाल के जवाब में अपने मस्ती पद का ध्यान न रखते हुए हरियाणा प्रदेश के लोगों की सच्ची बात कही कि हरियाणा प्रदेश की सारी नहरें गाद से अंटी पड़ा है। उपाध्यक्ष महोदय, 1987 से ले कर 1995 यानि 8 साल हो गए किसी भी सरकार ने नहरो की गाद निकालने की तरफ ध्यान नही दिया। जूई कैनाल, लोहारू कैनाल सारी गाद से अंटी पड़ी हैं। सिवानी कैनाल भी गाद से अंटी पड़ी है। यदि वे गाद से अंटी हुई नहीं हैं तो चौधरी अमर सिंह जी जो मन्दी हैं वे भी भिवानी जिले के हैं और धर्मपाल भी भिवानी जिले के है, वे बता दें कि क्या भिवानी जिले की किसी नहर की छंटाई की गई है और क्या उनमें अन्तिम छोर तक पानी जाता है। मुख्य मन्त्री जी 5 नवम्बर, 1994 को भिवानी जिले के मानेडू गांव में एक फंक्शन को अटैड करने के लिये गए.। उस समय आपने कहा था कि नहरों की छंटाई करवा दो जाएगी। मैं मुख्य मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि 5 नवम्बर, 1994 को आज कितने महीने हो गए, आज तक भिवानी जिले की किसी भी नहर की गाद नहीं निकाली गई है। दादरी फीडर में चार से छः फुट मिट्टी पड़ी है। उपाध्यक्ष महोदय, 27 अक्तूबर 1994 को एस्टिमेटस कमेटी चौधरी सूरजमल जी की अध्यक्षता में उनको देख कर आई है। चौधरी सूरजमल किसान के बेटे हैं उन्होंने किसानों के घर में जन्म लिया है और सच्चे व्यक्ति हैं। कल भी उन्होंने बताया था चाहे वह नहर बहादुरगढ़ की हो,

चाहे सोनीपत की हो, चाहे रिवाड़ी की हो, चाहे महेन्द्रगढ़ की हो और चाहे गुड़गांव की हो, किसी भी नहर की गाद नही निकाली गई।

**जन स्वास्थ्य मन्त्री (श्रीमती शांति देवी राठी ):** स्पीकर साहब, मुझे नहीं पता कि इनके जिले में किसी नहर की सफाई हुई है या नहीं, उसके बारे में नेहरा साहब जानें वे बताएंगे। मैंने तो कल यह कहा था कि जहां पर पीने का पानी नहीं पहुंच रहा है वह पहुंचना चाहिए। कल मैंने सोनीपत जिले की राजपुरा माईनर का जिक्र किया था। उसके अन्दर पिछली सरकार के वक्त में एक टोपा पानी नही आया क्योंकि वह गाद से अंटी पड़ी थी। इस समय हमारे राज में उसके अन्दर पानी आ रहा है। आज उसमें पानी इसलिए आ रहा है कि आज सरकार ने उसकी सफाई करवाई है।

**श्री रमेश कुमारः** स्पीकर साहब, सोनीपत जिले में एक टोपा पानी नहीं जा रहा है। वहां पर चौधरी देवी लाल जी के राज में पानी पहुंचा था। आपके राज में उस जिले के किसी भी गांव में पानी नहीं जा रहा है।

**श्रीमती शांति देवी राठीः** आप चौधरी देवी लाल के जितने मर्जी गुण गा लो यह (चौधरी भजन लाल ) थारा फूफा फिर जीत कर आएगा और सरकार बनाएगा। (हंसी )

**श्री उपाध्यक्षः** रमेश कुमार जी आप बैठिए। (व्यवधान )

**श्री रमेश कुमारः** पानी की बात है, आप एक मिनट सुन लीजिए।

**श्री उपाध्यक्षः** नहीं आप बीच में न बोलिए। please take your seat (व्यवधान )

## वाक आउट

**श्री रमेश कुमारः** उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर बिल्कुल भी नहरों की कटाई– छंटाई नहीं हुई और न ही वहां पर पानी पहुंचता है। (शोर) हमारी बात को सुन नही रहे इसलिए मैं वाक आउट करता हूं। (इस समय श्री रमेश कुमार सदन से वाक आउट कर गए।

**12.00 बजे**

## वर्ष 1995– 96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ )

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर कहा गया कि यमुना का पानी और एस० वाई० एल० का पानी लाने का काम भी भजन लाल जी ने किया है। मैं सदन का ध्यान दिलाते हुए कहना चाहता हूं कि एस० वाई० एल० और रावी व्यास का 38 लाख एकड़ फुट पानी चौधरी बंसी लाल जी, 1978 में जब रक्षा मन्त्री थे, तब लेकर आए थे। जो पानी भिवानी, रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, रोहतक व दूसरे एरिया को मिलना चाहिए था उसको वहां पर न देकर यह सरकार हिसार और सिरसा में ले गई। भिवानी में हफ्ते

में साढ़े तीन दिन नहर चलती' है और हिसार तथा सिरसा में महीने में 24–26 दिन तक चलती है। ये साढ़े. तीन दिन का हफ्ता कहां से ले आये, यह नेहरा साहब के ही दिमाग का कोई कमाल है? इसलिये मेरा मुख्य मन्त्री से अनुरोध है कि हम लोगों के साथ भेदभाव न किया जाये। आप कहते हैं कि हम रावी व्यास का पानी लायेगे। मैं कहता हूं कि जब आप घर में ही पानी का बंटवारा नहीं कर पा रहे तो फिर बाहर से क्या पानी ला सकोगे? एस० वाई० एल० नहर बनाने का इससे अच्छा अवसर और क्या हो सकता था कि केन्द्र में कांग्रेस की सरकार, पंजाब में कांग्रेस की सरकार और हरियाणा में कांग्रेस की सरकार। फिर भी नहर न बने यह कोई अच्छी बात नहीं है। इस मल्लो सरकार ने इस नहर को बनाने के लिये इन चार सालों में कोई काम नहीं किया। मेरा सरकार को सुझाव है कि अभी चुनाव होने वाले हैं, अतः आप इस काम को जल्दी शुरू करवा दें। उपाध्यक्ष महोदय, यह सरकार किसान विरोधी है। क्योंकि इसके राज में किसानों को कभी भी समय पर खाद उपलब्ध नही होती। कहीं पर भी गेहूं की फसल की बिजाई के समय और बाद में डालने के लिये डी ०ए०पी ० नहीं मिला। जब भगवान की कृपा से 8 जनवरी, 1995 को बारिश हो गई, तो ये कहने लगे कि अब की बार बंपर क्रौप पैदा होगी। मैं कह रहा था कि डी ०ए०पी ० लोगों को नहीं मिल रही और दिसम्बर के महीने में तो इसकी बहुत ही कमी रही। किसानों को न यूरिया मिला और न डी ०ए० पी ० मिली। कोआप्रेटिव के जितने भी अदायरे थे वहां पर खाद एकदम से नदारद थी।

उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री चन्द्रमोहन जी ने बोलते हुए कहा कि शिवालिक डिवैल्पमैंट बोर्ड का गठन किया गया है। अच्छी बात है किसी क्षेत्र का विकास हो। लेकिन यह सरकार डिवैल्पमैंट करना चाहती है केवल आदमपुर और कालका क्षेत्र का। शिवालिक बोर्ड कौ गठन जो किया गया उसके लिये पहले साल में 8.25 करोड़ रुपये रखे गए। इस साल के लिए साढ़े तीन करोड़ रुपये रखे गए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मक्की जी से यह कहना चाहता हूंकि वे सारे प्रदेश के मुख्य मन्त्री हैं। क्या उनका सारा मोह पुत्र मोह में ही बन्धा हुआ है क्योंकि कालका हल्के के लिए सवा आठ करोड रुपये पिछले साल बजट में दिए गए और इस साल भी उसके लिये साढ़े तीन करोड़ रुपये उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, उपाध्यक्ष महोदय, और भी कान्स्टीच्यूसीज है ये उनका भी ध्यान रखें। आज ये एक जिम्मेदार कुर्सी पर भगवान की कृपा से बैठे हैं वरना तो इनके कारनामे ऐसे हैं कि इन्हें कहीं और होना चाहिए था। (विघ्न )

**चौधरी भजन लालः** उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इनकी तो वह बात है कि जैसे कोई आख पर हरी पट्टी बांध ले, फिर वह कहीं भी जाए, चाहे बाहर धूप में जाए तो उसको सब कुछ हरा ही हरा दिखाई देता है और अगर कोई लाल पट्टी लगा ले तो उसको सब कुछ लाल ही लाल दिखाई देता है। इन को तो अच्छी बात कोई दिखाई ही नही देती है। उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने शिवालिक डिवैल्पमैंट बोर्ड का जिक्र किया है।

सारा अम्बाला जिला इसमें है। छछरौली और यमुना नगर के इलाके भी इस में शामिल हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं ये इलाके पिछड़े हुए है जिनमें 6 असैम्बलीज हल्के और 10 ब्लाकस आते हैं। ये केवल चन्द्र मोहन की बात करते हैं। बात बात में ये आदमपुर और कालका की बात कहते हैं कि सारा पैसा आदमपुर हल्के में लगा दिया, सारा पैसा कालका हल्के में लगा दिया। मैं इनको बनाना चाहता हूं कि मेवात विकास बोर्ड किसने बनवाया था, वह भी भजन लाल ने ही बनाया था। सारे प्रदेश में एक समान काम होते हैं, कही पर भी कोई भेदभाव का नाम नही है। इनको तो कालका और आदमपुर का फोबिया हो गया है। इनके पास कोई बात कहने के लिये है नहीं, इसलिये बार बार आदमपुर और कालका का जिक्र ये करते हैं। यह इनको पता है कि इनका दोबारा आना तो संभव नही है।

**प्रो० राम निवास शर्माः** उपाध्यक्ष महोदय, यहां सदन में बड़ी भारी बात हो रही है। चौधरी अमर सिंह बोलते हैं तो कहते हैं कि अगली बार वह नहीं आएगा। मुख्य मन्त्री जी बोलते हैं तो कहते हैं कि अगली बार वह नही आएगा। पता नही किस प्रकार ये लोग भविष्यवाणियां कर रहे हैं। भविष्यवाणियां करना तो केवल ब्राहम्ण का काम है और मैं ब्राहमण होने के नाते जानता हूं कि अगली बार कौन आएगा और कौन नहीं आएगा। ये लोग तो ऐसी बात नहीं कर सकते। (हंसी )

**बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह ):** उपाध्यक्ष महोदय, इनको खुद को पता नही कि कौन क्या जानता है। मैं 1991 के इलैक्शन की बात करता हूं। (विघ्न ) यह तो पता नहीं कि पण्डित कौन है। चुनाव से पहले ये कहा करते थे कि चौटाला साहब जीत कर नहीं आएंने लेकिन वे चुनाव जीत कर आए। उस वक्त 3 पार्टियों का मुकाबला था। कांग्रेस पार्टी जिसके अध्यक्ष चौधरी बीरेन्द्र सिंह थे, जनता दल जिसका अध्यक्ष मैं था और तीसरी पार्टी थी बी ० जे० पी ० उसके अध्यक्ष पण्डित जी थे। तीनों जगह जगह पर कहते थे कि वह नही आएगा और वह नही आएगा लेकिन तीनो ही चुनाव जीत कर आए।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहान:** उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि वह अपनी किसान विरोधी नीति को बदले। किसान को लैण्ड डिवैल्पमैंट बै कं से ट्रैक्टर खरीदने के लिये या कोई और चीन खरीदने के लिए अगर कर्जा लेना पड़ता है तो उसको उसके लिये शयर मनी जमा करवानी पड़ती है। मैं इनसे निवेदन करता हूं कि ये अपने रिकार्ड को देख लें कि एक किसान अगर 10 हजार रुपये की शेयर मनी जमा करवाए तो सात साल के बाद भी वह 10 हजार ही रहता है। उसको कोई सूद उस पैसे का नहीं मिलता है। सरकार से मेरा यह सुझाव है कि किसान को इस शेयर मनी पर इन्टैरस्ट मिलना चाहिए या उसको डिविडैंड दिया जाना चाहिए। यह किसान विरोध। सरकार किसान को इस पैसे का न तो कोई इन्ट्रैस्ट दे रही है और न ही

कोई शेयर मनी पर डिविडैड ही दे रही है। (विघ्न ) उपाध्यक्ष महोदय, बिजली केलिए किसानों को बड़ी परेशानियां हो रही हैं। बिजली मन्त्री कहते है कि बिजली मिल रही है लेकिन किसान के खेत तक बिजली नही पहुंच रही है। उपाध्यक्ष महोदय, भिवानी के तीन हल्कों के लोग चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी से कई बार मिले हैं और कहा कि वहां पर बिजली नही आ रही है। (घंटी )

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** आन ए प्यायट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो यह कहूंगा कि मुझे अढ़ाई या तीन महीने ही मन्त्री बने हुए हुए थे और मेरे पास श्री छतर सिंह चौहान और राम भजन अग्रवाल जी आए थे। इनके आते ही मैंने सबसे पहले यही सवाल पूछा कि अब बिजली की क्या हालत है। इन्होने जवाब दिया था कि बहुत बढ़िया है। उससे अगले दिन ही मैंने अखबार में छतर सिंह जी का ध्यान पढ़ा कि चौधरी वीरेन्द्र सिंह उद्योगपतियों के साथ मिल गया है और सारी बिजली वहीं पर जा रही है। आप चाहे तो राम भजन जी से पूछ ले। यह पढ़कर तो मैं चुप ही रह गया।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** उपाध्यक्ष महोदय, अभी चन्द्र मोहन जी ने बोलते हुए कहा था कि कालका में चार साल से तारे नहीं लगी हैं। जब उनका ही यह हाल है तो हमारा क्या होगा। उपाध्यक्ष महोदय, चाहे पीने का पानी हो चाहे सड़कें हों। इसकी तरफ इनको ध्यान देना चाहिए। अब जो सड्कों का महकमा है वह हमारे साथी अमर सिंह जी के पास है। पहले तो ये हमारी पार्टी

में थे पता नही किस लालच से वहां पर चले गए। अब तो सुना है कि ऐसा कर दिया है कि भिवानी से एक ट्रक रोड़ा का भरते है और रास्ते में थोडी थोड़ी गिराते जाते हैं और उस पर पत्ते वगैरह लगाते रहते हैं। इस तरह का तो काम हो रहा है। (घंटी )

**श्री उपाध्यक्षः** छतर सिंह जी, आपका टाईम खत्म हो गया है। अब आप बैठिए।

**चौधरी अमर सिंहः** उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे पास राम भजन अग्रवाल और छतर सिंह चौहान आए थे और कहा था कि सड़कें ठीक हैं। इन्होंने कहा था कि यहां तो हम यह कहेंगे कि ठीक है लेकिन हाउस में तो हम नहीं मानेंगे। अगर आपको विश्वास न हो तो आप राम भजन अग्रवाल जी से पूछ ले। (शोर )

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पी ० डब्ल्यू० डी ० मन्त्री जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि इनका जिला भी वहीं है और कास्टीचूऐंसी भी उसी में है। यह अलग बात है कि ये अपनी सुविधा के लिए पार्टी छोड़ कर चले गए। .....

**श्री उपाध्यक्षः** छतर सिंह जी जो भी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** .....

**श्री उपाध्यक्षः** छतर सिंह जी, आप 40 मिनट बोल चुके हैं। आप बैठ जाएं। आप जो कुछ भी बोल रहे हैं, वह अब रिकार्ड नहीं हो रहा है।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** .....

**श्री अध्यक्षः** मनीराम केहरवाला जी आप बोलें। (शोर एवं व्यवधान )

**प्रो० राम बिलास शर्माः** सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौहान साहब ने अपनी बात को कफ्लूयड नही किया था इसलिये मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि आप इनको इतना समय और दे दें कि ये अपनी बात को कंकल्यूड कर सकें।

**श्री उपाध्यक्षः** मैंने पहले ही इनका टाईम पांच बार बढ़ाया था और इनको बोलते हुए भी 45 मिनट हो गए थे।

**प्रो० राम विलास शर्माः** सर, आप तो उदार हैं। उस समय तो शिवालिक बोर्ड की ही बात चल रही थी, इसलिये आपको भी अच्छा लग रहा था। मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि चौहान साहब को अपनी बात को कंफ्लूड करने के लिंए थोड़ा समय और दे दें।. अगर इनको समय नहीं दिया गया तो यह आपके रहते हुए अच्छी परम्परा नही होगी?

**श्री उपाध्यक्षः** आपके कम्पलीमैंटस के लिए धन्यवाद। मैं तो स्वयं ही वहुत कैसी ड्रेट होता हूं और इंडलजैन्ट भी रहता हूं।

**प्रो० राम बिलास शर्माः** सर, हम तो यह बात स्वयं ही कह रहे हैं। इसलिये मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि आप इनको दो मिनट और बोलने के लिये समय दे दें।

**चौधरी भजन लालः** उपाध्यक्ष महोदय, आप चौहान साहब को दो मिनट और बोलने के लिये समय दे दें क्योंकि ब्राहमण की बात तो माननी ही पड़ेगी।

**श्री उपाध्यक्षः** अगर हाउस के नेता कह रहे हैं तो उनको पांच मिनट और बोलने के लिए दे देते हैं लेकिन वे अपनी बात इन पांच मिनट में ही समाप्त कर लें। उसके बाद केहरवाला जी बोलेंगे।

**प्रो० छत्तर सिंह चौहानः** सर, मैं अपनी बात पाच मिनट में ही कंकल्यूड कर लूंगा।

**प्रो ० राम बिलास शर्माः** उपाध्यक्ष महोदय, ब्राह्मण की बात कोई भी राजी खुशी से नही मानता। जो ब्राह्मण की बात मानता है वह चौन से रहता है और जो नहीं मानता है उसने दुख पाया है। इस बात का इतिहास भी गवाह है। (हंसी )

**प्रो० छत्तर सिंह चौहान** उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अपनी कांस्टीच्यूएंसी की कुछ मुश्किलात के बारे में कहना चाहूंगा। सरकार जो चार साल से कुम्भकरण की नीद सोई हुई है, उसके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं। पहली बात तो यह है कि हमारे जिले में जितने भी प्राईमरी हैल्थ

सैंटर्ज और सी एच०सीज० हैं उनमें डाक्टर्ज नहीं है। हमारे यहां एक प्राईमरी हैल्थ सैटर बौन्द में 1950 में बना था लेकिन सरकार के एक व्यक्ति के कहने पर उसको तोड़कर मानहेरू बना दिया। मैं मुख्य मन्त्री जी का धन्यवाद करता हू कि उन्होने हमें आश्वासन दिया है कि ये वहां पर दवाईयां और डाक्टर्ज भेजेंगे। इन्होंने जो कहा है उसे ये पूरा करेंगे। जो इन्होंने हमसे वायदा किया है, मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान इनको शक्ति दे कि ये अपने वायदे पर पूरे उतरें। सर, जितनी भी पी ०एच०सीज० हैं क्तमें डाक्टर नहीं हैं। कैद की पी ०एच०सी ० में दो डाक्टर थे लेकिन बहिन करतार देवी का एक नजदीकी व्यक्ति वहां से 6 महीने पहले डैपुटेशन पर रोहतक चला गया। इसी तरह से धनाना की पी ०एच०सी ० में एक डाक्टर है लेकिन वह भिवानी में ही रहता है। बौंद की पी ०एच०सी ० का डाक्टर रोहतक चला गया है क्योंकि उसको सरकार का वरदहस्त प्राप्त है। मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि भिवानी के जितने भी हैल्थ सैंटर्ज हैं या सिविल होस्पीटल हैं उनमें डाक्टर्ज और दवाईयां भेजी जानी चाहिए। उन होस्पटिलज की इमारतें भी टूटी पड़ी हुई है (विघ्न ) इसी तरह से मैं सरकार से पब्लिक हैल्थ के बारे में कहना चाहूंगा। मैं मुख्य मन्त्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि अप्रैल, मई और जून यानी तीन महीने तक रिवड़िख, महेन्द्रगढ़ एवं भिवानी में पीने के पानी का संकट रहता है। माननीय अमर सिंह जी जब हमारे साथ बैठते थे तब तो ये कहते थे कि वहां पर पीने का पानी नहीं है लेकिन अब इनकी तो प्यास बुझ गयी परन्तु लोगों

की प्यास नहीं बुझी। ( विघ्न ) मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे जिले मैं जो पानी का संकट है, उसको देखते हुए पीने के पानी का प्रबन्ध सरकार को करना चाहिए। जहां तक सड्कों की बात है, सड़कें टूटी पड़ी हैं। जब से यह सरकार आई है, कोई कानून–व्यवस्था नहीं है, जंगल राज है। सड़के टूटी पडी हैं, नहरें अटी पडी है। किसान विरोधी रवैया तो ऐसा है कि हमने आशा नहीं की थी कि सरदार हरपाल सिंह जी कृषि मंत्री हों और किसान की खेती मारी जाए और उनका उसकी तरफ ध्यान न हो। एजूकेशन के बारे में क्या प्रावधान किया है। हमारे जिले में 1991 से लेकर अब तक कोई स्कूल अप– ग्रेड नहीं हुआ। चौधरी अमर सिंह ने एक स्कूल अपग्रेड करवाया है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि स्कूलों का अपग्रेडेशन करते वक्त यह नही सोचा जाना चाहिए कि यह विरोधी पक्ष के एम०एल०ए० की कांस्टीच्यूएंसी है। इसके लिए क्राइटेरिया निर्धारित किया जाना चाहिए। अन्त में मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आज हरियाणा प्रदेश में जंगल राज है, कानून व्यवस्था का नाम नही है। नौकरियां बिकती है, आफिसर्ज बिकते हैं। इसमें व्यवस्था करके सुधार करें। धन्यवाद।

**श्री मनीराम (एलनाबाद, अनुसूचित जाति ):** उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। वित्त मन्त्री श्री मांगे राम गुप्ता जी ने एक शानदार गरीबों के उत्थान के लिए, किसान की दिक्कतों को छगन में रखते हुए और आम आदमी को जिस बजट से कोई दिक्कत महसुस न हो सके, उसको राहत मिले, ऐसा बजट

गुप्ता जी ने इस सदन में रखा है। मैं गुप्ता जी को बधाई देना चाहूंगा कि इतना शानदार बजट जो आपने मेहनत करके बनाया, हरियाणा के लोग उसको सराह रहे हैं। जो स्कीम, जो प्रोग्राम आज की सरकार ने हरियाणावासियों के लिए रखे हैं उनके लिए चौधरी भजन लाल जी की लीडरशिप में हरियाणा के विकास के लिए लगन से कोशिश की जा रही है जिसको सराहा जाएगा। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे विपक्ष के साथी जो आज की सरकार की यहां बुराई और आलोचना करते हैं, ये लोग दूसरे प्रदेशों में जाकर के यह स्कूल हैं कि हम तो चौधरी भजन लाल जी के साथी हैं। यहां प्रदेश में दाखिल होते ही और हाउस में आकर चाहे ये कुछ भी कहते हों लेकिन प्रदेश के बाहर जब ये किसी कमेटी के साथ जाते हैं तो यही कहते हैं कि हरियाणा के अन्दर जो चौधरी भजन लाल ने किया है वह सराहनीय है। जब प्रदेश से बाहर के लोग यह कहते है कि चौधरी भजन लाल जी की लीडरशिप में हरियाणा तरक्की कर रहा है तो ये उनकी हां में हां मिलाते हैं और बड़ी सराहना करते हैं। पहले जब चौधरी भजन लाल मुख्य मन्त्री थे तो मेवात का इलाका जो दिल्ली के साथ लगता है, वहां के पिछड़ेपन को देखते हुए इन्होंने मेवात विकास बोर्ड बनाया। उसके बाद में इस बार जब देखा कि यह जो इलाका हिमाचल और यू०पी ० के साथ लगने वाला है, चाहे सड़क के मामले में, चाहे शिक्षा के मामले में, चाहे पुलों के मामले में या आवागमन के साधनों के मामले में. वहां जो तरक्की की जरुरत है उस मामले में यह इलाका पिछड़ा हुआ है। इसको देखते हुए

इन्होंने शिवालिक विकास बोर्ड का गठन किया। मैं यह कहना चाहूंगा कि जो शिवालिक विकास बोर्ड का गठन किया गया है उसमें 10– 11 ब्लाक्स शामिल किये गये हैं। पूरी तरह से बजट के अन्दर इसके लिये काफी प्रावधान किया गया है, ताकि उस इलाके का विकास हो सके। लेकिन इन लोगों को यह तकलीफ इसलिये हो रही है कि श्री चन्द्रमोहन जी का थोड़ा सा इलाका उसमें शामिल है। शिवालिक विकास बोर्ड की बात जब आती है तो एक तरफ ये कहते हैं कि कालका का विकास क्यों हो और दूसरी तरफ बिजली के बारे में कहते हैं कि बिजली के कनैक्शनज नहीं हुए। मुझे समझ नहीं आता कि आखिर ये चाहते क्या हैं? डिप्टी स्पीकर साहब, आज अकेले हरियाणा की बात नहीं है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) 10– 15 साल पहले अगर एक घर में चार बल्ब होते थे तो आज उसी घर मे 40 बल्व हैं। आज उस घर में फ्रिज भी है, टी ०वी ० भी है और कपड़े धोने की मशीन भी है। दूध को बिलौने की मशीन भी है जिससे घर की मालकिन को काफी राहत मिलती है। यह सारा काम बिजली के कारण से ही हो रहा है। आज घर घर में ये सारी चीजें आपको मिलेंगी। ये जो लोग उधर बैठे है इनकी सरकार 1987 से 1990 तक लगभग चार पौने चार साल तक रही। इन्होंने एक भी ऐसा कोई बिजली का प्लांट सुधार के लिये नहीं लगाया था। इनके जमाने में हरियाणा के जितने बड़े बड़े उद्योग थे, वे सारे के सारे हरियाणा से बाहर चले गये थे। उस समय लोग ताहि–ताहि करते फिर रहे थे। फिर ये कहते हैं कि हमने किसानों की सुविधा के लिये बहुत कुछ

किया था। मैं इतना ही कह सकता हूं कि हरियाणा सरकार ने हरियाणा के अन्दर हर क्षेत्र में, चाहे वह मामला खेती से संबंधित हो, चाहे किसान से सबंधित हो, हर तरफ तवज्जह दी है और आगे भी यह सरकार इसके लिये कटिबद्ध रहेगी। काफी दिनों से बिजली के बारे में कहा जा रहा है कि ट्रिपिंग समस्या खत्म हो गई है। इस तरह से फील्ड के अन्दर आप देख लीजिए। एक सिस्टम से बिजली किसानों को दी जा रहीं है। किसी किस्म की कोई शिकायत नही है। फिर भी ये लोग बिजली के नाम से अपनी राजनीतिक रोटियां सेकना चाहे तो यह कहां का इन्साफ है। मैं तो इतना ही कह सकता हूं कि इस समय बिजली की पोजीशन बिछल हमारे ग्रिप में है जिसके लिये मैं चौधरी भजन लाल जी व चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को बधाई देता हूं। इसके साथ साथ मैं मुख्य मन्त्री जी से यह कहूंगा कि जिस तरह से उन्होंने हरियाणा के विकास के लिये मेवात विकास बोर्ड व शिवालिक विकास बोर्ड बनाये उसी तरह से जो हरियाणा के बौर्डर पर इलाके हैं, चाहे वह इलाका राजस्थान बौर्डर से लगता हो, यू०पी ० से लगता हो, पंजाब से लगता हो और चाहे दिल्ली के साथ लगता हो, जैसे मेरा अपना इलाका भी है, ऐसे इलाकों को पिछड़ा घोषित करके ऐसे ही बोर्ड विकास के लिये स्थापित किये जाएं ताकि वहां पर परिवहन, सड्कों, शिक्षा, पावर और दूसरी सुविधाएं लोगों को उपलब्ध करवाई जा सकें। इससे बोर्डर स्थित इलाकों को बहुत फायदा होगा। जिस इलाके को मैं रिप्रजैन्ट करता हूं वह इलाका राजस्थान से लगने वाला इलाका है। इस इलाके को हमारी आज

की सरकार ने साढ़े तीन व चार करोड़ के करीब पैसा दिया। इससे पहले इस इलाके के गांवों को दों–अढ़ाई हजार रुपये से ऊपर पैसा नहीं जाता था और उस पैसे का भी कुछ पता नहीं लगता था। आज उन्हीं गांवों में लाखों रुपए की ग्रांट जाती है। चाहे गांव कीं गलियां हों, स्कूल, पंचायत घरों के लिए या गांवों के चहुमुखी विकास के लिए आज की सरकार ने पूरी तरह से उन लोगों की मदद की है। फिर भी मैं चाहूंगा, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी यहां बैठे है। जैसे चन्द्र मोहन जी ने कहा था कि कई जगह पर ट्यूबवैल्ज के केवल केबल कनैक्शन हैं। मैं इन ट्यूबवैल्ज के मामले में कहना चाहता हूं कि हमारे इलाके में लोगों को 7– 8 साल से कनैक्शन नहीं मिले। आपकी जो सैल्फ फाईनैसिंग की स्कीम है उसमें कुछ पैसा जमा करवाना पड़ता है। पुरानी सरकार तो अपनी जेब में पैसा जमा करवाती थी लेकिन आज की सरकार बिजली बोर्ड में पैसा जमा करवाती है और उनकी रसीद देती है। उस रसीद से कनैक्शन की प्रियोरिटी बनती है। कुछ लोग ऐसे हैं जो इस स्की न के तहत पैसा नहीं दे सकते। उनके कनैक्शन सात आठ साल से पैंडिंग पड़े हैं पौर उनमें से भी कई कई केवल कनैक्शन हैं। तो मैं चौधरी वीरेन्द्र सिह जी को अर्ज करूंगा कि उनको भी इस साल में लेने का कष्ट कैर।

**श्री वीरेन्द्र सिंहः** अध्यक्ष महोदय, वैसे इस बारे में एक सवाल भी कहीं था पता नही वह आ सकेगा या नहीं। मैं बताना चाहता हूं कि मौजूदा सरकार ने यह प्रोग्राम बनाया है कि आने

वाले साल में हम 11 हजार ट्यूबवैल्ज को कनैक्शन देंगे। हम यह भी कोशिश करेंगे कि जो लगभग 26 हजार पैंडिंग रिपोर्टस हैं उन सभी को कनैक्शन दे दिए जाएं लेकिन उसके लिए धन की आवश्यकता पड़ेगी। अगर हमें कही से धन उपलब्ध हो गया तो हम 26 हजार टैस्ट रिपोर्टस जो पैडिंग हैं उन सब को कनैक्शन दे देंगे, यह सरकार ने फैसला किया है। लेकिन कमिट हमने 11 हजार कनैक्शनों का किया है। जहां तक सैल्फ फाइनैसिंग स्कीम का ताल्लुक है, वह नवम्बर, 1993 में चालू की गई थी, जो अब बन्द है। वह अब बन्द ही रहेगी उसको चलाया नहीं जाएगा। जो प्रियोरिटी लिस्ट बनी हुई है उसके हिसाब से ही 26 हजार टैस्ट रिपोर्टस का नम्बर आएगा।

**श्री मनी रामः** अध्यक्ष महोदय, एलनाबाद प्रोपर में 16 एम०वी ०ए० का ट्रांसफार्मर है और जीवन नगर मे भी 16 एम०वी ०ए० का है। इन दोनों से वहां के किसानों को राहत मिली है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि करीवाला एक गांव है और वहां पर ट्यूबवैल बैल्ट है। वहां पर भी एक 5 एम०वी ०ए० के ट्रांसफार्मर की जरूरत है। उसका पलिन्थ बन गया है लेकिन अभी ट्रांसफार्मर नही पहुंचा है। वह अगर पहुंच जाए तो आठ दस गांवों को फायदा हो जाएगा। इसी तरह से एलनाबाद में 132 एम०वी ०ए० का बिजली घर बनना है। उसको अगर जल्द बना दिया जाए तो बहुत अच्छा होगा। वह राजस्थान के साथ लगता हुआ इलाका है और वहां की जमीन बहुत उपजाऊ है। वहां पर बड़ी अच्छी फसल

होती है। वह जीरी का इलाका है और वहां पर नरमा और कपास भी बहुत अच्छी होती है। वहां पर इसकी पर एकड़ यील्ड 25 मन है। यानी दस क्विटल है। इस तरह का वह इलाका है। अगर वहां सरकार बिजली के मामले की समस्या दूर कर दे तो वहां का किसान प्रदेश और देश के लिए अनाज की समस्या को हल कैरन में सहायक हो सकता है। इसी तरह से सारे प्रदेश में सड्कों का काम चल रहा है। चाहे वह नैशनल हाईवे की फोर लेनिग करने की बात है चाहे स्टेट हाई वेज को चौड़ा करने की बात है। स्पीकर साहब, एक बार हम चण्डीगढ़ से दिल्ली जा रहे थे तो रास्ते में जो लोग जी०टी ० रोड को बनाने में लगे हुए थे उनसे हमने पूछा कि आप पिछले तीन चार साल कहां रहे तो उन्होने उस समय यह जवाब दिया कि अब यहां पर एक भले आदमी का राज आ गया है अब यह रोड इम साल में बन कररू तैयार हो जाएगा। उस समय मैंने उनको तसल्ली दी कि आप चिन्ता न करें अगली सरकार भी चौधरी भजन लाल जी की आएगी। उन्होने कहा कि यह

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं टूरिज्म पर कुछ बात कहना चाहता हूं। हमारे यही पर टूरिज्म काम्पलैक्स बन सकता है जिससे सरकार को आमदनी हो सकती है क्योंकि इस तरह का कोई काम्पलैक्स इस इलाके में नही है। अध्यक्ष महोदय, उद्योग धन्धों में हरियाणा प्रदेश बहुत आगे जा रहा है। दिल्ली के पास लगते हुए गुड़गांव, फरीदाबाद, सोनीपत और बहादुरगढ़ आदि में लोग अधिक से अधिक उद्योग लगाना चाहते है। यह बहुत ही अच्छी बात है। बाहर के लोग एन०आर०आई० हो चाहे वे विदेश के लोग हैं और चाहे वे अपने ही देश के लोग हैं वे अधिक से अधिक उद्योग हरियाणा में लगाना चाहते है क्योंकि हरियाणा में सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है। ला एण्ड आर्डर की स्थिति भी यहां पर बहुत ही अच्छी है। कोई भी उद्योगपति वहीं पर उद्योग लगाना चाहता है जहां पर ला एण्ड आर्डर की स्थिति अच्छी हो। हरियाणा में उद्योग लगने से हरियाणा के लोगों को भी फायदा होगा और इलाके का विकास भी होगा तथा हरियाणा के नौजवानो को रोजगार भी मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव है कि हर ब्लाक में उद्योग कुंज बनाए जाने चाहिएं। (घण्टी ) अध्यक्ष महोदय, मैं ककलूड कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, जो पटवारखाने

बनाए जाते हैं वे इसलिए होते हैं ताकि पटवारी वहा पर बैठ सके। किसी किसान को फरद लेनी है, इन्तकाल दर्ज करवाना है तो वह बेचारा पटवारी की तलाश में भटकता रहता है। अगर अधिक पटवारखाने बन जाएं तो उससे पटवारी को अपना काम करने में सुविधा होगी और किसानों को भी सुविधा मिलेगी। इस वक्त कुल 41 पटवारखाने हैं। मेरा यह सुझाव है कि हर असैम्बली हल्के में कम से कम 2 पटवारखाने अवश्य होने चाहिएं तभी इस समस्या का हल होगा और पटवारियों को बैठने के लिए जगह मिल पाएंगी। अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं बजट प्रस्तावो का समर्थन करता हूं तथा आपने मुझे जो बोलने का समय दिया है इसके लिये आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

**श्रीमती जानको दैवी मान ( इन्दरी ):** अध्यक्ष महौदय, जौ बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं, उन पर मैं अपने विचार रखने के लिये खड़ी हुई हूं। अपने हल्के की समस्याओं का उल्लेख करते हुए सबसे पहले मैं यह प्रार्थना करती हूं कि मेरे हल्के इन्दरी में लड़कियों और लड़कों के लिये पढ्ने के लिये कोई भी कालेज नही है। विशेषकर लड़कियों का कालेज न होने के कारण काफी दिक्कत होती है और उनको पढ्ने के लिये लाडवा या करनाल जाना पड़ता है। इन्दरी से करनाल 26 किलोमीटर पड़ता है और लड़कियों के माता–पिता लड़कियों को इतनी दूर पढ्ने के लिये नहीं भेजना चाहते हैं। इसलिये मुख्य

मंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि इन्दरी में इस वाई लड़कियों का कालेज जरूर बनवाएं ताकि लड़कियां भी शिक्षा प्राप्त कर सकें। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री जी के नोटिस में यह भी लाना चाहती हूं कि मेरे हल्के के कई गांवों के स्कूलों में कोई भी अध्यापक नहीं है। गांव बालों ने पैसे इकट्ठे करके बच्चों को पढ़ने का हुछ इंतजाम किया है। हनौरी, हैबतपुर, गडरिया आदि गांव वालों नैं अपने पैसे से स्कूल चला रखे हैं। वहां पर बच्चे भी 200 के लगभग हैं। अध्यापकों को भी वे पैसे इकट्ठे करके तन्ख्वाह देते हैं। इन गांवों में बहुत से गरीब आदमी रहते हैं। मैं सरकार से प्रार्थना करती हूं कि इन स्कूलो को मान्यता प्रदान करें ताकि गरीब बच्चे इन स्कूलों में पढ सकें।

अध्यक्ष महोदय, बिजली की हालत तो मेरे हल्के में बहुत खराब है। 6– 7 साल पहले के ट्यूबवैल्ज कनैक्शन बंद पड़े है उनमें लाईट इतनी डिम आर्तो है कि किसानो की मोटरे जल जाती हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं खुद भी किसान हूं, किसानों को बिजली नहीं मिलती तो उनको बहुत ही दिक्कत होती है। अध्यक्ष महोदय, बिजली के रेट तो 3 बार इन्होंने बढ़ा दिए हैं लेकिन किसानों को बिजली फिर भी नही मिलती है।

अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के की सभी सड़कें टूटी पडी हैं। वहां से एक कार भी आसानी से नही निकल सकती। करनाल और यमुना नगर में शूगर मिलें हैं। यमुना नगर में तो सिंगल रोड है

और किसानों को वहां गन्ना ले जाने में बहुरी दिक्कत होती है। कृपा करके मुख्य मती जी इन सड़कों को ठीक करवाए।

अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में मण्डी भी नही है और किसानों को सब्जियां बेचने के लिये दूर–द्र जाना पड़ता है। मुख्यमंत्री जी मेरे हल्के इन्द्री मे एक सब्जी मण्डी भी खोलने का कष्ट करे।

अध्यक्ष महोदय, ड्न्द्री के साथ यमुना दरिया लगता है और बरसात के दिनों में वहां पर ज्यादा पानी आ जाता है। उससे यमुना के साथ लगते गांवों में बहुत खतरा हो जाता है। गरीब किसानों की जमीन को खतरा हो जाता है। ऐसे कई गांव हैं जो यमुना के किनारे हैं जैसे कि चन्द्रांव, गड्ढी बीरबल, कलसौस, नवीयाबाग, जयती सफरा सईद–सफरा, शेर गढ़ और टापू इत्यादि हैं। मेरी मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि बरसात आने से पहले ही वहां पर ठोकरे लगवाएं ताकि किसानों की जान–माल का नुक्सान होने से बच सके। मुख्यमंत्री जी हर बार कह देते हैं कि ठोकरे लगाएंगे। आप मेरे साथ वहां पर चले और देखे। आप इनको ठीक करवाए। आप मुझे ये भी बताएं कि यह काम कब तक करवाएंगे। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करती हूं।

**चौधरी भजन लालः** बहन जी, आप सदन की अच्छी सदस्या हैं और आपकी सदन मे, बहुत ही गरिमा है। आपके यहां पर जो भी काम हॉने वाला होगा उसको हम जरूर करवाएंगे।

अध्यक्ष महोदय, अगला जो सैशन आएगा उसमें हम इनको बता देंगे कि इनके हल्के में हमने क्या–क्या काम करवाए है।

**श्री सुरजीत कुमार धीमान** (नारायणगढ़ ): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिये मैं आपका धन्यवाद करता हूं। एक बात मैं और कहना चाहता हूं कि मैं अपनी पार्टी का एक माल सदस्य हूं इसलिए मुझे बोलने का अधिक समय देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै इस विधान' सभा में नया सदस्य चुनकर आया हूं। चार साल

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

कि जगद्–जगह कट हुए हैं, घास उगी हुई है, थोड़ा पानी छोड़ते ही साफ। बहादुरगढ़ से 200 मीटर पीछे ड्रेन के साथ सिंचाई विभाग ने कनैक्शन कर रखा है। उससे पानी ड्रेन में चला जाता है, वह चीज बंद करो। बहादुरगढ़ की टेल तक की कैपेसिटी

उस नहर की बनाओ, यह मेरी आप से दर्खास्त है, उसके बगैर बात नहीं बनेगी। तमाम जो पानी जाता है, वह इसलिये छोड़ते हो क्योकि म्यूनिसिपल कमेटी के, हुड्डा के जो टैक है, वे उतना ही पानी देते हैं, बाकी उसमें से निकाल देते हो, रिलीज कर देते हो। अगर इस नहर की कपैसिटी बढ़ा दी जाए और मरम्मत करवा दी जाये, सफाई करवा दी जाये तो वह पानी बेकार नही जाएगा। इसलिये मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि सरकार इस काम में रुचि ले। कुछ माईनर्ज हमारे हल्के की हें, जैसे जसलाना माईनर है, उसको मैंने देखा है, उसमें काफी सफाई हुई है। वह बहुत पुरानी माईनर है उस के लिये लोगों की पुरानी डिमांड है कि इस माईनर को डसौरखेड़ी से रोहाना तक जिसमें तीन चार गांव आते हैं, जरूर मिला दें। यह काम अधूरा पड़ा है। काम शुरु तो हुआ था लेकिन बीच में किसी झझंटवश समाप्त हो गया। इसमें दो तीन गांवों का रकबा आता है जाकि लगभग दो तीन हजार एकड़ के करीब है। वह छोटी सी माईनर है इसको पूरा किया जाए।

इसी तरह से भादडू माईनर से पूना माजरा माहैनर का केवल दो किलोमीटर का ही रकबा है, सब माईनर है। वह सिर्फ नूना माजराखुर्द गांव व लोहाखुर्द गांवों को ही सराब करती है। वहां पानी की डिग्गी बनी हुई है जोकि तीन गांव को पानी सप्ताई करती है। उस डिग्गी में काफी पानी नही आता, बहुत कम आता है। जो लोगों ने डिग्गी के बीच में ट्यूबवैल्ज लगा रखे हैं, वहां से काफी लोग मरते हुए भी पानी भरते हैं, वहां का पानी मैंने खुद

पीकर देखा है। खारा बहुत तो नहीं लेकिन पानी में खारीपन तो अवश्य है, वह पानी पीने के काबिल नही है। इसलिये सरकार इस माईनर की ओर ध्यान दे। जब तक उस माईनर की कैपेसिटी को बहाया नही जाता, तब तक पानी की हालत ऐसे ही रहेगी। लोग परेशान रहेंगे।

इसी तरह से पुलहेड़ा डिस्ट्रीव्यूटरी से मांढोठी माईनर की लोगों की बहुत पुरानी मांग है। इसमें हमारा मांढोठी एक बड़ा गांव लगता है, उसका काफी रकबा इसमें आता है। वहां के लोग इस माईनर के कारण बड़े बेचौन हैं। जो डिस्टईराव्यूटरी उसमें से निकलती है, उस बारे में मैं चाहूंगा कि आप उसको पूरा करवाएं।

इसी तरह से जीनता माईनर से बामरौली माईनर, यह भी आपके कागजों में है। इस बारे में भी सरकार को पूरी जानकारी है। इसी तरह से बरौना माईनर है। उसमें हमारा एक आखिरी गांव सोहठी है जो कि सोनीपत में लगता है। इसी तरह से प्रलादपुर, किरौला वगैरह चार पांच गांव हैं जोकि हमारे सोनीपत हल्के में लगते है। इन का कोई बालीवारस नहीं है। यह सारा इन्तजाम करने का सिलसिला ही बिगड़ गया है। कोई विभाग इधर पड़ता है और कोई उधर पड़ता है। इस माईनर की इतनी जबरदस्त मांग थी कि जब मैं सोहठी गांव में गया तो कोई गांव ऐसा नहीं बचा था जिन का चूची पीता बच्छा भी उस वक्त मेरे से मिलने न आया हो। हजारों लोन इसके इलावा इसी माईनर के लिये मुझे मिलने आये थे। मैं आपको वहां लेकर के जाऊंगा तो

आप उन लोगों से मिल भी लेना जोकि इस माईनर के लिये बेचौन हैं। यह तो माईनर्ज की हालत थी जोकि मैंने बताई है। सरकार इनकी ओर ध्यान दे। इसके साथ साथ मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि जो पानी पहले बहादुरगढ़ में सात दिनों के लिये आता था उसको बढ़ाकर अब 10 दिन कर दिया जाए। इसी तरह से मैं स्कुलों के अप– ग्रेडेशन के बारे में कहूंगा कि किरौली बलातपुर का जो स्कूल है, वह कम से कम 30 साल पुराना है। इसको दस जमा दो कर दिया जाए। इसी तरह से कनौदा गांव है। यह बहुत बड़ा गांव है। वहां पर मैट्रिक का स्कूल है उसको भी दस जमा दो का कर दे। एक नया गांव है जो बोपोड़ से दो किलोमीटर है। वहां पर आठवीं तक का स्कूल है, उसको मैट्रिक तक कर दे। मैं एक वात मुख्य मंत्री जी से जरूर कहना चाहता हूं कि मुंढाल तक के एरिया की किसानों की जिन्स सारी नजफगढ़ और नरेला की मंडी में आने लग रही है। दूसरी तरफ झज्जर, रोहतक, बहादुरगढ़ और सापला की मंडियां बेकार पड़ा हैं। वहां जिन्स जाने का कारण यह है कि नरेला और नजफगढ़ की मंडियों में हमारी मंडियों से टैक्स का फर्क है। वे लोग चार महीने के बाद किसानों को पैसा देते हैं फिर भी इन दोनों मंडियों के बाहर और अन्दर ट्रैक्टरों की लाइन लगी रहती है। तो यह जो टैक्स का फर्क है इसको एक जैसा किया जाए। पहले बहादुरगढ़ और सांपला की मंडियां बहुत बढ़िया थी लेकिन अब टैक्स में पार्क होने की वजह से किसान अपनी जिन्स वहां ले जाते है। वहां ले जाने से किसान को तीन चार रुपए क्विंटल का फर्क पड़ता है। अगर उस टैक्स

को एक जैसा कर दिया जाए तो सरकार की आमदन भी बढ़ सकती है। अब मैं सड्कों के बारे में कहना चाहता हूं। सड़को के बारे में हमें इतनी शर्म आती है कि कोई हद नही। हमारे एरिया की सड़कें तो टूटी फूटी हैं लेकिन दिल्ली के एरिया की सड़कें बहुत बढ़िया हैं। इसलिये मैं आपसे दर्खास्त करूंगा कि जितनी भी हमारी बोर्डर की सड़कें हैं उनकी रिपेयर की जाए। जैसे लकराव से सोहरटी, सोहरटी से नरेला और सोहरटी से कुतबगढ की सड़कें हें इनकी रिपेयर की जाए। स्पीकर साहब, बहादुरगढ़ एक इंडस्ट्रियल एरिया है। वहां पर एक 33 के० वी ० का ट्रांसफार्मर पहले का मंजूर हुआ पड़ा है लेकिन वह अभी तक लगा नहीं है। इसी तरह से अगर जसौर खेड़ी में भी 33 के०वी ० का ट्रांसफार्मर लग जाए तो उससे 15–20 गांवों को फायदा हो सकता है। ऐसा होने से वहां कर 150–200 इंडस्ट्रीज भी और आ जाएंगी। वहां पर ट्रांसफार्मर की कमी है, अगर वह चीज हो जाती है तो एक बहुत अच्छा सिलसिला हो जाएगा। अस्पतालों के बारे भी मैं कहना चाहता हूं। एक प्राइमरी सैंटर छारा गांव में है जो बादली हल्के में है। बहादुरगढ़ में सिविल अस्पताल है। वहां पर दस डाक्टर हें और दसों में होड़ लगी हुई है कि कौन ज्यादा कमाए। उनमें एक डाक्टर ईमानदार है। बाकी डाक्टरों के मामने यदि कोई लडाई झगड़े का केस आ जाता है तो वे उन लोगों से कमाई करने के लिये गधे की तरह लपकते हैं। उनसे पैसा ऐंठने के लिये उनके पीछे भागते हैं। मैंने इतने बेशर्म डाक्टर आज तक नही देखे हैं। इतने बदतमीज डाक्टर आज तक नहीं देखे। मुख्य मंत्री जी आपने

बहादुरगढ़ में एक पब्लिक मीटिंग में बहादुरगढ़ के होस्पीटल को 100 बैड का करने के लिये कहा हुआ है। जिस जमीन को इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट वालों ने जिद्द करके रोक रखा था वह जमीन अब हैल्थ डिपार्टमैंट को ट्रांसफर हो गई है। अब वह सारा सिलसिला तैयार है इसलिये मैं मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि आप वहां जा करके उस होस्पीटल को 100 बैड का बनाने के लिये स्टोन रख करके आएं। मैं वहां के लोगों को कह करके आया हूं कि इस होस्पीटल को 100 बैड का करवाने के लिये हम मुख्य मंत्री जी से स्टोन रखवाएंगे। आखिर में मैं यह बात जरूर कहूंगा कि उन डाक्टरों का जरूर कोई न कोई ईलाज करें। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

## सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन

**सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदीश नेहरा ):** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन से अर्ज करना चाहूंगा कि कल के नान ओफिशियल डे के बारे में सदन ने यह फैसला किया है कि उस को ओफिशियल डे में कन्वर्ट कर दिया जाए ताकि जिन सदस्यों को अपने हल्के की बातें कहने का टाईम नहीं मिल पाया है उनको अपनी बातें कहने का टाईम मिल जाए। लेकिन हमारे विपक्ष के सदस्य इस बारे में ज्यादा सीरियस नहीं है क्योंकि उनकी कुर्सियां खाली पड़ी हैं, वे सारे आए ही नहीं हैं। स्पीकर साहब आपने और मुख्य मन्त्री जी ने इनके कहने पर दो दिन का सैशन और बढ़ाने

का फैसला किया था लेकिन अब उसका कोई औचित्य नही है क्योंकि अब नान औफिशियल–डे औफिशियल–डे मे कन्वर्ट हो गया है। इसलिये माननीय सदस्यों को अपनी बातें कहने के लिये एक दिन और मिल गया है। स्पीकर साहब मैं आपकी इजाजत से एक मोशन मूव करना चाहता हूं। जो टाईम टेबल बिजनैस एडवाइजरी कमेटी फिक्स करती है, वह सदन करे। मैं आपकी इजाजत से एक मोशन ला रहा हूं उसको कंसिडर किया जाए।

**Mr. Speaker :** Permission is granted to move the motion.

**Ch. Jagdish Nehra :** Sir, I beg to move -

That the Business of the House shall be conducted as follows on 23rd and 24th March, 1995--

| | | |
|---|---|---|
| Thursday, the 23rd March, 1995 (9.30 A.M.) | | Questions Hour. |
| | | Presentation of Assembly Committee Reports. |
| | | Discussion and voting on Demands for Grants on the Budget Estimates for the year 1995-96. |
| | | LegislativeBusiness.. |

| | | |
|---|---|---|
| Friday, the 24th<br><br>March, 1995 (9.30 A. M.) | | Questions Hour. |
| | | Motion under Rule 15, regarding non-stop sitting. |
| | | Motion under Rule 16, regarding adjournment of the Sabha sine-die. |
| | | Presentation of Assembly Committee Reports. |
| | | Appropriation Bill in respect<br><br>of Supplementary Estimates for the year 1994-95. |
| | | Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 1995-96. |
| | | Legislative Business. |
| | | Official Resolutions. |
| | | Any other business. |

**Mr. Speaker :** Motion moved—

That the Business of the House shall be conducted as follows on 23rd and 24th March, 1995—

| | | |
|---|---|---|
| Thursday, the 23rd March, | | Questions Hour. |

| | | |
|---|---|---|
| 1995 (9.30 A.M.) | | |
| | | Presentation of Assembly<br>Committee Reports. |
| | | Discussion and voting on<br>Demands for grants on the Budget Estimates for the year 1995-96. |
| | | Legislative Business. |
| Friday, the 24th<br>March, 1995. (9.30 A.M.) | | Questions Hour. |
| | | Motion under Rule 15, re-<br>garding non-stop sitting. |
| | | Motion under Rule 16, re-<br>garding adjournment of the Sabha sine-die, |
| | | Presentation of Assembly<br>Committee Reports. |
| | | Appropriation Bill in respect<br>of Supplementary Estimates |

| | | |
|---|---|---|
| | | for the year 1994-95. |
| | 6 | Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 1995-96. |
| | 7. | Legislative Business. |
| | 8 | Official Resolutions. |
| | 9. | Any other business. |

**श्री सतबीर सिंह कादयान** ( नौल्था ) स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर से और चीफ मिनिस्टर से कहना चाहूंगा कि जिस तरीके से नाम औफिशियल–डे को औफिशियल–डे में कन्वर्ट करने की बात कही गई थी, वह तो समझ में आ गई थी कि शिक्षा के प्रस्ताव पर काफी बहस लै चुकी थी। हमने यह सोच समझकर हा भरी थी कि मैम्बरों को डिमांडज पर बोलूने का ज्यादा समय मिल पायेगा। ( शोर ) इस आश्वासन के पीछे इनकी साजिश क्या थी, यह समझ से बाहर थी। अब इस साजिश के तहत ये 27–28 तारीख का सैशन खत्म कर रहे हैं, यह अच्छी बात नहीं है। (शोर ) आज किसी कारण से मेम्बर नहीं आ पाये, उनको कोई काम हो गया होगा। घर के भी कई काम हो सकते हैं। मैम्बरों के जजबात का ध्यान रखिए। दूसरे मैम्बरो को बोलने का मौका दिया जाना चाहिये। सरकार जो प्रस्ताव ला रही है इसको वापस लेना चाहिये। धन्यवाद।

**प्रो० राम बिलास शर्मा** (महेन्द्रगढ़ ): अध्यक्ष महोदय, इस समय नेहरा साहब जी बड़ा अजीब सा प्रस्ताव ले आए हैं। दो दिन का सैशन बढ़ाने की बात जब आई तो चीफ मिनिस्टर मान गए। बी० ए० सी ० की मीटिंग हुई और आपने दो दिन का सैशन बढ़ाने की सूचना दी। वह प्रस्ताव खुद नेहरा साहब लेकर आए थे। अब दो दिन का सैशन जो बढ़ाया गया था उससे कोई बहुत बड़ा फर्क षडुने वाला नही था। हाउस की एक परम्परा ये है कि ऐसा कोई प्रस्ताव लाने से पहले बी ०ए०सी ० की बाकायदा मीटिंग होती है और उस मीटिंग की रिपोर्ट को सदन मे रखा जाता है, तब कही बहस आदि होने के बाद उस पर कोई फैसला होता है। इसलिये हाउस की परम्परा को ध्यान में रखते हुए बी ०ए०सी ० की मीटिंग बुलाई जानी चाहिये, तब जाकर कोई फैसला लेना चाहिये। यहां पर अभी बहुत से मैम्बरों ने बोलना है। यहां पर सजपा के सदस्य है, हरियाणा विकास पार्टी के सदस्य हैं और बी ०जे ०पी० भी मौजूद है। इन सब का ध्यान रखा जाना चाहिये। अब आप देखिए कांग्रेस की तरफ से भी बोलने वाले बहुत से लोग हैं। कल चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने बहुत अच्छे सुझाव दिए और आज सूरजमल जी ने भी अच्छे सुझाव दिए। बहन शांति देवी जी ने बड़ी पीड़ा दायक बात की। मेरे हल्के में भी न तो पीने का पानी हमें मिलता है और न बिजली के कनैक्शन दिए जा रहे है। अध्यक्ष महोदय, जिस दिन बजट पास होता है उस दिन फाईनैस मिनिस्टर भोजन देते है। 15 साल से इम पहली बार देख रहे हैं, क्या यह कोई नई परम्परा शुरु करने जा रहे हैं? हो सकता है इ

नको आशंका रही हो कि रवाने पर शायद लोग नही आएगे इसलिये लोगों को इन्वाईट करने के लिये इ न्होंने नई कन्वैशन डाल कर भोजन के साथ रागनी का प्रोग्राम भी रख दिया। (हंसी ) स्पीकर साहब, मेरी हम्बल सबमिशन है कि हाउस की कार्यवाही का एक सैट प्रोसीजर है। जो इसका बिजनैस है वह रूल्ज के तहत चलता है। इसलिये इस प्रस्ताव को यहां लाने से पहले इसे बिजनैस एडवाईजरी कमेटी के सामने रखा जाता, वह उस पर पुनर्विचार करती है, तब यह हाउस में आता है। इस प्रकार की प्रथा पहले कभी नहीं रही है। अध्यक्ष महोदय, सरकार यह प्रस्ताव ले कर आई है और ब्रूट मैजोरिटी के आधार पर यह उस को पास भी करवा लेंगे, सरकार ऐसा कर सकती है। मेरी सबमिशन है कि सरकार इस प्रस्ताव को वापिस ले। अगर यह प्रस्ताव लाना ही है तो बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की तरफ से दोबारा परपोजल होनी चाहिये। (विघ्न )

**प्रो ० छतर सिंह चौहान** (मुढाल खुर्द ): अध्यक्ष महोदय, राम बिलास शर्मा जी ने जो विचार व्यक्त किए है मैं उनसे सहमत हूं। स्पीकर साहब, बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की मीटिंग नही बुलाई गई है। बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी ने जब एक बिजनैस निर्धारित कर दिया, उसके अनुसार ही हाउस की कार्यवाही चल रही है। हम आपसे तो यह अपेक्षा करते पै कि आप इस बारे में हमारे हितों का ध्यान रखेगे। स्पीकर सर, मैं आपका ध्यान पिछले वर्ष हुई आल इण्डिया प्रिजाईडिंग आफिसर्ज कान्फस की ओर

दिलाना चाहता हूं। पिछले साल उसकी जब बैठक हुई थी तो उसमें असैम्बलीज के सिस्टम पर चर्चा चली थी। आल इण्डिया प्रिजाईडिंग आफिसर्ज कान्फ्रैंस की बैठक में आपने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि विधान सभा का सैशन कम से कम 90 दिन इन दि इयर चलाया जाएगा। 90 का सुझाव तो आपका ही था आप उसको ही विचार मे रखें (विघ्न )

**श्री अध्यक्षः** मैंने 90 दिन नहीं कहा था, मैंने 30 दिन कहा था क्योंकि और भी काफी काम होतै हैं, जैसे कमेटीज की मीटिंग होती हैं। (विघ्न )

**प्रो ० छतर सिंह चौहानः** स्पीकर सर, आप हमारे अधिकारों के रक्षक हैं। आप सैशन की अवधि 30 दिन ही मान लें। इस साल आप खुद देख लें कि कितने दिन सैशन चला है। मैं पूरी हरियाणा विकास पार्टी की ओर से 2 दिन सैशन की अवधि कम करने का विरोध करता हूं। इन दोनों दिनों सैशन चलना चाहिए ताकि हर एम ० एल० ए ० अपने हल्के की बात कह सके। पीछे गवर्नर एड्रैस पर मुझे बोलने का मौका ही नहीं मिला। अगर दो दिन 'सैशन और चलेगा तो सभी साथियो को बोलने आ मांका मिलेगा। समाजवादी पार्टी के लोग अगर आज चले गए है, हमारे लोग तो बैठे हैं। सरकार के खिलाफ जो विरोध हो रहा है सरकार उससे डर कर सैशन का काम बन्द कर रही है। (विघन ) अध्यक्ष महोदय, सरकार बूट मेजोरिटी का फायदा उठा कर इस प्रस्ताव को पास भी करवा लेगी लेकिन इस बारे में सरकार का

नजरिया एप्रिशियेबल नहीं है। इसलिए इस प्रस्ताव को सरकार को वापिस ले लेना चाहिए। मैं निवेदन करता हूं कि यह हरियाणा के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं और इस प्रकार से जनता की आवाज को दबाना चाहते हैं और प्रजातान्त्रिक अमूलों को तोड़ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि 2 दिन के लिए हाउस की कार्यवाही को बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी दारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार चलाएं और यदि ऐसा प्रस्ताव लाना ही है तो फिर इसको पहले बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी में पुनर्विचार के लिए रखें। जो फैसला बी ० ए० सी ० कर देगी वह। होना चाहिए। लेकिन ऐसा लगता है कि सरकार बहुमत के आधार पर हम लोगों के अधिकार हनन करना चाहती है। इसलिए आप हमारी रक्षा करे और हमारे अधिकारो को बचाएं।

## बैठक का समय बढ़ाना

**श्री अध्यक्षः** अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय आधा घण्टा और बढ़ा दिया जाए।

**आवाजें:** ठीक है जी।

**श्री अध्यक्षः** बैठक का समय आधा घण्टा और बढ़ा या जाता है।

## सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन (पुनरारम्भ)

**मुख्य मन्त्री** (चौधरी भजन लाल ): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने जैसे बात कह दी कि असैम्बली 28 तारीख तक ही चलनी चाहिए। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि सदन पहले ही 24 तारीख तक था। बीच में चौधरी बंसी लाल और चौधरी सम्पत सिंह जी ने कह दिया कि टाईम बढ़ा दिया जाए तो हमने भी कह दिया कि इसमें कोई दिक्कत नहीं है और न ही इस सरकार को किसी किस्म का खतरा है। हमने दो दिन बढ़ा दिया। अध्यक्ष महोदय, इन मैम्बर्ज की रूचि तो आपके सामने ही है। यह इनकी हाजिरी से ही अन्दाजा लगाया जा सकता है। कल जो प्रस्ताव पेश किया गया था उस पर लगभग सभी ही बोल चुके हैं। अब बार बार उस बात को रिपीट करें, इस बात का कोई माईना नहीं है। जितने भी सुझाव आने थे वे आ चुके हैं। दूसरा प्रस्ताव तो तभी आ सकता है जब ये उसको वापिस लें, जो इन्होंने रखा है। अब छत्तर सिंह चौहान जी बैठे हुए हैं वे भी इस प्रस्ताव पर बोल लिए हैं। राम बिलास शर्मा जी तो सवा लाख हैं, ये भी बोल लिए हैं और एस० जे० पी ० के भी लगभग सभी सदस्य बोल चुके हैं। आज के बाद अध्यक्ष महोदय, दो दिन और है और जो सदस्य अब तक नहीं बोले उनमें से बजट पर बोल सकते हैं। अगर जरूरी हुआ तो सदन का टाईम भी बढ़ाया जा सकता है। एक इन्होंने ऐसी बात कह दी। छत्तर सिंह जी, चौधरी बंसी लाल जी जब मुख्यमंत्री थे और मैं मली था तो मुझे इस बात की जानकारी है कि ये 48 घंटे में सारा बजट पास करके भाग जाते थे।

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** क्या आपने उनको इस बारे में कहा था। आपको तो मंत्री पद का लालच था।

**चौधरी भजन लालः** आप क्या बात करते हैं। किसी ने खागड से पूछा कि छेरे क्यों करते हो। उसने कहा कि बई गऊ का जाया हूं। फिर पूछा कि दडूके क्यों है तो वह बोला खागड हूं। अध्यक्ष महोदय, अगर काम हो तो हम सात दिन और बढ़ा सकते हैं और बढ़ाने के लिए तैयार भी हैं। अध्यक्ष महोदय, इनको पता नही कि कितना पैसा खर्च हो जाता है। इसलिए हम यह प्रस्ताव लाए हैं और अध्यक्ष महोदय, आप इसको पास कर दें। अध्यक्ष महोदय, अगर बी ० ए० सी ० में कोई फैसला हो जाए और यह सदन चा हे कि इसको नहीं करना है तो उसको नहीं किया जा सकता।

## वाक आउट

**विरोधी पक्ष की आवाजेंः** अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारी बात नही मानते है तो हम सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित सभी विपक्ष के सदस्य, जनता पार्टी, हरियाणा विकास पार्टी, भारतीय जनता पार्टी तथा असम्बद्ध सदस्य सदन से वाक आउट कर गए )

## सदन के कार्यक्रम में परिवर्तन (पुनरारम्भ )

**Mr. Speaker :** Question is—

That the Business of the House shall be conducted. as follows on 23rd and 24th March, 1995—

| | | |
|---|---|---|
| Thursday, the 23rd March, 1995 (9.30 A.M.) | 1. | Questions Hour. |
| | 2. | Presentation of Assembly Committee Reports. |
| | 3. | Discussion and Voting on Demands for Grants on the Budget Estimates for the year 1995-96. |
| | 4. | LegislativeBusiness. |
| Friday, the 24th March, 1995 (9.30 A.M.) | 1. | Questions Hour. |
| | 2. | Motion under Rule 15, re-garding non stop sitting. |
| | 3. | Motion under Rules 16, regardiug ad j o urn ment of the Sabha Sine-die. |
| | 4. | Presentation of Assembly Committee Reports. |

| | | |
|---|---|---|
| | 5. | Appropriation Bill in respect of Supplementary Estimates for the year 1994-95. |
| | 6. | Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 1995-96. |
| | 7. | Legislative Business. |
| | 8. | Official Resolutions. |
| | 9. | Any other business. |

The motion was carried.

## वर्ष 1995–96 के बजट पर सामान्य चची (पुनरारम्भ )

**वित्त मन्त्री (श्री मांगे राम गुप्ता ):** अध्यक्ष महोदय, आपके आदेश के मुताबिक 1995– 96 के बजट अधिवेशन की 6 मार्च को कार्यवाही चली। नियम के अनुसार वजट अधिवेशन के पहले दिन प्रदेश के राज्यपाल महोदय का अभिभाषण शुरू होता है। उसमें यह होता है कि जो साल हम पूरा करने जा रहे हैं तो उस साल में सरकार ने अपने प्रदेश की जनता के लिए क्या क्या सुविधाएं, क्या क्या नीतियां अपनायी हैं और क्या क्या कार्य किए हैं, इसकी रूपरेखा तथा अगले साल में सरकार हरियाणा की जनता के लिए क्या करने जा रही है, की रूपरेखा दर्शायी जातीं है। इस पर दोनों तरफ के माननीय सदस्यों ने, ट्रेजरी बैचिज की तरफ से भी और विरोधी पक्ष के बैचिज की तरफ से भी चर्चा में

भाग लेते हुए इस बात की सराहना की कि आज की यह सरकार हरियाणा की जनता के हर वर्ग के लिए अपनी नेक नीति से सब का भला करना चाहती है। कुछ विरोधी पक्ष के भाईयों ने अपने स्वभाव के अनुसार इसका विरोध किया। इन सभी मसलों पर आदरणीय मुख्य मती जी ने बड़े विस्तार से एक एक मुद्दे का पूरी तफसील से जवाब दिया और इस सदन की पूरी तसल्ली की गयी। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि आपके आदेश के मुताबिक हमने 13 मार्च को बजट पेश किया। हमने उन्ही रूपरेखा को लेकर जो राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में दर्शायी थी, बजट पेश किया है। अपने प्रदेश से हम रिसोर्सिज पूरी कोशिश के साथ जुटाते हैं तो वह हरियाणा की जनता के लिए किस प्रकार से खर्च किए जाए, किस किस मुद्दे पर खर्च किए जाएं, उसका डिस्ट्रीब्यूशन ऐस्टीमेटेड बजट के द्वारा मैंने 13 तारीख को इस सदन में पेश किया। अध्यक्ष महोदय' कोई भी बजट चाहे वह प्रदेशों के हों या केन्द्र का हो तो वह फरवरी या मार्च में ही पेश होता है। हमने भी 13 मार्च को करीब 6 हजार करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। हमने सिर्फ 14 68 करोड़ के घाटे का ही बजट इस हाउस में प्रस्तुत किया है। इस बजट की प्रतिक्रिया प्रदेश की जनता में क्या हुई, वह लोगों की आवाज का पैरामीटर प्रैस के द्वारा अखबारों में छपा है। विरोधी पक्ष के भाई तो चाहे अखबारों में कुछ भी कहे लेकिन जनता की तरफ से प्रैस में किसी ने भी बजट क्य विरोध नही किया बल्कि सबने सराहना ही की है। जो लोगों की प्रतिक्रिया प्रैस में आई है उसको मैं आपको दिखा सकता हूं।

चौम्बर्ज आफ कामर्स एण्ड इडस्ट्रीज का लैटर, व्यापार मंडल का लैटर और हरियाणा प्रदेश की जनता से ही नहीं बल्कि दूसरे प्रदेशो से भी हमारे पास बहुत से लैटर्ज आए हैं 1 उन्होंने कहा कि यह तो हरियाणा सरकार के बजट का कमाल है कि वह 6 हजार करोड़ रुपये का बजट सदन में पेश कर रही है जिसमें कोई टैक्स भी नहीं है और घाटा भी सिर्फ 15 करोड़ रुपये से कम है। अध्यक्ष महोदय, कल ही आपने देखा होगा कि हिमाचल प्रदेश जो एक छोटा सा प्रदेश है, वहां के मुख्य मन्त्री ने बजट हाउस में पेश किया। वह बजट दो हजार करोड़ रुपए का है लेकिन उसमें 461 करोड़ रुपये का घाटा पेश किया गया है। अगर मैं गलती पर नहीं हूं तो 25 प्रदेशों में हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जिमने अपने साधन मैक्सिमम जुटाए और खर्च पर कंट्रोल किया। हरियाणा एकमात्र ऐसा प्रदेश है जहां 6 हजार करोड़ रुपये के बजट में सबसे कम घाटा है। अध्यक्ष सहोदय, विरोधी पक्ष के लीडर आज नहीं है, बोलकर चले गए। चौधरी बंसी लाल जी भी एक पार्टी के लीडर हैं, वे भी आज हाउस में नही हैं। उन्होंने जो बात राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर कही, तकरीबन उन्ही बातों को बजट पैर बोलते हुए दोहराया और ऐसे मुद्दे उठाए जिनका बजट से कोई विशेष संबंध नही था। जहां तक मैं समझ पाया हूं, उनकी सेहत का एक राज है। आदरणीय मुख्य मंत्री जीं उनके कारनामों के बारे में जानते हैं और बहिन चन्द्रावती भी काफी पुरानी मैम्बर हैं, वे भी उनको जानती हैं। जब तक उनको डोज न दिया जाए, तब तक उनकी सेहत बढ़ती नही। .....

**श्रीमती चन्द्रावतीः** .....

**प्रो० छतर सिंह चौहानः** अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री अनपार्लियामैंटईरा लैग्वेज बोले यह शोभा नही देता। (शोर एवं व्यवधान ) ऐसी भाषा बोलोगे तो नहीं बोलने देंगे। (शोर )

**श्री अध्यक्षः** ठीक है, ये बातें रिकार्ड पर नहीं आएंगी।

**प्रो० राम बिलास शर्माः** अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। मुख्यमंत्री जी ने कल बहस का जवाब दिया है और बीच–बीच में जिस विभाग से संबंधित मुद्दे उठे उनका जवाब वीरेन्द्र सिंह जी ने भी दिया। मेरी वित्त मती जी से गुजारिश है कि उनके लिए तो सिर्फ रस्म अदायगी ही बाकी छोड़ी है। बजट की बहस का जवाब तो मुख्यमंत्री जी दे ही चुके हैं।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, एक बात आपने भी सुनी है कि मुख्य मंत्री जी ने बंसी लाल जी से कहा कि न तो आप बीड़ी पीते हो, न सिगरेट पीते हो लेकिन आप लोगों का खून जरूर पीते है। तो खुद खड़े होकर उन्होंने माना.. (शोर एवं व्यवधान )

अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी यहां पर बैठे नहीं हे। उन्होंने कुछ ऐसे इशू इस हाउस में रेज किये, मैं उनका जवाब देना चाहता था। (शोर )

**शिक्षा मन्त्री (श्री फूल चन्द मुलाना ):** अध्यक्ष महोदय, 1970 की बात है, बजट पर हाउस में चर्चा हो रही थी। मरहूम सदस्य चौधरी मेहर चन्द बोलते हुए चौधरी बंसीलाल जी की तारीफ कर रहे थे और कहने लगे कि बंसीलाल न तो बीड़ी पीवे, न सिगरेट पीवे, न शराब पीवे तो बीच में से उठकर चौधरी प्रताप सिंह दौलना जोकि टेढ़े से होकर बैठे हुए थे, बोले ठीक है बंसी लाल न तो सिगरेट पीवे, न बीड़ी पीवे, ये तो हमारा खून पीवे।

**चौधरी भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि जब वित्त मन्त्री महोदय जवाब दे रहे हो तो बीच में मैम्बर्ज न टोके। आप इस बारे में इन्हें कह दें।

**श्री मांगे राम गुप्ता:** चौधरी बंसी लाल जी ने बोलते हुए माईनज का जिक्र भी कर दिया कि हरियाणा की माईनज प्राईवेट सैक्टर में न दी जाएं तो बहुत बड़ा सरकार को लाभ होगा। एक उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा से पंजाब की ओर जो किसान गन्ना ले जाना चाहते हैं, उस पर हरियाणा सरकार रोक लगा रही है। दूसरा उन्होने यह भी कह दिया कि करनाल के अन्दर किसानों को जो पैड़ी का बीज दिया गया, वह खराब होने के कारण किसानों को नुक्सान हुआ। एस० वाई० एल० व यमुना वाटर समझौते के बारे में भी उन्होंने यहां पर दोबारा जिक्र किया जबकि इसकी गवर्नर एड्रैस पर चर्चा हो चुकी थी। लेकिन फिर भी मैं हाउस को यह बतलाना चाहता हूं कि मुख्यमन्त्री महोदय ने दोबारा इन सब बातों के बारे में ,जिनका बजट से कोई सम्बन्ध नहीं था,

विस्तार से जवाब दिया। चौधरी बंसी लाल जी ने खुद कहा था कि इस का जवाब मुख्यमन्त्री महोदय दें। इसलिये उनकी सारी बातों का मुख्यमन्त्री महोदय ने विस्तार से जवाब दिया जिससे सारे सदन को तसल्ली हो गई। इसलिये मैं इन सारी बातों को दोबारा यहां पर दोहराने की कोई आवश्यकता नहीं समझता जबकि मुख्यमन्त्री महोदय ने विस्तार से जवाब दे दिया है। एस० वाई० एल०, यमुना वाटर के समझौते, किसानों के गन्ने के बारे में, ला एण्ड आर्डर के बारे में मुख्य मन्त्री महोदय ने स्पष्ट शब्दों में विस्तार से इस हाउस को बता दिया है और उन्होंने कहा कि जहां पर हरियाणा का हित जुड़ा हुआ होगी वहां पर प्रदेश के हित को देखते हुए किसी भी प्रकार की चोट सहन नहीं की जाएगी।

इसी तरह से पैसे की बात भी यहा, पर की गई। मैं कहता हूं कि बजट में और गवर्नर ऐड्रैस में बहुत अन्तर है। गवर्नर ऐड्रैस के ऊपर तो बोलते हुए इनकी जुबान बेलगाम चलती है लेकिन बजट में केवल आकड़े ही दिये जाते हैं। एक तरफ तो ये चुनाव का बजट कहते हैं और दूसरी तरफ इसको दिशाहीन कहते हैं। कही पर इनका दिल नहीं टिकता, क्या वे बोलेंगे जनता के बीच में? कादयान साहब और चौटाला साहब ने कह दिया कि खर्चा बहुत हो रहा है, पैसा कहां चला गया, पैसा कहां से आएगा, बहुत कर्जा लिया जा रहा है। कादयान साहब, आप तो पड़े लिखे है, आप ही ओम प्रकाश जी को बता देना। स्पीकर साहब, 1986–87 में हरियाणा मे कांगेस की सरकार थी। उस वक्त

प्लानिंग का ऐक्सपैन्डीचर हरियाणा में किया गया 502.17 करोड़ रुपये और जब इनकी सरकार आई अध्यक्ष महोदय, इनका राज 1987–88 में आया था, तो जहां 1986– 87 में यह खर्चा 502.17 करोड़ रुपए आया तो इन्होंने 1987–88 में 456.65 करोड़ रुपए खर्च किए। यानि इन्होंने 9.3 परसैन्ट उस खर्च को घटाया, बढ़ाया नही। अध्यक्ष महोदय, जब हमारी सरकार दोबारा आई तो उस वक्त हमने 699.39 करोड़ रुपए खर्च किया था और 13.2 परसैन्ट की हमने बढ़ौतरी की। अध्यक्ष महोदय, आज जौ हम साल पूरा करने जा रहे है, इस साल का हमारा प्लानिंग एस्टीमेट 1025 करोड़ रुपए का था। यह पहली मिसाल है कि इनके समय में हर साल प्लान पर कट हुई और हम 1994–95 का जो साल पूरा करने जा रहे है इस दौरान 1030.33 करोड़ स्पीपकर का खर्च हुआ। हमने प्लान के खर्च में बढ़ौतरी की, कटौती नही की। अध्यक्ष महोदय, जो हमने 1996– 96 का प्लान एस्टीमेट पेश किया है उस में 1250 करोड रुपए का खर्चा होगा जोकि 21 3 परसैंट की बढ़ौतरी है। यहं एक रिकार्ड बढ़ोतरी है। तो कहां तो 466 करोड़ और कहां 1250 करोड़। यानी इनसे अढ़ाई गुना से भी ज्यादा प्लानिंग एक्सपैडीचर हम करे गे। तो इनकी योजना कहां गई और पैसा कहां गया। (विघ्न ) अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा था कि यह तो आकड़ो की बात णै, बजट में बिना ब्रेक की गाड़ी' नही चल सकती। हमने इनको कई बार समझाने का प्रयास किया। यह तो हमारा डिस्ट्रीब्यूशन आफ फडज है, जो एक साल में हम अपने रिसोर्सिज जुटाने की कोशिश करते हैं. उसमें से लोगो की

जरूरतें अलग अलग महकमों मे आ जाती है। उसके बाद महकमे के मन्त्री अपने अफसरो के साथ डिस्कस करके अपनी मांग प्लानिंग डिपार्टमैंट को भेजते है। उसके बाद प्लानिंग डिपार्टमैंट हर डिपार्टमैंट की मांग को देख कर और अपने सोर्स के मुताबिक पैसे की अलाटमैंट करता है। जो पैसा बढ जाता है उसकी फिग्गर हम बजट में पेश कर देते है। हमारे से चाहे वह पैसा खर्च करवाए बिजली पर, चाहे खर्च करवाए पब्लिक हैल्थ पर, चाहे खर्च करवाएं एजूकेशन पर, चाहे खर्च करवाएं कृषि पर, चाहे खर्च करवाएं हरिजनों की भलाई पर, चाहे खर्च करवाएं बैकवर्ड क्लासिज की भलाई पर, चाहे खर्च करवाएं महिलाओं की भलाई के लिए और चाहे खर्च करवाए बच्चो की भलाई के लिए यानि ऐसा कोई सैक्टर नही रह जाता जिस पर सरकार अपने बजट का पैसा खर्च न करती हो। लेकिन अध्यक्ष महोदय, जिस तरह मे मेरे सामने बैठे भाई कहते हैं कि सारी सड़के एकदम सोने की बना दी जाएं, मैं कहता हूं कि सड्कों को सोने की क्या बनाए। मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि जो सड़क बनाते है वह दो साल मे मुश्किल से बनती है। उसको ये रास्ता रोकने के बहाने से तोड़ देते हैं और 20– 20 साल से लगाए हुए पेडू जिनकी छाया में आदमी बैठते है, जिनकी छाया में पक्षी बैठते हैं, जिनकी छाया में पशु बैठते हैं उन पेड़ों को इन्होंने रास्ता रोकने के बहाने से काट काट कर फैक दिया। इन्होंने तो कभी पेडू लगाने का काम किया नही लेकिन हमारी सरकार ने जिन पेड़ों को लगा कर इतना बड़ा किया उन पेड़ों को इन्होंने काट कर डाल दिया। उस समय

इन्होंने रास्ता रोकने के बहाने से एक सेकिण्ड नही लगाया उन पेड़ों को काट कर फैक दिया। ये कहते हैं कि रास्ता रोक रहे है। इन्होंने इस तरह के काम किए। अध्यक्ष महोदय, कादयान साहब को फिग्गर्ज देखनी नही आई इसलिए इन्होंने कह किया कि किसानो को बर्बाद कर दिया। कहते हैं कि बारिश हो गई नही तो इतना अनाज पैदा नही हो सकता था। इन्होने कह दिया कि इस सरकार ने किसान बर्बाद कर दिए, यह सरकार किसान विरोधी है। किसानो के खेतो में पानी नहीं जाता, किसानों को बिजली के कनैक्शन नही दिए, किसानों को खाद नहीं मिली, दवाई समय पर नही मिली, इसलिए किसान बर्बाद हो गए। अध्यक्ष महोदय, बड़े दुख के माथ कहना पड़ता है कि किसान पै खेत की जमीन हर साल घटती जा रही है। किसान को अनाज पैदा करने के लिये पानी भी जरूर चाहिए चाहे वह टयूबवैल से मिले और चाहे नहर से मिले। समय पर बीज चाहिए समय पर खाद चाहिए। अगर किसान को ये सभी सूविधाएं समय पर नहीं मिलती तो क्या जो अनाज की पैदाबार हरियाणा मे हुई है वह हो जाती। अध्यक्ष महोदय, जो 1994– 95 का साल खत्म होने वाला है इस साल में हरियाणा के अन्दर 104 लाख टन अनाज पैदा हुआ है। यह आज तक का रिकार्ड है।

**श्री सतबीर सिंहः** कादयान आप यह बताएं कि इस साल में चीनी कितनी पैदा हुई है?

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के अन्दर गेहू ज्यादा बोई जाती है और गेहू की फसल को सबसे ज्यादा पानी चाहिए तो इनके समय में गेहू की पैदावार 59.07 लाख टन हुई और हमारे समय में 72.31 लाख टन हुई। अगर हमारी सरकार किसानों को बिजली और पानी समय पर नही देती तो क्या इतनी ज्यादा गेहूं की पैदावार हो सकती थी। क्या गेहू की इतनी पैदावार वैसे ही हो गई। हमारी सरकार ने किसानो को बिजली मौर पानी समय पर दिया इसलिए गेहू की पैदावार इतनी हुई।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** गुप्ता जी आप यह बताएं कि 1989–90 मे चीनी का कितना उत्पादन हुआ और आपके समय में कितना हुआ?

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, सवाल तो इस बात का है कि किसान अपनी मर्जी से फसल की बिजाई करता है। सरकार किसी किसान 'को पाबन्द नहीं करती कि आपको गेहूं की ज्यादा बिजाई करनी पड़ेगी या जारी की ज्यादा बिजाई करनी पड़ेगा या गन्ने की ज्यादा बिजाई करनी पड़ेगी। किसान अपने फायदे के हिसाब से फसल की बिजाई करता है। यदि किसान को गेहूं में ज्यादा फायदा होता है तो वह गेहू ज्यादा बोएगा, गन्ना ज्यादा क्यों बोएगा। अगर गन्ने में ज्यादा फायदा है तो गन्ना ज्यादा बोएगा, गेहूं क्यों बोएगा। यह तो किसान की अपनी मर्जी

है कि वह कौन सी फसल ज्यादा बोएगा। वैसे हरियाणा में चीनी की कोई कभी नही

## बैठक का समय बढ़ाना

**श्री अध्यक्षः** आप कितना समय और लेंगे।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** आध घंटा और चाहिए।

**श्री अध्यक्षः** अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय 15 मिनट और बढ़ा दिया जाए?

**आवाजें:** ठीक है जी।

**श्री अध्यक्षः** बैठक का समय 15 मिनट और बढाया जाता है।

## वर्ष 1995–96 के बजट परे सामान्य चर्चा ( पुनरारम्भ )

**श्री मांगें राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, कादयान साहब ने बोलते हुए मैचिंग ग्रांट का जिक्र कर दिया कि इसराना में कालेज बनाने के लिए इन्होंने 5 लाख 40 हजार रुपया मैचिंग ग्रांट का जमा कराया हुआ है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि इन्होंने यह पैसा 27– 3– 93 को जमा करवाया था।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** हमने यह पैसा 27– 3– 91 को जमा करवाया हुआ है। चाहे तो मैं आपका बैक की रसीद

दिखा सकता हूं। It is a wrong statement. Correct it, immediately.

**14.00 बजे**

**श्री मागें राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, मेरे पास जो सूचना है उसके हिसाब से 27– 3– 93 को पैसे जमा हुए हैं। लेकिन मैं इनको बताना चाहूंगा कि कालेज चलाने के लिए और मैचिंग ग्रांट लेने के लिए पहले सरकार से मंजूरी तो लेनी चाहिए। अभी तक सरकार ने उस कालेज की मन्जूरी दी ही नही है तो मैचिंग ग्रांट कहा से दी जाएगी?

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** हमने पैसा जमा करवाया मैश जब हमें डवल होकर मिलेगा तभी तो हम बिल्डिग बनाएंगे।

**श्री अध्यक्षः** कादयान साहब, प्राईवेट कालेज बनाने से पहले सरकार की क्यूरी लेनी होती है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** अध्यक्ष महोदय, एजूकेशन बोर्ड और यूनिवर्सिटी के कायदे कानून के हिसाब से कोई कालेज चलाने से पहले उनको कमरे बना कर दिखाने होते है। गांव वालों के पास जो पैसा था, वह उन्होने डबल लेने के लिए जमा करवा दिया है। पैसा मिलेगा तभी तो बिल्डिग बनाने की काम शुरू होगा। सरकार कोई कालेपन नही बना रही, प्राईवेट कालेजिज को डिस्क्रेज कर रही है। इसलिए मेरी मांग एं कि हमारी यह मैचिंग ग्रांट जल्दी से जल्दी रिलीज होनी चाहिए।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय मैं सदन को बताना चाहता हूं कि सरकार ने फैसला लिया है कि 31– 3– 95 तक जिनका पैसा मैचिंग ग्रांट का जमा हो जायेगा उनको फर्स्ट कम फर्स्ट सर्वड के आधार पर ग्रांट दी जायेगी। लेकिन यह उन्ही को दी जाएगी जिन्होंने कायदे कानून पूरे किए हुए हैं।

अध्यक्ष महोदय, एक बात कही गई कि जो हरियाणा की एक्सप्रैस बसें चल रही हैं उनका किराया बहुत ज्यादा कर दिया है। मैं यह बात पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि हरियाणा में आज भी साथ लगती स्टेटों की अपेक्षा किराया काफी कम है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** बजट जब इतना कम रखा शै तो खर्चा कैसे पूरा करेगे?

**श्री मांगे राम गप्ताः** हमने जिस हिसाब से बजट खर्च करना है वह हमने देखना है। इस बात की चिन्ता हम को है कि 107 लाख टन अनाज किस प्रकार होगा। (विघ्न )

**श्री अध्यक्षः** यह क्वैश्चन आवर नहीं है, इन्हें जवाब देने दें और बार–बार टोका–टाकी न करें।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, अपने हल्के की सड्कों के बारे हमारे साथियों ने आमतौर पर शिकायत की शै कि सड्कों की हालत खराब है। माननीय मुख्य मन्त्री महोदय के आदेश के अनुसार हमने कोशिश की कि सड़को की रिपेयर के लिए पैसे की कमी न हो। आज हरियाणा की कोई भी सड़क टूटी

हुई नही है। अध्यक्ष महोदय, आप भी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि इस साल बारिश ज्यादा बरस गई और कई– सड्कों का नुक्सान फल्ड के कारण हुआ। पानी की वजह से काफी सड़कें टूट गई थीं। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने फैसला लिया कि वार फुंटिग पर रोडज की रिपेयर का काम करवाया जाए और कोई भी रोड ऐसी नहीं रही जिस की रिपेयर न कर दी गई हो। चाहे मार्किट कमेटी की रोडज थीं या पी ० डब्ल्यू० डी ० की रोडज थीं वे सभी कम्पलीट कर दी गई हैं। कोई भी रोड ऐसी नहीं है जो टूटी हुई रह गई हो या जिसकी रिपेयर न की गई हो। मैं अपने भाईयों से यह निवेदन करूंगा कि जो सड़कें बन जाती हैं उनको तोड़ कर शिकायत करने का कोई फायदा नहीं है। (विध्न ) स्पीकर सर, कादयान साहब ने कहा कि इण्डस्ट्रीज को सबसिडी नहीं दी गई और वह बन्द कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, हमने सबसिडी बन्द नहीं की। 82 करोड़ रुपये की सबसिडी हम हर साल डिस्ट्रीब्यूट करते हैं। यह सबसिडी सीनियोरिटी के हिसाब से वितरित की जाती है, सबसिडी रोकने का कोई सवाल पैदा नहीं होता। (विघ्न ) अध्यक्ष महोदय, राम विलास शर्मा जी बहुत बढ़िया आदमी हैं, उनमें संस्कार हैं, हिन्दू संस्कृति की जागृति है, हिन्दू संस्कार हैं और राम के भक्त हैं, हम उनकी बहुत इज्जत करते हैं। ये रोज एक बात इस हाउस में कहते हैं कि आप लोग तो गेहूं खाने वाले हैं, चावल खाने वाले हैं और मैं तो बाजरा खा कर सवा छः फुट का जवान बना हूं, कम से कम बाजरे पर तो रहम खाइये। इसीलिये हमने बाजरे पर कोई टैक्स नही लगाया। (विघ्न

) इन्होने कहा कि कलम दवात पण्डितों के हाथ में थी जो कि उन्हेंने हमें थमा दी है। अध्यक्ष महोदय, हमने वह कलम सम्भाल ली है।

**प्रो० राम बिलास शर्माः** हम ब्राहमणों ने तो वह कलम दवात भी आपको सौप दी आप उससे ही सारा काम कर रहे हो। अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि कलम से कमा कर खाने का काम ब्राहमणों का है। वैसे हमारा और लक्ष्मी का बैर है क्योकि हम तो मां सरस्वती के पुजारी है। दूसरे अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बाजरे की बात कही, अब तो बाजरा भी महंगा होता जा रहा है। इन्होंने कहा है कि बाजरे पर टैक्स नहीं लगाया है, यह ठीक बात कही है। लेकिन मै इनसे एक बात की जानकारी चाहूंगा कि स्प्रिंक्लर सैट्स के बारे में यह जरूर क्लीयर करे कि हम पर टैक्स हटाएंगे या नही।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बड़ा शोर मचा दिया कि हमने कलम–दवात, सिन्दूर और मंगलसूत्र पर टैक्स फ्री कर दिया। (विघ्न ) अध्यक्ष महोदय, हमने यह इसलिए किया क्यों कि हम सारे संसार में महिला दिवस मना रहे हैं। आजादी की लड़ाई में जिन बहनों का सिन्दूर उजड़ गया था उनका आत्म सम्मान बढ़ाने के लिए हमने यह किया है। (विघ्न ) हमने कई बातें ऐसी की है जिससे विद्यार्थियों को लाभ हो, अन्धे जो पढ़ते हैं उनको भी लाभ हो। इनके अलावा टैन्ट वालों की बहुत सी मांने'

थीं हमने उनको भी पूरा किया एं। हमने आम लोगों की मांगों को पूरा किया है और काफी चीजों को टैक्स से एग्जैम्पट किया है।

अध्यक्ष महोदय, राम बिलास जी ने बहुत जोर से कह दिया कि एग्रीकल्चर में स्प्रिंकलर सैटस पर टैक्स क्यों फ्री नही किया है। हमने इनकी भावनाओं की कदर करते हुए और किसानों के हितों की बात को मद्दे नजर रखते हुए यह फैसला किया है कि स्प्रिकलर सैटस पर टैक्स माफ किया जाए। (विघ्न)

## बैठक का समय बढ़ाना

**श्री अध्यक्षः** अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय दस मिनट के लिए बड़ा दिया जाए।

**आवाजें:** ठीक है जी।

**श्री अध्यक्षः** बैठक का समय दस मिनट और बढ़ाया जाता है।

## वर्ष 1995– 96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ )

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे एक बात का और आश्वासन चाहूंगा ओर वह प्वायंट बहुत ही जरूरी है। एग्रीकल्चर में किसान ट्रैक्टर और किसी दूसरी चीज के लिए लोन लेते हैं तो उनको डेढ़ दो परसैन्ट गारन्टी देनी पड़ती शै और उसके बावजूद भी उसे अपनी जमीन या ट्रैक्टर रहन करना पड्हा है। अध्यक्ष महोदय, आर० बी० आई० को तो वह बैक

गारन्टी दे जिससे उसने लोन लिया है। वैसे हरियाणा गवर्नमैंट को अपने किसानों की गारन्टी लेनी चाहिये। अगर यह सरकार किसानों को रहन गारन्टी से छूट दे दे तो इससे किसानों को बहुत राहत मिलेगी।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि हमने किसानों के खेतों में इस्तेमाल होने वाले स्प्रिंकलर सैट्स पर भी टैक्स माफ किया है। इसके साथ साथ जो किसानों के ट्यूबवैल्ज के लिए सबमर्सीबल सैट्स इस्तेमाल होते हैं या इसमें जो जो चीजें इस्तेमाल होती हैं तो उन सभी के ऊपर भी हमने टैक्स माफ कर दिया। इसी तरह से जैसा कि बिजली मंत्री जी ने बताया कि किसानों को ट्यूबवैल्ज के लिए बिजली के कनैक्शन 26 हजार पैंडिंग हैं। इस साल हमने ग्यारह हजार कनैक्शंज देने का फैसला किया है। हम बिजली के कैनेक्शंज कुछ साल के लिए नहीं दे सके थे लेकिन अब सरकार ने इस बारे में एक फैसला लिया है कि जिसको बिजली के कनैक्शंज लेने की जल्दी है और अगर वह ट्यूबवैल्ज के कनैक्शंज के लिए अपने पास डीजल का सैट रखेगा तो उसको हम 25 परसैन्ट तक सबसिडी देंगे। (विघ्न ) अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से जो हमारी ऐग्री बैस्ड इंडस्ट्रीज हैं जैसे सूरजमूखी है, बाड़ी है जो ऐग्री बेस्ड हैं इन पर भी हमने टैक्स माफ करने का निर्णय लिया है। इसी तरह से ब्रिक्स बनाने पर पहले टैक्स था उसको भी अब हमने माफ कर दिया। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से अगर कोई गरीब आदमी है तो वह अपना

गुजारा दफ्तर बगैरह में जाने के लिए साईकिल चलाकर ही करता है वह कार नहीं चला सकता। बड़ा आदमी तो कार चला सकता है लेकिन गरीब आदमी कार का इस्तेमाल नही कर सकता है इसलिए हमने साईकिल पर उसके पुर्जो पर और असेसरीज पर भी पहले जो टैक्स 88 परसैन्ट था, उसको अब कम करके 4.4 परसैन्ट तक कर दिया है। इसी के साथ साथ चूकि– आज हमारे प्रदेश में हर आदमी गरीब नही है, कुछ ऊपर उठा है और अब वह साईकिल पर न चलकर स्कूटर पर चलता है। अब तुक किसान का बेटा भा दो किलोमीटर तक जाने के लिए स्कूटर का इस्तेमाल करता है। अध्यक्ष महोदय, आज स्टेट के हर आदमी ने तरक्की की है इसलिए हमने उसकी खुशी के लिए टू व्हीलर पर, उसके पुर्जो पर और उसकी असैसरीज पर अब तक जौ 11 प्रतिशत टैक्स था, को कम करके 4. 4 प्रतिशत तक कर दिया है। ( विघ्न )

**चौधरी बीरन्द्र सिंहः** स्पीकर साहब मै गुप्ता जी को आपके माध्यम से कहना चाह रहा था कि यहां पर तीन डिप्टी है। एक तो स्पीकर का डिप्टी स्पीकर है, दूसरा सम्पत जी का डिप्टी कादयान जी है और तीसरे डिप्टी चौधरी बंसी लाल के चौहान साहब है।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** आप भजन लाल जी के भी डिप्टी बता दो।

**चौधरी बीरेन्द्र सिंहः** इनके डिप्टी तो शायद हरपाल सिह जी हैं लेकिन सही मुझे पता नही है। स्पीकर साहब, आज तो आपने भी अपने डिप्टी स्पीकर को काफी मौका दिया है। इसलिए आज आप इन दोनो डिप्टीज को भी बोलने का पूरा मौका दीजिए। आज वे दोनो तो यहां पर है नहो।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** हमने तो बजट पर पूरा बोला आ लेकिन सरकार ही हाथ खड़े कर गयी।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, आज किसान अपने खेतों मैं सरसों, तोरिया, तारमिारा और सूरजमुखी को उगाकर काफी माता में मिल ओनर्ज को बेचते है। मिल ओनर्ज के द्वारा इन चीजों को परचेज करने पर अब तक सैल्ज टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से चार परसैन्ट टैक्स लगता था। अगर वह कसाइनमैंट कर दे तो उस पर कोई टैक्स नही। उसका इन्टर स्टेट एक परसैन्ट टैक्स लगता था लेकिन वही मित्र वाला उस तेल को पड़ि कर हरियाणा स्टेट मे बेचे तो 8. 8 परसैट टैक्स था। इससे व्यापारी भी बडा दुखी था। छोटा दुकानदार भी दुखी था। किसानों की पैदावार पर भी फर्क पड़ता था और कन्यूमर पर भी बडा भारी अन्याय था। हम समझते थे कि हमारे यहां से बाहर जाए तो एक परसैट टैक्स पड़े और हमारी स्टेट में बिके तो 8. 8 परसैंट टैक्स पड़े। इसलिए इस सरकार ने विचार करके उसे 8 परसैंट से घटाकर तक परसैंट कर दिया है। इससे व्यापारी की परेशानी भी खन्न होगा। किसान कंज्यूमर दुकानदार को भी फायदा होगा।

अध्यक्ष महोदय, हम हरियाणा के किसी आदमी से कोई भेदभाव नही करते हैं। जितनी सहूलियत सरकार दे सकती है, देने की कोशिश करती है। अभी सूरजमल जी हरियाणा के व्यापारियो का जिक्र कर रहे थे। वह दिक्कत हम भी महसूस करते है। मुख्यमन्त्री जी ने कल बताया था कि प्रयास यह है कि हमारी मंडी न उजड़े। हमने एक जोनल स्टेटस की मिटिंग की। यह बात मैं राम भजन अग्रवाल जी को बता रहा हू क्यौंकि कल वे स्लेबस की बात कह रहे थे। अब आइटम्ज पर चार से ज्यादा स्लैब नही होंगे। इससे बहुत बड़ी कट्रोवर्सी नही रहेगी। कौन सी कम्यूनिटी कौन से स्लैब में हो इसका भीं फायदा हो गया 8 एडजौइनिंग स्टेट्स है, उनमें बिल्कुल यूनीफार्म टेक्स के रेट हो जाएंगे फिर मंडियों मे किसी प्रकार की दिक्कत नही रहेगी। किसान का माल मंडी मे बिकने के लिए आ गया और वह कमीशन एजैटं ने आगे बेचा। अब तक परचेजर पर फार्म 15 लागू था। परचेजर फार्म 15 देने में बहुत दिक्कत महसूस करते थे। यह दिक्कत भी सरकार ने खत्म कर दी है। इसी तरह से बैरियर्ज की बड़ी भारी दीवार खड़ी की हुई थी। जब हम इनको हटाने की बात कहते थे तो ये कहतें थे कि भट्ठा बैठ जाएगा, रेवेन्यू कम हो जाएगा। यह कह कर तोड़ने नही देते थे लेकिन इस सरकार ने हिम्मत कीं, एक बड़ा ऐतिहासिक फैसला लिया और बैरियर्ज खत्म करने के बाद व्यापारियों पर एतबार किया। व्यापारियों ने भी ईमानदारी दिखाई जिससे टैक्स की उगाही में बढ़ोतरी हुई, कमी नही हुई। फार्म 15 की तलवार जो परचेजर पर लटकती थी उसकी छूट कर दी है। अब सरकार की

तरफ से फार्म 15 आफिस मैं नही लेना पड़ेगा। परचेजर बिल देने जाएगा और उस पर साइन करा लाएगा। अव उसकी यह दिक्कत कम हो गई है।

## बैठक का समय बढ़ाना

**श्री अध्यक्षः** अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय पाच मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाए।

**आवाजेः** ठीक है जी।

**श्री अध्यक्षः** बैठक का समय पांच मिनट और बढ़ाया जाता है।

## वर्ष 1995–96 के बजट पर सामान्य चर्चा ( पुनरारम्भ )

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, अभी व्यापारियों के बारे मे मैंने बताया किसानो के बारे मे बताया। हर चीज को हमने ध्यान में रखा है कि व्यापारियो को, किसानों को सरकार ने क्या क्या सहूलियतें दी है। भावों के बारे में भी हमने सब कुछ बताया है। अगर ये लोग दिये गये भावों को गौर से देखें तो इनको पता चल जाएगा कि सरकार किसानों और व्यापारियों के हितों के लिये कितनी जागरुक है। स्पीकर साहब, मैं इनको बताना चाहता हूं कि मैंने अपने जीवन में बहुत कुछ देखा है। मैं कादयान साहब को यह बताना चाहता हूं कि क्या इन्होंने नरमे का भाव अढ़ाई हजार रुपये क्विंटल कभी देखा है? लेकिन हमने यह जरूर सुना है कि

किसानों के खेतों मे खड़े हुए गले को आग लगा दी गई और उसको उठाने वाला कोई नही मिला। नोर्मल। हम रोज ही देखते हैं कि जैसे जैसे पैदावार बढ़ती जाती है तो उसके रेट्स कम हो जाया करते है। लेकिन ह म यह कह सकते हैं कि इस सरकार के प्रयासों के साथ जितनी पैदावार किसानों ने की है, वह एक मिसाल है। उससे 20 और 25 परसैन्ट पैदावार बढ़ी है लेकिन इसके साथ साथ भाव नहीं घटे। यह मैं सारी बात अपने अनुभव से कह रहा हूं जिसकी वजह से किसानो को लगभग 3 हजार करोड़ रुपये का लाभ हो गया (तालियां )

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** हमारे समय में जीरी 2 हजार रुपए किवंटल बिकी थी, इस पर भी वोले।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** कादयान साहब, थारे टाइम में नहीं बिकी और थारे टाइम में बिक भी नहीं सकती। अध्यक्ष महोदय, हमने तो वह टाइम भी देखा है जब सरकार किसानों का गेहूं परचेज करती थी.।

**प्रो० राम विलास शर्माः** अध्यक्ष महोदय, मत्री जी कह रहे हैं कि नरमे का भाव बढ़ा है। क्या वे बतलायेंगे कि यूरिया का दाम, डी ०ए०पी० का दाम, बीज का दाम, पैस्टीसाइजड का दाम, बिजली के किसानों के बिल और पानी. के बिल भी क्या इसी अनुपात में बढ़े है? क्या इसका हिसाब भी लगाया है?

**श्री मांगे राम गुप्ताः** राम बिलास जी, इन सारी बातों का हिसाब किताब लगाकर ही मैं बता रहा हूं कि किसानो को 3 हजार करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। मैं कह रहा था कि हमने गेहूं की मार्किट में सरकार को परचेज करते हुए देखा है। (शोर ) इनके समय में दो दो दिनों तक किसानों का गेहूं उठता नहीं था। इंस्पैक्टर परचेज करने के लिये आते नही थे, बैगज नही मिलते थे और किसान बेचारे शोर मचाते थे। किसान इस कारण से बड़े परेशान होते थे और आज सरकार ने किसानों के गेहूं के लिये व्यापक प्रबन्ध कर रखे है। किसान का गेहूं मंडी में आता है, चाहे रात के 12 बजे आये, सुबह आठ बजे आये, चाहे वे सड्कों पर कही रेत में गेहूं को डाल दें, बाकायदा उनके गेहूं का हाथो हाथ बजन करवा करके सरकार दारा उसे पैसा दे दिया जाता है। एक दिन भी किसी किसान का पैसा सरकार अपने पास नहीं रखती। ये बता दें कि एक दिन भी कोई किसान पेमैन्ट से लेट हुआ हो। किसान को इस पेमैंट के लिये एक दिन भी इन्तजार नहीं करना पड़ता।

**श्री सतबीर सिंह कादयानः** स्पीकर साहब, पानी पत की मडी मे अब तक जीरी की पेमन्ट राईस शैलर्ज ने किसानों को नहीं की है और न ही पानीपत शूगर मिल ने ही पेमैन्ट की है। इसलिये क्या कोई ऐसा प्रोसीजर सरकार के पास है कि बगैर मार्किट कमेटी के सैक्रेटरी के इस तरह की बोली. लग सके? क्या ऐसा प्रावधान सरकार ने कर रखा है। चाहे बोली फूड सप्लाई के।

हो, हैफेड की हो, क्या कोई कानून सरकार ने बना रखा है कि बगैर किसी बोली के माल उठाया जा सके।

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, मैंने तो गेहूं के बारे में कहा है, उसमें 99 परसैन्ट सरकारी ऐजैन्सी परचेज करती हैं। पैडी की जो बात कर रहे हैं, वह तो प्राइवेट राईस शैलर से सम्बन्धित बात कर रहे हैं। वैसे जो कुछ पानीपत में हो रहा है उसका तो इन्हें बेहतर पता होगा। जहां तक पैडी की किसानों को कीमत देने का सवाल है, वह आज इनके राज से कई दर्जे बेहतर है। इसकी हमें कहीं कोई शिकायत नहीं मिली है। आज हमारे जी न्द के अन्दर भी कोई किसान यह नहीं कह सकता कि किसी किसान की पेमैन्ट रुकी हुई है। किसी राईस शैलर के पास किसी किसान की कोई पेमैन्ट बकाया नही है। चाहे कोई दुकानदार हो, चाहे कोई किसान हो, पेमैन्ट किसी की आज तक नहीं रुकी है। (शोर ) अध्यक्ष महोदय, इनके राज में क्या होता था। इन्होने लोगों को एक बात अवश्य सिखा दी थी कि ले के कभी देना नहीं और कमा के कभी खाना नहीं। ऐसा फार्मूला इन्होंने लोगो को दिया था। मतलब कि किसी का कुछ अगर फंस जाए तो वह देना नही। आखिर जब ले कर देने की जरूरत नही तो कमा कर खाने की भी जरूरत नहीं है। हमने मुश्किल से इनकी इस नीति को काबू किया। हमने कहा कि यह गलत है। अगर कोई लोन लेता है तो उसको उसे वापिस भी करना पड़ेगा वरना उस पर ब्याज बढ़ता जाएगा। अब जो लोग लोन लेते हैं वे उसको जल्द वापिस करने

की कोशिश करते है। क्योकि उनको पता है कि अगर समय पर लोन वापिस नही करें गे तो उस पर व्याज भी और देना पड़ेगा। अब तो लोगों को पता चल गया है कि पैसा वापिस करना ही पड़ेगा।

## बैठक का समय बढ़ाना

**श्री अध्यक्षः** अगर हाउस की सहमति हो तो बैठक का समय पांच मिनट और बढा दिया जाए।

**आवाजेः** ठीक है जी।

**श्री अध्यक्षः** बैठक का समय पांच मिनट के लिये और बढाया जाता है।

## वर्ष 1995–96 के बजट पर सामान्य चर्चा ( पुनरारम्भ )

**श्री मांगे राम गुप्ताः** अध्यक्ष महोदय, बहुत सी बातों का जवाब तो मुख्य मन्त्री जी दें चुके हैं और बहुत से इशूज का जवाब मैं ने देने की कोशिशकी है। अभी इसके याद डिमांडज आएंगी, उन पर डिस्कलन के बाद भी मैं जवाब दूंगा। मै एकही बात कहना चाहूगा कि माननीय सदस्यों ने अपने अपने हल्कों की' जो बातें कही, चाहे वह स्कूलों के बारे मे थी, हस्पतालो के बारे में थी, सड्कों के बारे मे थी या किसी और विकास के काम के बारे में थी। वे बहुत अच्छी बाते सरकार के नोटिस मे लाए है। मैं उनको कहना चाहता हू कि सरकार बगैर किसी भेद भाव के

आपके सुझावो पर विचार करेगी और जो जो दिक्कते है उनको दूर किया जाएगा। मैं आप सब का धन्यवाद करते हुए चाहूंगा कि सभी लोग इस बजट का समर्थन करे क्योंकि यह बजट जनता के हित मे है।

धन्यवाद।

**Mr. Speaker :** Now the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, the 23rd March, 1995.

**14.31 बजे**

(The Sabha then adjourned* till 9.30 A.M. on Thursday, the 23rd March, 1995).